www.navpradesh.com
दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल
रायपुर, सोमवार, 29 जून 2026 शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 140 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

अबूझमाड़ में कटाई : सीएम साय ने दिए उच्च स्तरीय जांच के निर्देश, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

■ जांच के लिए बनाई जाएगी कमेटी, वन और राजस्व विभाग के अधिकारी रहेंगे शामिल

खबर का असर

■ वनों की अंधाधुंध कटाई का मामला उजागर होने के बाद साय सरकार सख्त

जगदलपुर/ नवप्रदेश। अबूझमाड़ में वनों की अंधाधुंध कटाई का मामला उजागर होने के बाद प्रदेश सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। इस मुद्दे को सबसे पहले प्रमुखता से प्रकाशित करने वाले नवप्रदेश की पड़ताल के बाद शासन-प्रशासन में हलचल मच गई। वन मंत्री केदार कश्यप ने पूरे मामले की जानकारी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को दी, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को उच्च स्तरीय जांच समिति गठित कर पूरे प्रकरण की जांच कराने तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के मुताबकि प्रारंभिक स्तर पर वन विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

अबूझमाड़ में कथित रूप से बड़े पैमाने पर जंगलों की कटाई और सड़क ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पर्यावरणीय क्षति की भरपाई की जाएगी

राज्य सरकार का रुख स्पष्ट है कि यदि वन भूमि पर अवैध कटाई, नियमों का उल्लंघन या किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। दूसरी ओर सांसद महेश कश्यप का कहना है कि विकास कार्यों के दौरान यदि कहीं पर्यावरणीय क्षति होती है तो उसकी भरपाई की जाएगी तथा अवैध लाभ लेने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

दोषी अफसरों को नोटिस

नवप्रदेश द्वारा पूछे गए प्रश्न पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अबूझमाड़ में वन कटाई और सड़क निर्माण के पूरे मामले की जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है। एसडीओ, रेंजर सहित संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर जो भी अधिकारी, कर्मचारी अथवा अन्य व्यक्ति दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वन संरक्षण से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

गांवों में विकास भी जरूरी: सांसद

नव प्रदेश के प्रश्न के उत्तर में सांसद महेश कश्यप ने कहा कि अबूझमाड़ को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए आधारभूत ढांचे का निर्माण जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि विकास कार्यों के दौरान कहीं क्षति होती है तो उसकी भरपाई की जाएगी तथा वन भूमि पर अवैध लाभ लेने या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई होगी।

प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जा रही

शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता में वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अबूझमाड़ अनसर्वेक्षित क्षेत्र है, इसलिए पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जा रही है। वहीं एक अन्य कार्यक्रम के दौरान बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि विकास और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए सड़क निर्माण आवश्यक है, लेकिन यदि किसी ने नियमों का उल्लंघन किया है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई होगी। जंगलों के नुकसान पर कार्रवाई की जाएगी।

आज बेबाक

कहते हैं न कि बिल्ली को सपने में भी छिछड़े ही दिखते हैं। ठीक उसी तरह सत्ता लोलुपों को हर घटना में अपना चुनावी लाभ नजर आता है। कभी- कभी बिल्ली के भाग्य से छीका टूट भी जाता है। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी का मामला उजागर हुआ तो इसका राजनीतिक फायदा उठाने के लिए विपक्षी पार्टियों के बीच होड़ लगना स्वाभाविक है। राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट की तर्ज पर राम विरोधी भी राजनीतिक लाभ लूटने टूट पड़े हैं। सायकल वाले भैया पीडीए में ÷ए÷ का मतलब अयोध्या भी बता सकते हैं।

एसआईटी की कार्रवाई : टिन्नू के घर अलमारी-बक्से खंगाले, अनुकल्प के यहां मिली डायरी

राममंदिर चढ़ावा चोरी में 8 आरोपियों के घर पुलिस की एक साथ छापेमारी

■ आठ घंटे तक चली जांच, कई दस्तावेज जब्त

अयोध्या/ए.। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद 8 आरोपियों के घरों पर रविवार सुबह 7 बजे पुलिस की 8 टीमों ने एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 3 आरोपियों के घर पर ताला लगा था। पुलिस ने पड़ोसियों से सवाल-जवाब किए।

चंपत राय के करीबी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर पर ताला लगा मिला। आरोपी अनुकल्प मिश्रा के घर पर भी छापेमारी हुई। खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाले गए। पुलिस को अनुकल्प के घर डायरी और कुछ अहम दस्तावेज मिले हैं। पुलिस का मानना है कि डायरी राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण से संबंधित है। छापेमारी में राजस्व अधिकारियों खासकर लेखपालों को शामिल किया गया। पुलिस ने दोपहर 3 बजे तक करीब 8 घंटे जांच की। इस दौरान राम मंदिर से जुड़ने के बाद आरोपियों के लाइफ स्टाइल में आए बदलाव को लेकर पड़ताल की गई।

23 जून को रिपोर्ट सौंपी, 25 को एफआईआर

चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार ने 13 जून को एसआईटी बनाई। एसआईटी ने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज हुई। इसमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 को नामजद किया गया। हालांकि, चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं। एफआईआर दर्ज होने के कुछ घंटे बाद ही पुलिस ने टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को सीजेएम कोर्ट ने सभी आरोपियों को तीन दिन के लिए जेल भेज दिया। शुक्रवार को ही मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया।

आरोपियों के घर पुलिस की छापेमारी में क्या हुआ?

रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू: राम मंदिर से 2 किमी दूर स्वर्गद्वार मोहल्ले में टिन्नू के दो मंजिला मकान पर ताला लगा मिला। कुछ देर बाद टिन्नू की मां मौके पर पहुंचीं और ताला खोला। पुलिस ने घर में रखे कागजातों, बक्सों और अलमारी की तलाशी ली। परिजन से पूछताछ की।

मनीष यादव: टिन्नू के घर के बगल में आरोपी भतीजे मनीष यादव के घर पर भी छापेमारी हुई। वहां भी ताला लगा मिला। दो मंजिला मकान में रह रहे किराएदारों से पुलिस ने मनीष के बारे में सवाल किए।

लवकुश मिश्रा: रुदौली स्थित घर स्थानीय पुलिस पहुंची तो लवकुश के दादा 72 साल के जगदंबा मिश्रा बाहर बैठे दिखे। उनसे पूछताछ हुई।

सुभाष चंद्र श्रीवास्तव: अंजनीपुरम स्थित घर में छापेमारी हुई। घर पर ताला मिला। पुलिस ने पड़ोसियों से बातचीत की। सुभाष की संपत्ति और लाइफस्टाइल के बारे में जानकारी जुटाई।

अनुकल्प मिश्रा: कौशलपुरी स्थित घर पर पुलिस पहुंची तो मां ने दरवाजा खोला। 3 पुलिसवाले घर के अंदर गए। संपत्तियों के

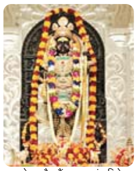

दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाली। परिवारवालों से पूछताछ की। पड़ोसियों से भी सवाल-जवाब किए।

अविनाश शुक्ला: कौशलपुरी में घर पर पुलिस को कोई नहीं मिला। पास में किराना स्टोर चलाने वाले राहुल कुमार से पुलिस ने पूछताछ की। उन्होंने बताया- अविनाश किराए पर रहते हैं। योग सेंटर से जुड़े हुए थे। घर कहीं गांव में है।

रमाशंकर मिश्रा: नया घाट में आरोपी के पिता ने छन्नू लाल मिश्र ने बताया- पुलिस आई थी। बक्सा और अलमारी देखी। जांच के बाद चले गए। घर में कुछ नहीं मिला। कुछ कागजों पर साइन करवाए। रमाशंकर करीब 6 साल से मंदिर के लिए काम कर रहा था।

महानदी विवादः 11 जुलाई तक बनाएं सहमति, नहीं तो होगी सीधी सुनवाई

रायपुर/नवप्रदेश। महानदी के जल बंटवारे को लेकर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच दो दशक से चला आ रहा विवाद फिलहाल सुलझता नहीं दिख रहा है। बताया गया है कि ओडिशा सरकार, छत्तीसगढ़ के प्रस्ताव से सहमत नहीं है। इस बीच महानदी जल विवाद ट्रिब्यूनल की चेयरमैन जस्टिस (रिटायर्ड) बेला त्रिवेदी ने दोनों राज्यों को फटकार लगाते हुए 11 जुलाई तक आपसी सहमति से ठोस प्रस्ताव देने का अल्टीमेटम दिया है। ऐसा नहीं होने पर ट्रिब्यूनल सीधे सुनवाई शुरू कर देगा।

महानदी जल विवाद के निपटारे के लिए केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस बेला त्रिवेदी की अध्यक्षता में ट्रिब्यूनल का गठन किया है। इससे पहले ट्रिब्यूनल के चेयरमैन जस्टिस अजय खानविलकर थे। दोनों राज्यों की तकनीकी समितियों के बीच अब तक 24 बैठकें हो चुकी हैं।

सूत्रों के मुताबिक दोनों राज्यों ने गर्मियों में पानी की उपलब्धता के आंकड़े भी एकत्र किए हैं। अप्रैल में ट्रिब्यूनल की चेयरमैन बेला त्रिवेदी और अन्य सदस्यों ने महानदी बेसिन का संयुक्त दौरा कर पानी की उपलब्धता का जायजा भी लिया था। दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार होने के कारण उम्मीद जताई जा रही थी कि विवाद का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

महानदी में सात नदियां शामिल

महानदी लगभग 900 किलोमीटर लंबी है। इसमें से 357 किलोमीटर छत्तीसगढ़ और 494 किलोमीटर ओडिशा में बहती है। महानदी बेसिन में शिवनाथ, हसदेव, मांड, तेल, जोंक, इब और ओंग सहित कुल सात प्रमुख नदियां शामिल हैं। ओडिशा में औद्योगीकरण और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के कारण, विशेषकर गर्मियों में, पानी की कमी रहती है। छत्तीसगढ़ में भी बेसिन की अधिकांश नदियों में गर्मी के दौरान पर्याप्त पानी नहीं रहता। यहां भी सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी छोडने का दबाव रहता है।

15 विदेशी यूनिवर्सिटी को भारत में कैंपस खोलने की मंजूरी

नई दिल्ली/ए.। भारत में अब विदेशी यूनिवर्सिटी की डिग्री लेने के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं होगी। केंद्र सरकार अब तक 15 विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस खोलने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट जारी कर चुकी है। इनमें ज्यादातर कैंपस अगस्त से पहला बैच शुरू करेंगे। शुरुआती चरण में हर कैंपस में 200 से 250 छात्रों को दाखिला दिया जाएगा। अगले पांच सालों में इसे बढ़ाकर हर कैंपस में सालाना 1,000 से 1,200 छात्रों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन, ब्रिस्टल, यॉर्क, इलिनोइस टेक, लिवरपूल और विक्टोरिया यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान अपने कैंपस खोल रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

पुंछ/ए.। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना ने रविवार को पाकिस्तान के एक घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, इस महीने जिले में पकड़ा गया यह तीसरा पाकिस्तानी घुसपैठिया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 31 साल के रईस खान के रूप में हुई है। जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का निवासी है। अधिकारियों ने बताया कि वह बालाकोट सेक्टर से एलओसी पार कर भारतीय सीमा में दाखिल हुआ था, जिसके तुरंत बाद सेना ने उसे हिरासत में ले लिया। शुरुआती जांच में उसके पास से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है।

मछली कारोबारी की निर्मम हत्या, मिर्च पाउडर फेंककर साथी को किया बेबस

■ धमतरी जिले के नगरी-गरियाबंद मार्ग पर शनिवार देर शाम की वारदात

धमतरी/नवप्रदेश। नगरी-गरियाबंद मार्ग पर शनिवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली वारदात में मछली व्यवसायी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। बदमाशों ने वारदात के दौरान उसके साथी की आंखों में मिर्च पाउडर फेंक दिया, जिससे वह जान बचाकर भाग निकला।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हमलावर नगदी भी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान विपलभ मंडल (करीब 55 वर्ष), पिता मनोरंजन मंडल, मूल निवासी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

लूटपाट या पुरानी रंजिश का मामला

सूत्रों के अनुसार, घटना के बाद हमलावर नकदी भी लेकर फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। प्रारंभिक तौर पर मामला लूटपाट या पुरानी रंजिश से जुड़ा माना जा रहा है, लेकिन हत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया

पुलिस ने मामले में चार से पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे अलग-अलग पहलुओं पर लगातार पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं, जिनके आधार पर पुलिस जल्द ही हत्या की पूरी साजिश और आरोपियों की भूमिका का खुलासा कर सकती है। हालांकि पुलिस ने अभी आधिकारिक तौर पर किसी की गिरफ्तारी या हत्या के कारणों की पुष्टि नहीं की है।

बारिश से ढही दीवार, दो बच्चियों की मौत

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय के नजदीकी ग्राम राउरपुर में दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। यहां लगातार हुई बारिश के कारण एक मकान की कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के वक्त दीवार के पास मौजूद दो मासूम बच्चे मलबे में पूरी तरह दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बच्चों को बचाने दौड़ी एक महिला भी मलबे की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, राउरपुर निवासी ओमप्रकाश कोसले के घर कच्ची दीवार थी। पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश के कारण यह दीवार पूरी तरह से ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सुकमा में बिजली गिरने से युवक की मौत, 4 घायल

सुकमा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार दोपहर बिजली गिरने से 18 साल के एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद चार अन्य युवक घायल हो गए हैं। सभी युवक खेत में काम करने के बाद बारिश से बचने के लिए इमली पेड़ के नीचे बैठे थे। यह मामला कुकानार थाना क्षेत्र का है। घायलों का इलाज छिंदगढ़ अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, गांव के देवनाथ पारा के उमेश बघेल, मंगला बघेल, आशाराम बघेल, अजय नाग और आयता बघेल दोपहर करीब 3 बजे खेत में खेती-किसानी का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मौसम बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए पांचों युवक पास में मौजूद एक इमली पेड़ के नीचे पहुंच गए।

मॉर्निंग वॉक पर निकले तीन लोगों को कुचला, मौत

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में मॉर्निंग वॉक पर निकले 3 लोगों को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर वाहन लेकर भाग गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। घटना बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगरी-कोरबी से गुजरने वाली भारतमाला रोड पर हुई है। जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच हादसा हुआ। मृतकों की पहचान डोंगरी-कोरबी के रहने वाले दिलहरण दास वैष्णव (62), केदार यादव (52) और संतु यादव (70) के रूप में हुई है। तीनों दोस्त थे। दिलहरण वैष्णव सेवा सहकारी समिति से ब्रांच मैनेजर के पद से रिटायर हुए थे।

गरमा-गरम

समारोह : संस्कृति और मूल्यों से समाज को जोड़कर देश-दुनिया में अपनी पहचान को मजबूत कर सकता है भारतः इंद्रेश

लोकतंत्र सेनानियों का त्याग नई पीढ़ी के लिए प्रेरणाः साय

■ मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष पर आधारित स्मारिका 'आपातकाल के योद्धा' का किया विमोचन

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर स्थित डीडीयू ऑडिटोरियम में आपातकाल स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान समारोह में शामिल हुए। गरिमामयी समारोह में उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष पर आधारित स्मारिका 'आपातकाल के योद्धा' का विमोचन किया तथा आपातकाल पर आधारित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इंद्रेश कुमार ने अपने संबोधन में लोकतंत्र, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि एक जीवन मूल्य है, जिसे समझने और निभाने की जिम्मेदारी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

इतिहास कभी भुलाया नहीं जा सकताः सीएम साय

सीएम साय ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह कालखंड है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष, त्याग और जेल जीवन की कठिनाइयों को याद करते हुए कहा कि इन लोगों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अभूतपूर्व योगदान दिया। श्री साय ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल स्मरण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को सचेत करना है ताकि वे समझ सकें कि स्वतंत्रता और लोकतंत्र कितनी बड़ी कुर्बानियों के बाद प्राप्त हुए हैं।

आपातकाल लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती थाः डॉ. रमन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि कहा कि 1975 का आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती था। उन्होंने प्रेस सेंसरशिप, मौलिक अधिकारों के निलंबन और संविधान संशोधनों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समय लोकतंत्र की मजबूती और जागरूकता का प्रतीक बनकर सामने आया। आपातकाल हमें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सदैव सजग रहने की प्रेरणा देता है।

ग्रिड में भेजी गई अतिरिक्त सोलर बिजली की खरीद दर तय, अगले बिल में क्रेडिट

■ पीएम सूर्यघर योजना के रूफटॉप सोलर उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने वाले उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्रिड में भेजी गई अतिरिक्त (सरप्लस) सोलर बिजली की खरीद दर तय कर दी है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने इस दर को अपनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दर को अनुमोदन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) को भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद उपभोक्ताओं को इसकी राशि अगले बिजली बिलों में क्रेडिट के रूप में दिखाई देगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अड़बंधा किनारे डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कॉम्प्लेक्स निर्माण से लोगों को मिलेगा रोजगार

■ नगर के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बनाया जा रहा है व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स

भटगांव/नवप्रदेश। नगर पंचायत भटगांव में बेरोजगारी को देखते हुए अड़बंधा तालाब के किनारे व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है जिससे नगरवासियों को रोजगार प्राप्त संभव हो पाएगा। ज्ञात हो कि नगर भटगांव में प्रवेश करते ही मुख्य मार्ग और अड़बंधा तालाब के बीच खाली भूमि,जिसमें कुछ अस्थाई ठेला लगा हुआ रहता था जहां अब लगभग 50 कमरे का व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है जिससे 50 बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा साथ ही दुकानों में आसपास के सैकड़ो श्रमिकों एवं मजदूरो को भी रोजगार प्राप्त होगा जिससे नगर व क्षेत्र के व्यापारीयों की आमदनी मे वृद्धि होगी और भटगांव सहित क्षेत्र का विकास होगा।

इस निर्माण कार्य से नगरवासियों व व्यापारियों में खुशी की लहर है । ज्ञात हो पूर्व में भटगांव के बस स्टैंड से लगा हुआ अड़बंधा तालाब जिसके किनारे अव्यवस्थित गुमटी ठेला लगाकर यातायात एवं अन्य अव्यवस्था का सामना कर रहे थे ऐसे में नवनिर्वाचित अध्यक्ष विक्रम कुर्रे एवं नगर पंचायत द्वारा अस्थाई ठेला एवं बेरोजगार लोगों को अब पक्की दुकान दिया जा रहा है तथा अन्य ठेले वालों को बिर्रा रोड मे अस्थाई रोजगार करने के लिए स्थान दिया गया है. हालांकि कुछ नगर विरोधी लोगों को इसमें भी समस्याएं होने लगी है लेकिन पंचायत जनहितैषी बनकर नगर के बेरोजगारों के लिए दुकान कमरा व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स बना रही है.

आपको बतादे जो भटगांव से होकर जाने वालों को अशोभनीय लगता था और नगर भटगांव बिल्कुल गांव देहात की तरह नजर आता था परंतु इस व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण हो जाने से नगर की सुंदरता पर जबरदस्त निखार आएगा । साथ ही नगर पंचायत का भी राजस्व बढ़ेगा । इस व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण से एक फायदा नहीं बल्कि अनेको फायदा नगर को मिलेगा । वही नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे ने बताया कि नगर के हित मे विधिवत निर्माण कार्य किया जा रहा है और तालाब के गहरीकरण एवं सौंदरीकरण के लिए कार्य किये जा रहे है. वहीं नगर विकास के विरोध मे कुछ लोगों द्वारा भ्रामक खबरें एवं अफवाहे फैलाई जा रही है जो अनुचित है - विक्रम कुर्रे नगर पंचायत अध्यक्ष भटगांव

इस व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स को निर्माण को करने का मुख्य उद्देश्य नगर के बेरोजगार को रोजगार देना व नगर पंचायत के राजस्व की वृद्धि करना साथ ही यह मुख्य मार्ग से लगा हुआ है ऐसे में ठेला,टीना,टप्पर नगर के सुंदरता का रोड़ा बना हुआ था परंतु व्यवसायिक परिसर के निर्माण से नगर की सुंदरता में नई चमक आएगी ।

संक्षिप्त खबरें

भूपेश बघेल का अभनपुर में आत्मीय स्वागत

अभनपुर/नवप्रदेश। रविवार को अभनपुर में आयोजित संगठन सृजन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शिविर को संबोधन करने के लिए आज अभनपुर आगमन हुआ। जहां पर टिकेंद्र सिंह ठाकुर प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक छत्तीसगढ़ पूर्व सभापति जनपद पंचायत अभनपुर जिला रायपुर, टिकेंद्र बघेल पूर्व ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, सतीश साहू पूर्व महामंत्री ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, जयवर्धन बघेल युवा कांग्रेस अध्यक्ष अभनपुर विधानसभा, भरत देवांगन जिला अध्यक्ष राशि मजदूर कांग्रेस रायपुर जिला एवं अन्य साथियों के द्वारा भूपेश बघेल का चंडी मोड़ अलका अग्रवाल धर्मशाला के सामने ढोल बाजे एवं आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया गया।

दो बूंद जिंदगी की' से शुरू हुआ स्वस्थ बचपन का अभियान

धमतरी/नवप्रदेश। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को शहर के सोरिद वार्ड की तीनों आंगनबाड़ी केंद्रों में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान नगर पालिक निगम की सभापति कौशिल्या देवांगन ने बच्चों को अपने हाथों से पोलियो की दो बूंद पिलाई और अभिभावकों से प्रत्येक बच्चे को समय पर पोलियो की खुराक दिलाने की अपील की।सभापति कौशिल्या देवांगन ने कहा कि ÷दो बूंद जिंदगी की÷ केवल एक नारा नहीं, बल्कि बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों की जागरूकता और सहभागिता बेहद आवश्यक है।उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य विभाग की टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जनसहयोग से ही इस तरह के स्वास्थ्य अभियान पूरी तरह सफल हो सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास के प्रत्येक पात्र बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं।अभियान के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सभी पात्र बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान को सफल बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाई।

रिसाई पारा पूर्व वार्ड से पल्स पोलियो अभियान का किया गया शुभारंभ

धमतरी/नवप्रदेश। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को रिसाई पारा पूर्व वार्ड स्थित नागेश्वर मंदिर प्रांगण में अभियान का शुभारंभ किया गया। वार्ड पार्षद मेघराज ठाकुर ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की।अभियान के दौरान पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो से सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बूथों के साथ-साथ घर-घर जाकर भी बच्चों को दवा पिलाई। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नसरीन बानो, मितानिन सालनी चौधरी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।पार्षद मेघराज ठाकुर ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक अभिभावक का सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी माता-पिता से अपने पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ÷पोलियो की सिर्फदो बूंदें बच्चों के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य की गारंटी हैं। किसी भी बच्चे को इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित नहीं रहने देना चाहिए। सभी के सहयोग से ही पोलियो मुक्त भारत का संकल्प साकार होगा।

जे.पी. पब्लिक स्कूल, बेलटिकरी में धूमधाम से मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

बिलाईगढ़/नवप्रदेश। विकासखंड बिलाईगढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत बेल्टीकरी मे संचालित जे.पी. पब्लिक स्कूल में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026ङ्क27 के शुभारंभ अवसर पर शाला प्रवेशोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के डायरेक्टर संत राम जायसवाल एवं प्राचार्या बी.के. जायसवाल के नेतृत्व में नवप्रवेशी एवं सभी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, केक काटकर तथा शुभकामनाओं के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दे रहा था।इस अवसर पर डायरेक्टर संत राम जायसवाल ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ श्रेष्ठ संस्कार, अनुशासन एवं सर्वांगीण विकास प्रदान करना है।

आरोपी के अवैध निर्माण पर प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

भाजपा नेता पर जानलेवा हमले के बाद प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

■ भारी पुलिस बल की मौजूदगी में तोड़ा गया निर्माण

कोरबा/नवप्रदेश। भाजपा नेता पर हुए जानलेवा हमले के मामले में मुख्य आरोपी रज्जाक अली के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके सीतामणी स्थित कथित अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया। नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई करते हुए निर्माण को ध्वस्त करना शुरू किया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में रखा गया ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

प्रशासन के अनुसार भाजपा नेता पर हुए प्राणघातक हमले के मामले में रज्जाक अली का नाम सामने आने के बाद उसके निर्माण से संबंधित दस्तावेजों और वैधता की जांच की गई। जांच में निर्माण नियमों के विपरीत और कथित रूप से अवैध पाए जाने पर नगर निगम ने नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, नगर निगम का अमला और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान आसपास के क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था।प्रशासन का कहना है कि जिले में अवैध निर्माण और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। यदि जांच के दौरान अन्य संपत्तियों में भी अनियमितता सामने आती है तो उन पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद पूरे शहर में राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। भाजपा नेता पर हुए हमले के बाद इसे प्रशासन की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है।

क्या है पूरा मामला?

भाजपा नेता पर कुछ दिन पहले प्राणघातक हमला हुआ था। इस मामले में पुलिस ने रज्जाक अली को मुख्य आरोपी बनाया। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रज्जाक अली सहित अन्य आरोपियों के खिलाफगंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया। जांच के दौरान मुख्य आरोपी रज्जाक अली को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

मारपीट की घटना ने पकड़ा था तूल

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भाजपा नेता पर हुए हमले में आरोपियों ने घेरकर मारपीट की थी। घटना में घायल भाजपा नेता को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिला और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया था।

गिरफ्तारी के बाद अब बुलडोजर कार्रवाई

मुख्य आरोपी रज्जाक अली की गिरफ्तारी के बाद प्रशासन ने उसके सीतामणी स्थित निर्माण की जांच कराई। जांच में निर्माण को कथित रूप से अवैध पाए जाने पर नगर निगम और जिला प्रशासन ने संयुक्त अभियान चलाकर बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा।

आगे भी हो सकती है कार्रवाई

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार रज्जाक अली से जुड़े अन्य दस्तावेजों और संपत्तियों की भी जांच की जा रही है। यदि कहीं भी अवैध निर्माण या अन्य अनियमितताएं सामने आती हैं तो उन पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कैरियर प्वॉइंट नेशनल स्कूल में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

■ डी ई ओ डहरिया के कर कमलों से फीता काटकर किया प्रवेश उत्सव कार्यक्रम

भटगांव/नवप्रदेश। बिलाईगढ़ विकासखंड के नगर पंचायत भटगांव के कैरियर प्वाइंट नेशनल स्कूल में शाला प्रवेशोत्सव का भव्य आयोजन किया गया । नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के इस विशेष अवसर पर स्कूल पहुंचने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चों का तिलक लगाकर व पुष्प की बौछार कर आत्मीय स्वागत किया गया।

वहीँ कार्यक्रम की शुरुवात मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया के करकमलो से फीता काटकर किया गया. इस दौरान मुख्य अतिथि एवं डायरेक्टर नरेश चौहान द्वारा स्कूल के प्रत्येक कक्षाओं में आये प्रथम,द्वितीय वी तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी छात्र छात्राओं को मेमेंटो व मेडल पहनाकर व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जे आर डहरिया जिला शिक्षा अधिकारी व बसना से सीएससी चौहान व प्राचार्य जी एस धिवर एवं पत्रकार साथियो मे के. पी. पटेल, संदीप पटेल उपस्थित रहे.

वहीं मुख्य अतिथि डहरिया ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास की धुरी है और बच्चों को मोबाईल का उपयोग कम से कम करना चाहिए और पालकों को अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देना होगा और बच्चों को प्रतिदिन आज से स्कूल भेजना है.

वही आज के इस शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें स्कूली छात्र छात्राओं ने मनमोहक नृत्य कर पालकों व अतिथियों का मन मोह लिया । स्कूली बच्चों के साथ साथ कार्यक्रम में आये सभी पालको के लिए रोटी सब्जी एवं खीर का भी व्यवस्था स्कूल के द्वारा किया गया था.

आज के इस कार्यक्रम में स्कूल के डायरेक्टर नरेश चौहान व मैनेजमेंट कर नाग ,देवानंद साहू,शिव कटकवार,चंचल यादव,कल्पना टंडन,उमा कर्ष,सविता जायसवाल,ममता केशरवानी,राहुल आदित्य सहित समस्त स्कूल स्टॉफव पालकों का विशेष योगदान रहा.

सरोधा डेम में डूबा युवक रेस्क्यू अभियान जारी

कवर्धा/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय से लगे भोरमदेव थाना क्षेत्र स्थित सरोधा डेम में शुक्रवार शाम दोस्तों के साथ नहाने गया एक युवक गहरे पानी में लापता हो गया। घटना के करीब 48 घंटे बीत जाने के बाद भी युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका है। शनिवार देर शाम तक एसडीआरएफ, पुलिस और गोताखोरों की टीम लगातार तलाश करती रही, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। अब रविवार को तीसरे दिन भी रेस्क्यू अभियान जारी रहेगा।पुलिस के अनुसार लापता युवक की पहचान शुभम मल्हा, निवासी निषाद पारा, कवर्धा के रूप में हुई है। बताया गया कि शुक्रवार शाम करीब 4 बजे शुभम अपने तीन दोस्तों के साथ सरोधा डेम के पीछे स्थित डुबान क्षेत्र में नहाने गया था। उसी दौरान क्षेत्र में तेज आंधी और तूफान का असर भी था। नहाते समय शुभम अचानक गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते लापता हो गया।

दोस्तों ने तलाश के बाद पुलिस को दी सूचना

घटना के बाद शुभम के दोस्तों ने अपने स्तर पर काफी देर तक उसकी तलाश की और आसपास मौजूद लोगों की भी मदद ली। जब कोई सफलता नहीं मिली तो परिजनों और भोरमदेव थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ व गोताखोरों की सहायता से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया।

दूसरे दिन भी नहीं मिली सफलता

शुक्रवार शाम शुरू हुए अभियान के बाद शनिवार सुबह फिर से डेम में खोजबीन शुरू की गई। एसडीआरएफकी टीम ने कई घंटों तक गहरे पानी में तलाश की, लेकिन देर शाम तक भी युवक का कोई पता नहीं चल सका। अधिकारियों के अनुसार रविवार को भी पूरी टीम अभियान जारी रखेगी।

परिजनों की बढ़ी चिंता

घटना के बाद से शुभम के परिजन डेम के पास ही डटे हुए हैं। हर गुजरते घंटे के साथ उनकी चिंता बढ़ती जा रही है।

भाजपा सरकार के गरीबों के लिए घर के सपनों को पूरा करने वाली योजना पीएम आवास

परपोड़ी/नवप्रदेश। योजना के अगले चरण के महत्वपूर्ण कार्यक्रम पीएम आवास प्लस ग्रामसवोभा के तारतम्य में ग्राम पंचायत जानो में एक और प्रस्ताव पास किया गया है जिसमे ग्राम पंचायत जानो में कोचियों ठेकेदारों को पेड़ बेचना पूरी बंद किया गया कोई ग्रामीण अगर पेड़ बेचता है कटवाता है तो पंचायत कार्रवाही करवाएगी जिसमे सभी ग्रामीण सहमत हुए हैं घर उपयोग जलाऊ के लिए ही कुछ छूट है बाकी अवैध रूप से पेड़ झाड़ बेचना ग्राम सभा में प्रस्ताव करके पूरी तरह बंद किया गया है ये प्रस्ताव इसलिए भी खास हो जाता है कि पूरे गांव के लोग ग्रामसभा में अवैध रूप से लकड़ी नहीं काटने पर सहमत हो गये है अब ग्रामवासी केवल जलाऊ के लिए लकड़ी का इस्तेमाल करेंगे ग्रामवासियों का मानना है कि पिछले कुछ वर्षो में पेड़ो की बेतहाशा कटाई से पर्यावरण में बहुत ही बदलाव देखने को मिला है फलस्वरूप वातावरण में गर्मी उमस तपन बढ़ गया है और इससे बारिश भी कम होने का भी खतरा बढ़ गया है इसलिए सरपंच लता हेमंत कौशल के इस प्रस्ताव को ग्राम सभा में सबने सराहना किया है और क्षेत्र में इस कदम को सभी लोगों ने अच्छा माना है क्षेत्र के युवा जनसेवक तुलेश पटेल, परपोड़ी भाजपा मंडल अध्यक्ष नारद वर्मा ने भी ग्राम पंचायत जानो के इस कदम की भूरी भूरी प्रशंसा की है ग्राम सभा में उपसरपंच विनय पटेल, सचिव होमन टंडन, रेखा वर्मा रोजगार सहायक,विमलचंद जैन , तरन कौशल, चेत कुवर, साहेब दास, त्रिलोचन पंच सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे हैं।

प्रधानमंत्री के संदेश को दैनिक जीवन में अपनाने की मंत्री ने दी सलाह

सकरी में कैबिनेट मंत्री सहित जनप्रतिनिधियों ने सुनी प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

कोलिहा लवन/नवप्रदेश। बड़ोदरा शहर से ग्राम पंचायत सकरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का आयोजन बड़ोदरा शहर से 135 वां प्रसारण का सामूहिक श्रवण किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। प्रधानमंत्री ने देश के विकास, जनभागीदारी, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नवाचार, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक दायित्व जैसे विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए।

कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को सकारात्मक सोच, जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से प्रधानमंत्री के संदेशों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं जनकल्याण के संकल्प के साथ किया गया

मां की बात सी 135 वन प्रसारण के दौरान टंक राम वर्मा कैबिनेट मंत्री सुनीता वर्मा जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा,कार्यक्रम अध्यक्षता सरिता जायसवाल- कार्यक्रम प्रभारी, भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा , विजय केशरवानी - वरिष्ठ भाजपा नेता, राकेश वर्मा - मंडलअध्यक्ष मंडल उपाध्यक्ष शहर, तरुण वर्मा- अध्यक्ष युवा मोर्चा, योगेश वर्मा- भाजपा कार्यकर्ता नेतराम साहू- सोसाइटी अध्यक्ष, आलोक

शहर, रविशंकर वर्मा-मंडल अध्यक्ष ग्रामीण, महेन्द्र साहू - महामंत्री, नरेश केशरवानी- भाजपा कार्यकर्ता, नीलम सोनी- प्रदेश महिला कार्यसमिति सदस्य, एल्डरमैन, सुलोचना यादव- जनपद अध्यक्ष , सुमन वर्मा- जनपद उपाध्यक्ष, सरिता मार्के- बघेल- भाजपा कार्यकर्ता, सेवक राम साहू- सोसाइटी अध्यक्ष , गजेंद्र नायक- सरपंच लटुआ, शुभम केशरवानी, संसद प्रतिनिधि सरपंच हरीश कुमार फेकर पंचायत सचिव हरिकिशन वर्मा उप सरपंच धनेश् वर्मा सहित सभी पंच एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

भाजपा नेताओं ने सुनी प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

पिथौरा/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने विधायक प्रतिनिधि सुरेन्द्र पांडे के निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया। कार्यक्रम के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री द्वारा देशहित, समाजहित एवं जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न प्रेरणादायी विषयों को गंभीरता से सुना।इस अवसर पर भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का

'मन की बात' कार्यक्रम केवल एक रेडियो प्रसारण नहीं, बल्कि देशवासियों से संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले व्यक्तियों, नवाचारों, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल तथा युवाओं की प्रेरणादायक उपलब्धियों को पूरे देश के सामने लाते हैं।उन्होंने कहा कि 'मन की बात' प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री का यह संवाद समाज के प्रत्येक वर्ग को देश के विकास, सेवा और जनकल्याण के कार्यों से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय : सरल, सादगी और संवेदनशीलता के साथ विकास यात्रा का सशक्त नेतृत्व

तेजबहादुर सिंह भुवाल
सहा. जनसंपर्क अधिकारी

रायपुर/नवप्रदेश। किसान परिवार से निकलकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुंचने वाले मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने सरल व्यक्तित्व, विनम्र व्यवहार और जनसेवा की भावना से जनता के बीच एक अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री श्री साय का सार्वजनिक जीवन सादगी, जनसेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। लंबे समय तक जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, वनवासियों, युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को निकट से समझा और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। सत्ता के शीर्ष पद पर होने के बावजूद उनकी सादगी और सहजता आज भी उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

मुख्यमंत्री श्री साय आम जनता से सीधे संवाद को लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मानते हैं। जनदर्शन, सुशासन तिहार और विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से वे स्वयं लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनके समाधान के लिए त्वरित पहल करते हैं। बुजुर्गों के प्रति सम्मान, बच्चों के प्रति स्नेह तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्परता उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है।

आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री श्री साय अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से गहराई से जुड़े हुए हैं। गांवों में बैठकर लोगों से चर्चा करना, उनकी समस्याओं को समझना और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

पिछले ढाई वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनकल्याण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अधोसंरचना, निवेश और सुशासन के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा है।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 8,200 करोड़ रूपये का बजट महतारी वंदन योजना के लिए आवंटित किया है। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिलाओं के स्वावलंबन, स्वास्थ्य और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो

लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार ला रही है।

छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं। राज्य सरकार ने धान खरीदी को प्राथमिकता देते हुए किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित की तथा लाखों किसानों को आर्थिक लाभ पहुंचाया।

प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने बड़ी पहल करते हुए लाखों आवासों को स्वीकृति प्रदान की। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। तेज गति से चल रहे निर्माण कार्यों के चलते प्रदेश में लाखों जरूरतमंद परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है।

बस्तर के जंगलों में उत्पादित होने वाले तेंदूपत्ता, आदिवासी समाज की जिंदगी का अहम हिस्सा है। इसी तेंदूपत्ता के सहारे हजारों गांवों में गर्मियों के महीनों में रोज़गार मिलता है। इस काम में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल होती हैं, जिससे परिवार की कुल आय में संतुलन बनता है। यही वजह है कि तेंदूपत्ता संग्रहण को सरकार ग्रामीण रोजगार का मजबूत जरिया मानती है। राज्य सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों को बड़ी रहत देते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण दर में अहम बदलाव किया है। पूर्व में मिलने वाली राशि को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये किया है। यह बढ़ोतरी सीधे-सीधे संग्राहकों लाभ पहुंचा रही है। जानकारों के अनुसार पहले बढ़ती महंगाई के मुकाबले संग्रहण की दर कम पड़ रही थी, लेकिन नई दर से मजदूरी और मेहनत का बेहतर मूल्य मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षा के साथ-साथ संवेदनशील पुनर्वास और विकास पर भी समान रूप से कार्य कर रही है। नक्सली सरेंडर, विक्टिम रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन पॉलिसी-2025 के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर तथा आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मानजनक और मुख्यधारा से जुड़ा जीवन प्रदान किया जा रहा है।

एक नवंबर 2024 से लागू छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30 राज्य को निवेश और उद्योगों के लिए नई पहचान दे रही है। न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन के सिद्धांत पर आधारित यह नीति उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाती है। व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, पूरी तरह ऑनलाइन आवेदन, समयबद्ध स्वीकृति और त्वरित प्रोसेसिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इससे उद्यमियों को कम समय में आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त हो रही हैं और कारोबार करने में सुगमता बढ़ी है।

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला, दो आरोपी गिरफ्तार, एक बालक अभिरक्षा में

रायपुर/नवप्रदेश। मोतीबाग क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर चाकू से हमला करने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, 25 जून 2026 को सुबह लगभग 6 बजे मोतीबाग क्षेत्र में हुई चाकूबाजी की घटना की सूचना मिलते ही थाना सिटी कोतवाली में मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। जांच में सामने आया कि पीड़ित कृष दीप और आरोपियों के बीच पहले से परिचय था तथा पुरानी बातों को लेकर विवाद और रंजिश चली आ रही थी। घटना वाले दिन दोनों पक्षों के बीच मोबाइल फोन पर बातचीत हुई, जो जल्द ही तीखी बहस में बदल गई। इसके बाद आरोपी एक राय होकर पीड़ित से मिलने पहुंचे। आमने-सामने होने पर विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने चाकू से हमला कर कृष दीप को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

रायपुर में ड्रंक एंड ड्राइव पर सख्ती, इस वर्ष 3559 नशेड़ी वाहन चालकों पर कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत इस वर्ष अब तक 3559 नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है।

पुलिस कमिश्नर तथा प्रभारी पुलिस उपायुक्त (यातायात एवं प्रोटोकॉल) के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ मोटर यान अधिनियम 1988 के तहत लगातार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, लोगों के जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना और यातायात अनुशासन को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में 27 जून 2026 की रात्रि को शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। श्रीमती सीमा अहिरवार, सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) के नेतृत्व में यातायात अधिकारियों और जवानों की टीम ने तेलीबांधा चौक, पचपेड़ी नाका चौक, भांठागांव चौक, टाटीबंध चौक, कालीबाड़ी चौक, जय स्तंभ चौक, भनपुरी चौक तथा पंडरी थाना के सामने सघन जांच की।

कबीर जयंती पर रायपुर में मांस-मटन बिक्री रहेगी पूर्णत: प्रतिबंधित

रायपुर/नवप्रदेश। संत कबीर जयंती के अवसर पर 29जून 2026को रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र मेंमांस एवं मटन के विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नगर निगम की महापौर मीनल चौबेके निर्देश पर इस संबंध में आवश्यक आदेशजारी किए गए हैं।नगर निगम प्रशासन ने बताया कि छत्तीसगढ़शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशों के अनुपालन में 29 जून को रायपुर नगरनिगम क्षेत्र के सभी पशुवध गृह तथा मांस-मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखा जाएगा।आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गईहै।नगर निगम के सभी जोनों के स्वास्थ्यअधिकारी एवं स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निरीक्षण कर प्रतिबंधके प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करेंगे।

अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने केनिर्देश दिए गए हैं कि प्रतिबंधित दिवस पर कहीं भी मांस-मटन का विक्रय न हो।महापौर मीनल चौबे के निर्देशानुसार यदिकिसी होटल, प्रतिष्ठान या दुकान में कबीर जयंती के दिन मांस-मटन का विक्रयकरते हुए पाया जाता है, तो संबंधित सामग्री की तत्काल जप्ती की जाएगी तथा संबंधितव्यक्ति या संस्था के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।नगर निगम प्रशासन ने सभी व्यवसायियोंएवं नागरिकों से आदेश का पालन करने और संत कबीर जयंती के अवसर पर सामाजिक एवंधार्मिक भावनाओं का सम्मान बनाए रखने की अपील की है।

हीरापुर-जरवाय-अटारी क्षेत्र में सड़क, स्वास्थ्य और अधोसंरचना विकास कार्यों की शुरुआत

रायपुर पश्चिम में विकास को मिली नई गति

- **वीर सावरकर वार्ड को मिली बड़ी सौगात, राजनीति नहीं, विकास हमारी पहचान : राजेश मूणत**

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए रविवार को ग्राम जरवाय स्थित प्रेरणा ब्लाइंड स्कूल परिसर में विभिन्न विकास परियोजनाओं के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत तथा रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे ने संयुक्त रूप से 6 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के तहत लोक निर्माण विभाग द्वारा 4.11 करोड़ रुपये की लागत से हीरापुर-जरवाय-अटारी क्षेत्र के आंतरिक मार्गों के निर्माण कार्य, नगर निगम द्वारा अधोसंरचना मद से लगभग 1.40 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्य तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वीर सावरकर वार्ड में 73 करोड़ रुपये के विकास कार्य: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश मूणत ने कहा कि विधानसभा के प्रत्येक वार्ड को समान रूप से विकास का लाभ पहुंचाना उनका संकल्प है। उन्होंने बताया कि वीर सावरकर वार्ड में अब तक लगभग 73 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत और संचालित किए जा चुके हैं। इनमें करीब 65 करोड़ रुपये की लागत से दो महत्वपूर्ण पुलों का निर्माण तथा नगर निगम द्वारा लगभग 9 करोड़ रुपये के विकास कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 80 लाख रुपये के अन्य कार्य भी वर्तमान में प्रगति पर हैं।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार का राजनीतिक भेदभाव नहीं किया जाता और जनप्रतिनिधि का दायित्व सभी नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है।

हजारों लोगों को मिलेगा लाभ: विधायक ने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का भूमिपूजन किया गया है, उनके पूर्ण होने से हीरापुर, जरवाय और अटारी क्षेत्र के हजारों नागरिकों को बेहतर सड़क संपर्क, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाएं और आधुनिक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

> **विकास की नई पहचान बन रहा रायपुर पश्चिम**
>
> विधायक राजेश मूणत ने कहा कि रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विकास केवल सड़क और नाली निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा सुविधाओं, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण तथा आधुनिक शहरी अधोसंरचना के विकास पर भी समान रूप से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नालंदा परिसर युवाओं के लिए अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जबकि नालंदा परिसर फेस-2 का निर्माण भी तेजी से जारी है। इसके अलावा महादेव कॉरिडोर, महतारी सदन, मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल, उद्यानों का उन्नयन, सामुदायिक भवन, सड़क चौड़ीकरण, पुल-पुलिया और पेयजल जैसी परियोजनाओं पर लगातार कार्य किया जा रहा है।

सूने मकानों और वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा, दो फरार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। आवासीय कॉलोनियों में सूने मकानों और दोपहिया वाहनों की चोरी की आधा दर्जन से अधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले दो फरार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ कुल आठ चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात तथा चोरी और वारदात में प्रयुक्त दो एक्टिवा वाहन सहित करीब 4.50 लाख रुपये का सामान जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना डी.डी. नगर की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी आशुतोष सिंह उर्फ सूरज और साहिल सोनकर को गिरफ्तार किया। मामले में पहले ही सिद्धार्थ सिंह उर्फसिद्धू को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कमजोर मानसून से पखवाड़ेभर पिछड़ी बोनी भगवान भरोसे खेतों में उतरे किसान

- **कम बारिश और खाद संकट से बढ़ी चिंता, धान उत्पादन पर मंडराया खतरा**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में मानसून की सुस्त रफ्तार ने खरीफ सीजन की शुरुआत पर असर डाल दिया है। सामान्य से कम बारिश के कारण प्रदेश में धान की बोनी करीब 15 दिन पिछड़ गई है। बारिश के इंतजार में परेशान कई किसानों ने बीज खराब होने के डर से भगवान भरोसे खेतों में बोनी कर दी है, जबकि बड़ी संख्या में किसान अब भी पर्याप्त वर्षा का इंतजार कर रहे हैं। यदि आने वाले दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो इस वर्ष धान उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।

प्रदेश के करीब 80 प्रतिशत किसान धान की खेती के लिए पूरी तरह मानसून पर निर्भर हैं। कमजोर बारिश और सहकारी समितियों से पर्याप्त ऋण नहीं मिलने के कारण अनेक किसानों को निजी साहूकारों से कर्ज लेकर खेती शुरू करनी पड़ी है। वहीं खाद की कमी और बढ़ती लागत ने किसानों की परेशानी और बढ़ा दी है।

रोपाई पर संकट, थरहा तक सीमित रह सकती है खेती: कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में किसान थरहा (नर्सरी) तैयार तो कर सकते हैं, लेकिन रोपाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है। यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो बोए गए बीज खराब होने और फसल प्रभावित होने का खतरा रहेगा। बोनी में हुई देरी का सीधा असर उत्पादन पर पड़ने की आशंका है।

संपन्न किसान भी नहीं बच पाएंगे: सिंचाई के लिए कृषि पंप और अन्य संसाधनों से लैस किसान भी इस बार मौसम की मार से अछूते नहीं रहेंगे। किसानों का कहना है कि भूजल स्तर लगातार नीचे जाने के कारण पंपों से पूरे रकबे की सिंचाई संभव नहीं है। इसके अलावा बिजली दरों में वृद्धि से सिंचाई की लागत भी बढ़ेगी, जिससे खेती का खर्च और बढ़ जाएगा।

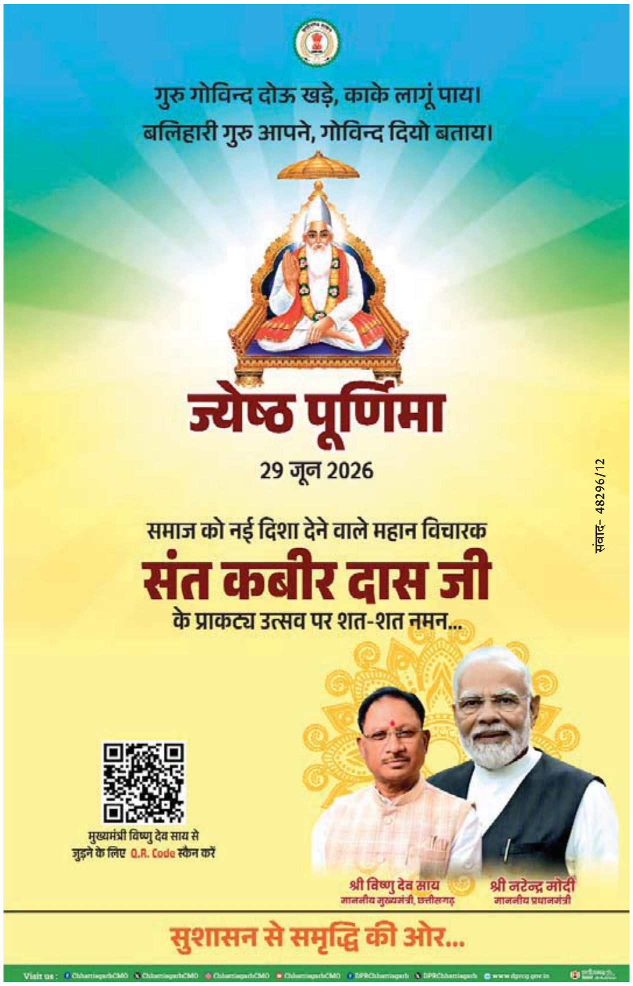

बिजली बिल पर लेट पेमेंट सरचार्ज की नई व्यवस्था उपभोक्ताओं के लिए राहत

- **पहले एक दिन की देरी पर लगता था पूरे महीने का चार्ज, अब सिर्फ वास्तविक दिनों का ही लगेगा शुल्क**

रायपुर (नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी ने इस संबंध में तथ्यात्मक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) द्वारा लागू की गई नई व्यवस्था वास्तव में उपभोक्ताओं को अतिरिक्त आर्थिक बोझ से राहत देने के लिए तैयार की गई है। छत्तीसगढ़ के बिजली उपभोक्ताओं के लिए लेट पेमेंट सरचार्ज (विलंब अधिभार) को लेकर सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में चल रही दोहरा झटका या रोज़ाना ब्याज जैसी खबरें पूरी तरह भ्रामक और गलत हैं।

क्या थी पुरानी व्यवस्था और क्यों था नुकसान?: पावर कंपनी के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पुरानी व्यवस्था में यदि कोई उपभोक्ता नियत तिथि के बाद महज एक या दो दिन की देरी से भी बिजली बिल का भुगतान करता था, तो उससे पूरे महीने का 1.5 प्रतिशत सरचार्ज वसूल लिया जाता था। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं के लिए नुकसानदेह थी।

नई व्यवस्था से ऐसे होगा उपभोक्ताओं का फायदा: संशोधित नियमों के बाद अब लेट फीस की गणना पूरी तरह पारदर्शी और उपभोक्ता-हितैषी कर दी गई है। अब विलंब अधिभार 0.04 प्रतिशत प्रतिदिन की दर से लिया जाएगा। इसका मतलब है कि उपभोक्ता जितने दिन बिल पटाने में देरी करेगा, उसे केवल उतने ही दिनों का शुल्क देना होगा।

> **महीने भर की देरी पर भी कम ब्याज**
>
> यदि कोई उपभोक्ता पूरे 30 दिन का भी विलंब करता है, तब भी कुल अधिभार केवल 1.2 प्रतिशत (0.04 प्रतिशत म 30 दिन) ही बनेगा, जो कि पुरानी व्यवस्था के 1.5 प्रतिशत से काफी कम है।

> **भ्रामक खबरों से दूर रहने की अपील**
>
> पावर कंपनी ने साफ किया है कि नई व्यवस्था में अधिभार की दरें कम हुई हैं, बढ़ी नहीं हैं। इसे रोजाना ब्याज लगने या झटके के रूप में पेश करना तथ्यात्मक रूप से गलत है। कंपनी ने सभी समाचार माध्यमों और आमजन से अनुरोध किया है कि वे इस सही और स्पष्ट जानकारी को ही साझा करें ताकि उपभोक्ताओं के बीच फैला अनावश्यक भ्रम दूर हो सके।

सुविचार

इस दुनिया में रहने के लायक सिर्फदो बेहतरीन जगह हैं, या तो आप किसी के दिल में रहें या दुआओं में।

दूध का दूध पानी का पानी होना जरूरी

अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी विवाद के चलते आखिरकार ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा को अपने पद से त्याग पत्र देना पड़ गया वहीं श्रीराम मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राय को भी मंदिर की व्यवस्था से बाहर करने की खबर है। गौरतलब है कि मंदिर की दानराशि में सेंध लगाए जाने की शिकायत मिलने के बाद उत्तरप्रदेश की योगी सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के वाहन चालक रहे टिन्नू यादव सहित आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की गई और उन्हें जेल भेज दिया गया। इसके बाद से ही चंदा चोरी के इस मामले को लेकर देशभर में बवाल मंच गया और प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी सहित अन्य पार्टियों ने इस मुद्दे को लेकर सवाल खड़ा करना शुरू कर दिया था। इसके बाद मामले की जांच में तेजी आ रही है और नित नए खुलासे हो रहे हैं। जाहिर है यह करोड़ा हिन्दुओं की आस्था से जुड़ा मामला है इसलिए सरकार भी फूंक फूंक कर कदम रख रही है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले का खुलासा होने के तत्काल बाद अयोध्या पहुंचे थे और उन्होंने घोषणा की थी कि इस चंदा चोरी में संलिप्त किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया जाएगा। इसके लिए उन्होंने 15 दिनों का समय तय किया था और एक सप्ताह के भीतर ही 8 लोगों की गिरफ्तारी भी हो गई तथा ट्रंस्ट के महासचिव तथा ट्रस्टी को अपने पद से हटना पड़ा। हालांकि यह काम पहले ही हो जाना चाहिए था। खासतौर पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को तो इस मामले के उजागर होते ही नैतिकता के नाते अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था क्योंकि मंदिर में चढ़ावे की राशि को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी उनकी ही थी और इस मामले में उनके निकठस्थ रहे लोगों पर ही आरोप लगे हैं जो अब गिरफ्तार भी हुए हैं। कायदे से तो एसआईटी जांच की घोषणा के बाद ही मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चपंत राय सहित सभी ट्रस्टियों को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था। क्योंकि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए यह आवश्यक था कि सभी ट्रस्टियों की छुट्टी कर दी जाये। किन्तु पता नहीं क्यों ऐसा नहीं किया गया इसी वजह से विपक्ष को यह आरोप लगाने का मौका मिल गया कि एसआईटी जांच के नाम पर प्रकरण में लिपा पोती की जा रही है। खासतौर पर इस मामले को लेकर सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव ज्यादा मुखर हैं। 8 माह बाद उत्तरप्रदेश विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं और उनके पास योगी सरकार या भाजपा के खिलाफ मुद्दों का अभाव था अब उनके हाथ में चंदा चोरी का यह बड़ा मुद्दा आ गया है जो करोड़ो हिन्दुओं की आस्था से भी जुड़ा हुआ है। ऐसे में वे इस मुद्दे को लेकर सियासत जरूर करेंगे और इसे आगामी विधानसभा चुनाव तक जिंदा रखने की भी कोशिश करेंगे। इससे समाजवादी पार्टी या अन्य विपक्षी पार्टियों को कितना चुनावी लाभ मिलेगा यह कह पाना तो मुहाल है लेकिन भाजपा का इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। यदि चंदा चोरी के इस संसनीयखेज मामले की निपष्पक्ष जांच नहीं हुई और चून चून कर इसके लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं दी गई। यह बात उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व भी भलिभांति समझ रहा है और इस पूरे मामले पर भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व भी नजर लगाए हुए है इधर योगी आदित्यनाथ लगातार यह भरोसा दिला रहे हैं कि चंदा चोरी के मामले की निष्पक्ष जांच होगी और सभी अपराधियों को उनके किये की सजा जरूर दी जाएगी। इसके साथ ही अब सरकार को चाहिए कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर में फिर ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए वहां दान में मिली राशि को सुरक्षित रखने के लिए चाक चौबंध व्यवस्था सुनिश्चित की जाये जैसा देश के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में होता है। बेहतर होगा कि पूरी व्यवस्था की निगरानी के लिए एक आईएएस अफसर की भी नियुक्ति की जाये।

सदगुरू बोधामृतम

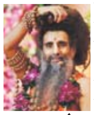

सदगुरू ऋतेश्वर

दूसरों के कष्ट में पड़ने पर हम उन्हें जो ज्ञान और उपदेश देते हैं, स्वयं कष्ट में पड़ने पर उन्हीं उपदेशों का उलंघन करते हैं, एक दूसरे को भूल जाते हैं; यह गलत है, जो कहो वह करो भी। निंदित को निंदित कहना और प्रतिष्ठित को प्रतिष्ठित कहना ही जब तक इस देश को नहीं आएगा, तब तक बाकी जितने भी रिफॉर्मेशन करो कोई फायदा नहीं है। महान पुरुषों, भक्तों के नाम लेने मात्र से ही उनके गुण सामने चले आते हैं, गुरु भक्ति उछाल मारने लगती है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 2000 - सिएरा लियोन में रिवॉल्यूशनरी युनाइटेड फ्रंट के विद्रोहियों ने बंधक बनाने गये शेष 21 भारतीय शांति सैनिकों को रिहा किया, विश्व की प्रमुख कंपनी आई.बी.एम. द्वारा विश्व का सबसे तेज कम्प्यूटर निर्मित। 2002 - चीन में ज़बर्दस्त भूकम्प आया। 2004 - पूर्वी एशिया सम्मेलन (जकार्ता) में आसियान को प्रमुख ताकत बनाने पर सहमति। 2005 - भारत और अमेरिका में समग्र 10 वर्षीय समझौता। 2008 - पर्यावरण से जुड़ी ग़ैर सरकारी संस्था जनहित फाउण्डेशन को पर्यावरण क्षेत्र का प्रसिद्ध पुरस्कार आइकॉम पुरस्कार प्रदान किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश ने कैलिफ़ोर्निया के जंगलों में आग से प्रभावित क्षेत्रों में आपातकाल लागू करने की घोषणा की। 2014 - साइना नेहवाल ने ऑस्ट्रेलियन सुपर सीरीज जीती। 2011 - दुनिया के प्रमुख विकसित एवं विकासशील देशों में आज की भागदौड़ और आपाधापी से होने वाले तनाव के बारे में किए गए भारतीय महिलाएं के सर्वेक्षण के अनुसार भारत की सर्वाधिक महिलाएँ तनाव में रहती हैं। दुनिया भर में महिलाएं खुद को बेहद तनाव और दबाव में महसूस करती हैं। यह समस्या आर्थिक तौर पर उभरते हुए देशों में ज़्यादा दिख रही है।

देश के भविष्य से प्रधान नहीं हो सकते हैं, केंद्रीय शिक्षामंत्री

नरेंद्र तिवारी

भारत जैसे प्रजातंत्रिक देश में जवाबदेही का महत्वपूर्ण स्थान हैं। लोक सेवक जनता कि सेवा के लिए होता हैं, उसके नैतृत्व में संबंधित विभाग द्वारा किये गए अच्छे कार्य स्वयं एवं सरकार कि वाहवाही एवं सराहना का कारण बनते हैं। इसके उलट लोक सेवक के नैतृत्व में कि जाने वाली विभागीय गलतियां, त्रुटियां स्वयं एवं सरकार कि आलोचना का कारण बनती हैं। नीट परीक्षा पेपर लिक के बाद से देश में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे कि मांग कि जा रही हैं। नीट परीक्षा में धांधली और पेपर लिक के बाद उत्पन्न अत्यधिक मानसिक तनाव, हताशा के कारण देश भर में 12 से 16 के करीब छात्रों द्वारा खुदकुशी करने कि खबर सामने आई हैं।

प्रजातंत्र में जवाबदेही और सामूहिक उत्तरदायित्व होना चाहिए। कोई इससे बच नहीं सकता हैं। एक स्कुल का प्राचार्य परीक्षा परिणाम बिगड़ने पर उत्तरदायी माना जाता हैं, जबकि प्राचार्य स्कुल का प्रबंधक होता हैं, उस पर शिक्षकीय दायित्व कम ही होता हैं, किंतु संस्था प्रमुख होने के कारण जिम्मेदारी प्राचार्य कि मानी जाती हैं।

इस प्रकार भारत सरकार के शिक्षामंत्री पर भी सामूहिक उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही का सिद्धांत लागू होता हैं। इसी जवाबदेही और सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत को पालन करवाए जाने कि मांग को लेकर नवनिर्मित काकरोच जनता पार्टी के बैनर तले पहले तो देश के बड़े शहरों में फिर देश कि राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन चल रहा हैं। इन प्रदर्शनों के माध्यम से प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे कि मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने भी इस विषय पर देश भर में आंदोलन चला रखा हैं।केंद्र सरकार इस विषय पर खामोश नजर आ रही हैं। इस प्रकार आंदोलनकारियों कि अनदेखी करना देश कि वर्तमान सरकार कि आदत में शुमार हो गया हैं। सरकार को देश के भविष्य से अधिक महत्वपूर्ण शिक्षा मंत्री का पद पर बने रहना उचित लग रहा हैं। देश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल किये जा रहे हैं। सरकार कि और से इसका जवाब कोई देने को तैयार नहीं हैं। 3 मई को आयोजित परीक्षा को पेपर लीक होने के बाद रद्द किया गया। इसके बाद 21 जून को री-नीट परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा के बाद टीवी चैनल को दिए अपने साक्षात्कार में देश केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने री-नीट के सफल आयोजन को उपलब्धि मानते हुए उन्होंने इसे पारदर्शी और लिक प्रूफ माना। उन्होंने री-नीट के सफल आयोजन के लिए सहयोगी एवं सरकार कि खुले मन से तारीफ़ कि इसी साक्षात्कार में उन्होंने राहुल गांधी पर देश के छात्रों को गुमराह करने का आरोप और काकरोच जनता पार्टी को उन्होंने देश को बाटने वाली क्रटीम बताते हुए कहा जो देश के टुकड़े करना चाहते हैं वह जंतर-मंतर पर डपली बजा रहे हैं। देश इसकी समीक्षा कर रहा हैं।

देश के शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नीट पेपर लिक के बाद दिए अपने साक्षात्कार में जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन को राष्ट्रविरोधी बताना उचित नहीं हैं। अपने विचार से विपरीत विचार को देश के टुकड़े करने वाला, राष्ट्र विरोधी विचार बताना एक फैशन हो गया हैं। प्रधान ने उसी फैशनेबल भाषा का उपयोग किया। जबकि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहरा रहा हैं। राष्ट्र भक्ति और राष्ट्रीयता से जुड़े गीतों से युवा लबरेज दिखाई दे रहे हैं।

जंतर-मंतर पर सबसे अधिक गूंज केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्याग-पत्र को लेकर सुनाई दे रही हैं। वही शिक्षामंत्री जो 21 जून कि री-नीट परीक्षा को सफल मानकर सामूहिक उत्तरदायित्व और जबवाबदेही के साथ सरकार कि पिट थपथपा रहे हैं। उन्हें 3 मई को नीट पेपर लिक सामूहिक उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही के सिद्धांत से परे करते दिखाई देता हैं। गड़बड़िया हुई हैं, तो देश शिक्षामंत्री उसके लिए उत्तरदायी भी है। उन्हें पेपर लिक काण्ड के बाद तत्काल अपना अपने पद से त्याग-पत्र देकर देश कि जनता से माफ़ी मागना चाहिए थी। किंतु शायद ऐसा करने का साहस उनमे नहीं है। देश समीक्षा कर रहा है, आपकी सफलता और विफलता कि भी, सामूहिक उत्तरदायित्व और जवाबदेही के सिद्धांतो के पालन में सफलता और विफलता के दौरान अंतर करने के मामले में भी और देश यह भी समीक्षा कर रहा है कि देश के युवा जो शिक्षा व्यवस्था में खामियों को लेकर अपने भविष्य कि चिंता को लेकर झंडा उठा रहे है, उन्हें राष्ट्र विरोधी बताया जा रहा है। प्रजातंत्र में सत्ता पक्ष के खिलाफ उठने वाली हर आवाज़ राष्ट्र विरोधी नहीं होती, यह आवाजे भी राष्ट्र निर्माण कि आवाजे है। जंतर-मंतर दिल्ली में है। देश कि राजनैतिक पार्टियां भी भारत के प्रजातंत्र कि देन है। यह पार्टियां भी उतनी ही राष्ट्रीय है, जितनी देश कि सता में काबिज दल, इनका सोच भी बेहतर राष्ट्र का निर्माण है। केंद्र सरकार को चाहिए देश के भविष्य से प्रधान नहीं हो सकते देश के केंद्रीय शिक्षामंत्री इन्हे बदला भी जा सकता है। नीट पेपर लिक मामला सामुदायिक उत्तर दायित्व और जवाबदेही का विषय है।

छत्तीसगढ़ के युवाओं की सेहत पर मंडरा रहा जंक फूड का खतरा

डॉ. अभया जोगलेकर

इस समय हम दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के नागरिक हैं, लेकिन इस आबादी की सेहत पर 'जंक फूड' का गहरा साया मंडरा रहा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एचएफएचएस-6) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय किशोरों के खान-पान की आदतों में आया बदलाव एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है। इस मामले में छत्तीसगढ़ की ताजा रिपोर्ट चिंताजनक तो है ही, साथ ही कुछ बिंदु ध्यान देने योग्य हैं

एचएफएचएस-6 के आंकड़े बताते हैं घर के भोजन का स्थान पैकेटबंद स्नैक्स ने ले लिया है। डिजिटल विज्ञापनों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट के चलते किशोरों में प्रोसेस्ड फूड के प्रति आकर्षण खतरनाक स्तर तक बढ़ गया है। शहरी ही नहीं, ग्रामीण इलाकों के किशोर भी सप्ताह में कई बार इंस्टेंट नूडल्स, आलू के चिप्स, नमकीन, पिज्जा, बर्गर और कार्बोनेटेड कोल्ड ड्रिंक्स (सॉफ्ट ड्रिंक्स) का सेवन कर रहे हैं। जंक फूड के बढ़ते चलन के कारण किशोरों की थाली से दाल, हरी पत्तेदार सब्जियां, मोटे अनाज और फल गायब हो रहे हैं। ये खाली कैलोरी किशोरों का पेट तो भर रही हैं, लेकिन उनके शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं दे पा रही है।

एचएफएचएस-6 के आंकड़ों के अनुसार सर्वेक्षण के आंकड़े शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। एचएफएचएस-5 से एचएफएचएस-6 की तुलना करें तो पता चलता है की 15 से 49 वर्ष के शहरी और ग्रामीण युवाओं में मोटापे की दर पहले से बढ़ी हुई है। इसी प्रकार महिलाओं के मोटापे की दर 14 से बढ़ाकर 20.3 हुई है। विशेष रूप से अस्वास्थ्यकर खान-पान और शारीरिक रूप से निष्क्रिय जीवनशैली, स्क्रीन टाइम बढ़ने का सीधा नतीजा वजन बढ़ने के रूप में सामने आया है। शहरों के संपन्न परिवारों के किशोरों में ओवरवेट (ज्यादा वजन) और मोटापे की दर में पिछले सर्वेक्षणों की तुलना में काफी तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है। पहले मोटापा केवल अमीर या शहरी बच्चों की समस्या माना जाता था। लेकिन एचएफएचएस-6 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते और कम गुणवत्ता वाले पैकेटबंद स्नैक्स की आसान पहुंच होने के कारण ग्रामीण किशोर भी अब तेजी से मोटापे की चपेट में आ रहे हैं।

हिडन हंगरः मोटे लेकिन एनीमिकजंक फूड कैलोरी से भरपूर होते हैं, लेकिन इसमें विटामिन और मिनरल्स शून्य होते हैं। इस वजह से भारतीय किशोरों में एक अजीब विरोधाभास देखने को मिल रहा है। देश की 50 फीसदी से अधिक किशोरियां एनीमिया

(खून की कमी) की शिकार हैं और किशोरों में भी यह दर ऊंची है। इस स्थिति को चिकित्सा विज्ञान में 'हिडन हंगर' (छिपी हुई भूख) कहा जाता है, जहां एक किशोर देखने में भारी-भरकम या मोटा लग सकता है, लेकिन आंतरिक रूप से वह गंभीर कुपोषण और आयरन की कमी से जूझ रहा होता है।

एचएफएचएस-6 का सबसे चिंताजनक संकेत यह है कि जो बीमारियां पहले 40 साल की उम्र के बाद होती थीं, वे अब 15 से 19 साल के किशोरों में पैर पसार रही हैं। मीठे पेय पदार्थों (सॉफ्ट ड्रिंक्स, पैकेज्ड जूस) के अत्यधिक सेवन के कारण किशोरों में इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ रहा है, जिससे वे कम उम्र में ही डायबिटीज के मुहाने पर खड़े हैं। पैकेटबंद चिप्स, सॉस और नूडल्स में सोडियम (नमक) की मात्रा बहुत अधिक होती है। इसके नियमित सेवन से किशोरों में हाइपर टेंशन के लक्षण देखे जा रहे हैं।

जंक फूड और किशोर स्वास्थ्य संकेतक युवाओं में मुख्य रुझान एचएफएचएस-6 स्वास्थ्य पर प्रभाव खान-पान का तरीका एचएफएसएस (हाई फैट, शुगर, साल्ट) और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का अत्यधिक सेवन। शरीर में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, कमजोर इम्युनिटी। मोटापा किशोरों और युवाओं में ओवरवेट होने की दर में निरंतर उछाल। भविष्य में दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतराः ब्लड, शुगर का स्तर 15 साल के किशोरों और युवाओं में खाली पेट ग्लूकोज का स्तर एक बढ़ा हुआ पाया गया।

एचएफएचएस-6 के इन चौंकाने वाले आंकड़ों के बाद नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कड़े कदम उठाने की मांग की है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) अब पैकेट के आगे 'रेड वॉर्निंग साइन' लगाने पर विचार कर रहा है, ताकि यह साफदिखे कि भोजन में नमक, चीनी या फैट कितना ज्यादा है।

इसी तरह स्कूल परिसरों और उनके 50 मीटर के दायरे में अस्वास्थ्यकर भोजन और कोल्ड ड्रिंक्स की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की नीतियों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। 'ईट राइट इंडिया' और 'पोषण अभियान' के जरिए अब स्कूलों और कॉलेजों में किशोरों को सीधे टारगेट कर काउंसलिंग की जा रही है, ताकि वे पारंपरिक और सेहतमंद भारतीय भोजन (जैसे बाजरा, रागी, छाछ, फल) की तरफवापस लौट सकें।

... तो बीमार हो जाएगी युवा पीढ़ी

यदि समय रहते किशोरों की इस 'जंक फूड' संस्कृति पर लगाम नहीं कसी गई, तो भारत का 'डेमोग्राफिक यूथ डिविडेंड' बीमारियों के बोझ तले दब जाएगा। इस कार्य के लिए भी सरकार की ओर इशारा करने से कुछ नहीं होगा। परिवार के सदस्यों, विशेष रूप से माता- पिता को अपने बच्चों के लिए समय निकलना पड़ेगा। अगर घर पर स्वच्छ और पौष्टिक भोजन बनेगा, तो बच्चे भी उसका सेवन करेंगे। परिवार दिन में एक बार साथ में बैठकर खाना खाएं।

(डायटिशियन व प्राचार्य, बद्री प्रसाद लोधी गवर्नमेंट कॉलेज, आरंग)

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

पाने का अरमान बहुत है। खोना पर आसान बहुत है।। अन सुलझे हैं कई मसअले। अब आफत में जान बहुत है।। शीशे से जो मुझे घूरता है। ये चेहरा अन्जान बहुत है।। दुनिया अलग बनाई थी जो। तेरे बिन वीरान बहुत है।। एक मिला न सफर का साथी। सोचा था पहचान बहुत है।। क्या बदला है मुझमें ऐसा। क्यूँ दुनिया हैरान बहुत है।। चार दिनों के सफर में ÷कमल÷। बदला ये इंसान बहुत है।। आज का दिन हम सबके लिए मंगलमय हो।

- कमलकांत डोंगरे

मेरे बिजली बिल में लगातार वृद्धि होती जा रही है। जब से स्मार्ट मीटर लगा है तबसे ज्यादा बिल आ रहे हैं। जनवरी में ?430 फरवरी में 530 रुपए का बिल आया । मार्च में स्मार्ट मीटर लगने के बाद 2510 रूप अप्रैल में 5520 रू और द्व्ड्ड4 में 6800 का बिजली बिल आया है।

- तपन मुखर्जी

पूरा मर्द समाज स्त्री से भयभीत हुआ जा रहा है... कुछ स्त्रियों ने तीन चार को मारा तो लोग हाय तौबा मचाये जा रहे हैं जब कि अनगिनत स्त्रियाँ रोज़ मौत के घाट उतारी जा रही हैं ,उस पर लोग चुप क्यों हैं? क्या वाक़ई स्त्री से डरने की आवश्यकता है?

- डॉ समीक्षा पाण्डेय

खूंटी पर सजी एक विलक्षण दीवार जिसमें : उगता है समय और ढलता हैः सभ्यता भरा आकाश दीवार में हैं सिसकियाँ और मंद बयार-सी अठखेलियाँ लेकिन कोई नहीं पूछेगा तकिए पर ढली आखिरी हिचकी कौन सी है ? सब पूछेंगे : तुम किस दिशा में सोये हो और तुम्हारे हिस्से का सूरज कौन सा है? एक विलक्षण दीवार बरसों वहीं है : नम पपड़ी के नैसर्गिक अध्याय में..! - **अनुभूति 'अनु'**

हर प्रभात यह मान चलो, अंतिम मिली किरण है, हर श्वास ईश्वर का अनुपम, अमृत-सा अर्पण है। जो कहना है प्रेम से कह दो, मत रखना मन मौन, जीवन का विश्वास कहाँ है, क्षण में बदले कौन।

- राकेश मिश्रा

दिल पर अपने तरस आता है खुद से वादों के पुल बनाता है खुरदुरा ख्याल अक्सर ही अब आकर दिल को बहुत रुलाता है आईने की तरह साफहै सब पर ये मन सच कहां मानता है बिखरता है हरदिन कुछ न कुछ फिर भी आस रोज जगाता है हर ख्वाब झूठा ही सही मगर इन आँखों को सुकून दिलाता है ख्वाहिशें यूं मचलकर रह जाती पलभर भी नहीं करार आता है चाहत है कि घर अपने सब लाए अपने हाथों जितना कमाता है।

- सपना चन्द्रा

ज़िन्दगी में कभी ग़मज़दा ही न हो हौसला तेरे दिल से जुदा ही न हो। धूप कितनी भी तेज़ी से बरसे मगर तेरे सपनों का पौधा जला ही न हो। वक्त की आँधियाँ लाख चलती रहें तेरा ईमान लेकिन डिगा ही न हो। दर्द जब हद से बढ़कर सताने लगे लब पे शिकवा कोई ज़रा ही न हो। हार के बाद ही जीत मिलती यहाँ वाकया ये किसी से छुपा ही न हो। जो वतन के लिए जी सके शान से उससे बढ़कर कोई हमनवा ही न हो। माँ के कदमों में होता है जन्नत का दर इससे बढ़कर कोई आसरा ही न हो। नाम रोशन करो इस तरह से "आर्या" बाद मरने के कोई गिला ही न हो। - **अन्नपूर्णा बाजपेयी आर्या**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज आपका मन एक चौराहे पर खड़ा दिखाई दे सकता है। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर दुविधा बनी रह सकती है।

वृषः आज का दिन मुस्कुराहटों और अपनों के साथ बिताए खूबसूरत पलों का संदेश लेकर आया है। परिवार के साथ बैठकर पुरानी समस्याओं का हल निकालने का अवसर मिलेगा।

मिथुनः आज का दिन आपको सावधानी और संतुलन का संदेश दे रहा है। वाहन चलाते समय विशेष सतर्कता बरतें, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही अतिरिक्त खर्च का कारण बन सकती है।

कर्कः आज पिताजी के साथ किसी विषय पर विचारों का मतभेद हो सकता है, लेकिन उनकी सलाह आपके लिए भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है।

सिंहः आज आपका मन आध्यात्मिक ऊर्जा से भर सकता है। पूजा-पाठ, धार्मिक कार्य या किसी पवित्र आयोजन में शामिल होकर आपको भीतर से शांति और संतोष का अनुभव होगा।

कन्याः विद्यार्थियों के लिए आज का दिन नए अवसरों के द्वार खोल सकता है। सीखने, प्रशिक्षण लेने या किसी नई जगह अनुभव प्राप्त करने का मौका मिल सकता है।

तुलाः आज कुछ खास लोगों से मुलाकात आपके भविष्य की दिशा बदल सकती है। यात्रा के योग भी बन रहे हैं और यह यात्रा लाभदायक साबित हो सकती है। विदेश से जुड़े व्यापार या कार्यों में सकारात्मक समाचार मिलने की संभावना है।

वृश्चिकः आज का दिन सामान्य होते हुए भी कई महत्वपूर्ण संकेत दे सकता है। किसी बड़े निर्णय में आपकी समझदारी ही आपको सही दिशा दिखाएगी।

धनुः आज का दिन आपको अपनी पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी राह में बाधाएं खड़ी करने का प्रयास कर सकते हैं।

मकरः आज आपकी मेहनत और समर्पण आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई सरप्राइज आपके दिन को खास बना सकता है। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगा ।

कुंभः आज खर्चों की रफ्तार आपकी अपेक्षा से थोड़ी तेज रह सकती है, इसलिए बजट पर विशेष ध्यान देना होगा। नया घर या संपत्ति खरीदने का विचार मन में चल सकता है, लेकिन कोई भी फैसला अपनी आर्थिक स्थिति को देखकर ही लें।

मीनः आज हर कदम सोच-समझकर उठाने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से किया गया काम गलती का कारण बन सकता है।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) राजस्थान में शौर्य वन का उद्घाटन कहाँ हुआ था?

2) किस राज्य सरकार को शासन आपल्या दारी पहल के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार मिला?

3) समाचारों में देखी गई पेरिंगम्मला पंचायत किस राज्य में स्थित है?

4) जूपिटर मनी को प्रीपेड वॉलेट बिजनेस शुरू करने के लिए किससे मंजूरी मिली है?

5) हाल ही में समाचारों में चर्चा में रही 'पनामा रोग' मुख्य रूप से किस फसल को प्रभावित करता है?

उत्तरमाला- (1) जैसलमेर (2) महाराष्ट्र (3) केरल (4) भारतीय रिज़र्व बैंक (5) केला

पहेली

शब्द सामर्थ्य -083

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 082 का हल

न्यूज गैलरी

शराब तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी और बाइक भी पुलिस ने की जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना पुलिस ने सुरगी नाला-परसकोल चौक, बंसुला के पास कार्रवाई करते हुए संतोषी ठाकुर (45) के कब्जे से 20 लीटर महुआ शराब (कीमत 4 हजार रुपये) तथा शराब परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी (सीजी-06-एचई-1226), जिसकी कीमत लगभग 28 हजार रुपये है, जब्त की। इसी थाना क्षेत्र के अरेकेल मार्ग, बंसुला चौक पर पुलिस ने रमेश कुमार डड़सेना (23) को 5.580 लीटर देसी प्लेन शराब (कीमत 2,480 रुपये) और परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (सीजी-06-एचबी-1658), जिसकी कीमत करीब 10 हजार रुपये है, के साथ गिरफ्तार किया।

खेत की मरम्मत के दौरान पिता-पुत्र व भाई से गाली-गलौज, मामला दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम मिलाराबाद में खेत की मरम्मत करा रहे पिता-पुत्र और उनके भाई के साथ गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम मिलाराबाद निवासी अंतर्यामी प्रधान (68) अपनी खसरा नंबर 232/2 की 0.05 हेक्टेयर कृषि भूमि की मरम्मत 26 जून की सुबह करीब 8.30 बजे जेसीबी से करा रहे थे। इस दौरान उनके पुत्र लक्ष्मीनारायण, भाई धनपति और एक मजदूर भी मौजूद थे। आरोप है कि इसी समय गांव के देवानंद (50), बिहारी (65), डोलामणि (35) और सुनील (30) वहां पहुंचे और बिना किसी कारण गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। शिकायत पर बसना पुलिस ने चारों आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 296, 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़, कपड़े फाड़े; आरोपी पर अपराध दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र में एक महिला के घर में घुसकर छेड़छाड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफमामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने शिकायत में बताया कि 26 जून की रात करीब 9.30 बजे गांव का नरोत्तम रौतिया उसके घर में घुस आया। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और उसके कपड़े फाड़ दिए। महिला जान बचाकर पड़ोसी के घर पहुंची, जहां आरोपी ने पहुंचकर फिर मारपीट की। शिकायत के आधार पर बसना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 296, 331(2), 351(2) एवं 74 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लोहे के पाइप से महिलाओं पर हमला आरोपी के खिलाफमामला दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश।कोतवाली थाना क्षेत्र में महिलाओं के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक युवक के खिलाफअपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार रूपा ध्रुव ने शिकायत में बताया कि 26 जून की रात करीब 8.30 बजे घर के बाहर गाली-गलौज की आवाज सुनकर वह अपनी जेठानी रेखा ध्रुव के साथ बाहर निकली। वहां मोहल्ले का मोनू साहू उसके देवर लक्ष्मीनारायण ध्रुव से विवाद कर रहा था। समझाइश देने पर मोनू ने रेखा ध्रुव को थप्पड़ मार दिया। कुछ देर बाद वह लोहे की पाइप लेकर लौटा और घर के गेट पर हमला करने लगा। विरोध करने पर उसने रूपा ध्रुव, रेखा ध्रुव, गैंदी ध्रुव तथा लक्ष्मीनारायण के साथ पाइप से मारपीट कर दी। घटना में रूपा और रेखा को चोटें आईं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफबीएनएस की धारा 115(2), 296 एवं 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया है।

पुरानी रंजिश में पिता-पुत्र ने की मारपीट, मामला दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश।सरायपाली थाना क्षेत्र में पुरानी बात को लेकर एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने के आरोप में पिता-पुत्र के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार लिमगांव निवासी मनोहर कोड़ाकू ने शिकायत में बताया कि 25 जून की शाम खेत में चैन कुमार कोड़ाकू ने पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज की। बाद में शाम करीब छह बजे रतिलाल कोड़ाकू के घर के पास चैन कुमार ने फिर विवाद कर मारपीट की। इसी दौरान उसके पिता रामलाल कोड़ाकू भी पहुंचे और जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की। शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296, 351(2) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले 2 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा पुलिस द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों व अड्डेबाजी स्थलों पर सघन चेकिंग, लगातार पेट्रोलिंग और अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है।

कोहलाटोला से गड़बंजा तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क बद से बदतर, ग्रामीणों मे आक्रोश

■ लगातार शिकायतो के बावजूद विभाग मौन दो वर्ष से अधूरा पड़ा निर्माण कार्य बारिश मे आवागमन हुआ मुश्किल

छुईखदान/नवप्रदेश। विकास की तस्वीर बदलने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा बनाई जा रही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की जमीनी हकीकत कोहलाटोला से गड़बंजा मार्ग पर पूरी तरह उलट नजर आ रही है ब्लॉक मुख्यालय के समीप स्थित ग्राम पंचायत कोहलाटोला के आश्रित ग्राम गड़बंजा तक जाने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क इन दिनो बद से बदतर स्थिति मे पहुंच गई है सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे कीचड़ और उखड़ी हुई सतह के कारण ग्रामीणो का आवागमन बेहद कठिन हो गया है ग्रामीणो का आरोप है कि सड़क की जर्जर स्थिति की जानकारी कई बार संबंधित विभाग एवं अधिकारियो को दी जा चुकी है लेकिन अब तक समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नही उठाया गया लगातार अनदेखी के कारण लोगो मे विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है यह मार्ग गांव के सैकड़ो लोगो

की जीवनरेखा है प्रतिदिन सरकारी कर्मचारी कोटवार स्कूली छात्र छात्राए किसान मजदूर तथा अन्य ग्रामीण इसी सड़क से होकर ब्लॉक मुख्यालय और शहर तक पहुंचते है सड़क की खराब हालत के कारण लोगो को जान जोखिम मे डालकर सफर करना पड़ रहा है विशेष रूप से स्कूली बच्चो को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैड्डबारिश का मौसम शुरू होने के साथ ही सड़क की स्थिति और अधिक खराब हो गई है जगह जगह कीचड़ और पानी भर जाने से दोपहिया वाहन फिसल रहे है तथा राहगीरो के गिरने की घटनाए लगातार सामने आ रही है ग्रामीणो का कहना है कि स्कूल खुलने के बाद रोजाना बच्चे इस सड़क पर गिरकर चोटिल हो रहे है लेकिन जिम्मेदार विभाग अब भी गहरी नींद मे सोया हुआ है

ग्रामीणो ने बताया कि इस सड़क का निर्माण कार्य लगभग दो वर्ष पूर्व प्रारंभ किया गया था लेकिन ठेकेदार द्वारा कार्य अधूरा छोड़ दिया गया इसके बाद न तो निर्माण कार्य दोबारा शुरू किया गया और न ही संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध किसी प्रकार की कार्रवाई की गई इससे यह आशंका और मजबूत होती है कि विभागीय स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है।

किसान कांग्रेस का आरोप-बाहरी राज्यों के मजदूरों को दिया जा रहा रोजगार

स्थानीय रोजगार को लेकर पिकाडली कंपनी के खिलाफ मजदूरों का प्रदर्शन हुआ तेज

■ स्थानीय युवाओं की हो रही अनदेखी

■ किसान कांग्रेस भी उतरी समर्थन में

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के अछोली ग्राम पंचायत क्षेत्र में संचालित शराब निर्माता कंपनी पिकाडली के खिलाफ स्थानीय मजदूरों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। रोजगार में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दिए जाने की मांग को लेकर मजदूर कंपनी के मुख्य गेट के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन को अब राजनीतिक समर्थन भी मिलने लगा है। जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष मानिक साहू ने प्रदर्शन स्थल पहुंचकर मजदूरों का समर्थन किया और कंपनी प्रबंधन पर स्थानीय युवाओं के रोजगार अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

मानिक साहू ने बताया कि कंपनी प्रबंधन के प्रतिनिधि श्री शुक्ला ने मजदूरों से चर्चा के दौरान कथित रूप से कहा कि यह सरकार की शराब बनाने वाली कंपनी है और कंपनी अपनी आवश्यकता के अनुसार जिसे चाहेगी काम पर रखेगी तथा जिसे नहीं चाहेगी उसे रोजगार नहीं देगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय लोगों को रोजगार देना कंपनी की अनिवार्यता नहीं बताया गया।

किसान कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कंपनी उत्तर प्रदेश और बिहार से मजदूर बुलाकर काम करा रही है, जबकि आसपास के गांवों के बेरोजगार युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। उनका कहना है कि जिस क्षेत्र की जमीन और संसाधनों का उपयोग कर उद्योग संचालित हो रहा है, वहां के स्थानीय लोगों को रोजगार में पहली प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि रोजगार केवल नौकरी का विषय नहीं, बल्कि स्थानीय परिवारों की आजीविका और सम्मान से जुड़ा मुद्दा है। यदि स्थानीय युवाओं की लगातार अनदेखी की गई तो किसान कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सड़क से लेकर प्रशासनिक स्तर तक संघर्ष करेगी और आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का कहना है कि वे अपने अधिकार और सम्मानजनक रोजगार की मांग को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे हैं। उनका कहना है कि स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। फिलहाल इस पूरे मामले में कंपनी प्रबंधन का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है।

गैंदाटोला में 480 पौवा महाराष्ट्र निर्मित अवैध शराब जब्त

छुरिया/नवप्रदेश। आबकारी विभाग ने गैंदाटोला में बड़ी कार्रवाई करते हुए 480 नग महाराष्ट्र निर्मित देशी संत्रा शराब (कुल 86.4 बल्क लीटर) जब्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 43,200 रुपये बताई गई है। मामले में गुलजार सोनी (55 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 06, गैंदाटोला के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 36 एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक अनिल सिंह के नेतृत्व में की गई, जिसमें मुख्य आरक्षक ओम प्रकाश सिन्हा तथा आरक्षक आर्यन ठाकुर, मनीष, अश्विनी शुक्ला, लोकेश वर्मा, रोहित एवं पप्पू शामिल रहे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर किसके संरक्षण में यह अवैध शराब का नेटवर्क फल-फूल रहा था? क्या स्थानीय पुलिस को इसकी भनक नहीं थी, या फिर इस पूरे मामले में कोई और वजह थी?

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी शराब दुकान बंद होने के बाद भी क्षेत्र में महाराष्ट्र निर्मित शराब की उपलब्धता लगातार चर्चा का विषय रही है। ऐसे में यह कार्रवाई कई नए सवाल खड़े कर रही है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर हैं कि क्या जांच केवल एक आरोपी तक सीमित रहेगी या फिर पूरे नेटवर्क और इसके पीछे जुड़े लोगों तक भी पहुंचेगी।

अब उठ रहे हैं बड़े सवाल?

गैंदाटोला में इतने बड़े पैमाने पर महाराष्ट्र की शराब का भंडारण और कथित अवैध कारोबार आखिर कब से चल रहा था? यदि एक ही कार्रवाई में 480 पौवा शराब बरामद हो सकती है, तो क्या यह कारोबार लंबे समय से संचालित नहीं हो रहा था?

कृषि विभाग ने ओडिशा प्रिंट वाली ग्यारह बोरी उर्वरक किया जब्त

वैष्णवी एग्रो इंडस्ट्रीज में औचक निरीक्षण के दौरान मिली 550 किलो पीआरओएम खाद

किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने विभाग की सख्ती जारी

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने तथा समय पर वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग ने उर्वरक विक्रय केंद्रों पर सघन जांच अभियान तेज कर दिया है। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देश एवं कृषि उपसंचालक एफआर. कश्यप के मार्गदर्शन में शुक्रवार को बागबाहरा विकासखंड के ग्राम घोयनाबाहरा स्थित वैष्णवी एग्रो इंडस्ट्रीज में कृषि विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग की एसडीओ श्रीमती गणेश्वरी बंजारे एवं उर्वरक निरीक्षक जितेंद्र चंद्राकर ने प्रतिष्ठान में ओडिशा प्रिंट वाली पीआरओएम उर्वरक की 11 बोरियां (लगभग 550 किलोग्राम) बरामद कीं। जांच में इन बोरियों पर सालेपाली, पाइकमाल, जिला बरगढ़ (ओडिशा) अंकित पाया गया। प्रथम दृष्टया अनियमितता पाए जाने पर विभाग ने सभी 11 बोरियों को तत्काल जब्त कर लिया।

कृषि उपसंचालक एफआर. कश्यप ने बताया कि खरीफ सीजन को देखते हुए जिले में उर्वरकों की गुणवत्ता एवं वितरण व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। किसानों को मानक गुणवत्ता की खाद उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उर्वरक विक्रय में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि किसानों के हितों की रक्षा और उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के लिए जिलेभर में निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा।

नवापारा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

जीत सिंह के निवास पर किया भोजन

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का गोबरा-नवापारा आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया। वे पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष जीत सिंह के निवास पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धनराज मध्यानी, सौरभ शर्मा, अजय कोचर, गोल्डी पारख, राजा चावला, निर्माण यादव, राकेश सोनकर, चंद्रहास साहू, गोपेश ध्रुव, अभिजीत श्रीवास, पार्षद तरुण कंसारी, रामरतन निषाद, हेमंत साहनी, टिकेश्वर गिलहरे, अर्जुन साहू, दीपाली राजपूत सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

मुख्य द्वार पर स्वर्णजीत कौर, रेखा तिवारी, संतोष कंसारी और रुक्मिणी साहू सहित उपस्थित मातृशक्ति ने तिलक लगाकर एवं पारंपरिक तरीके से पूर्व मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

स्वागत कार्यक्रम के पश्चात पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व नपा उपाध्यक्ष जीत सिंह के निवास पर भोजन ग्रहण किया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए।

किसानों की समस्या पर बोले भूपेश बघेल, खाद की कमी पर सरकार को घेरा

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसानों की समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के किसान इन दिनों खाद की कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सहकारी समितियों (सोसाइटी) में किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं हो रहा है, जिससे खेती-किसानी का काम प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर किसान सोसाइटी में खाद के लिए बार-बार चक्कर काटने को मजबूर हैं, वहीं दूसरी ओर निजी दुकानों में खाद आसानी से उपलब्ध है, लेकिन ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। इससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

निदान 1100 में दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता से हो रहा निराकरण

■ नाली सफाई व जलभराव पर नपा की विशेष नजर

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद महासमुंद द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संचालित निदान 1100 में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है। वर्षा ऋतु के दौरान नाली सफाई, जल निकासी, जलभराव एवं स्वच्छता से जुड़ी शिकायतों में बढ़ोतरी को देखते हुए नगर पालिका ने इन मामलों पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी सौरभ शर्मा ने बताया कि निदान 1100 के माध्यम से प्राप्त सभी शिकायतों की नियमित समीक्षा की जा रही है। विशेष रूप से नाली सफाई, जलभराव और गंदगी संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित कर्मचारियों एवं वार्ड प्रभारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में नागरिक भी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए निदान 1100 मोबाइल ऐप और हेल्पलाइन का अधिक उपयोग कर रहे हैं। प्राप्त शिकायतों का नियमित परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

सीएमओ सौरभ शर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि नगर की स्वच्छता, जल निकासी एवं अन्य जनसुविधाओं से संबंधित समस्याओं की जानकारी निदान 1100 के माध्यम से दर्ज कराएं, ताकि उनका शीघ्र समाधान किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी निर्देश दिए हैं कि सभी शिकायतों का गंभीरता से निराकरण करते हुए समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

स्वच्छता : ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति किया जा रहा जागरूक

घर-घर पहुंच रही स्वच्छता दीदियां, सूखे-गीले कचरे का हो रहा पृथक संग्रहण

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत रमेश नंदनवार द्वारा स्वच्छता गतिविधियों की नियमित समीक्षा करते हुए सभी ग्राम पंचायतों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी कड़ी में जनपद पंचायत बसना अंतर्गत ग्राम पंचायत बिछिया (पो) में स्वच्छाग्रही समूह की महिलाएं प्रतिदिन घर-घर जाकर सूखे एवं गीले कचरे का पृथक संग्रहण कर रही हैं।

स्वच्छता दीदियां सुबह से ही गार्बेज रिक्शा के माध्यम से स्वच्छता संदेश और प्रेरक गीतों के साथ ग्रामीणों तक पहुंच रही हैं तथा नियमित कचरा संग्रहण के साथ लोगों को अपने गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए जागरूक कर रही हैं।

संग्रहित कचरे को एसएलडब्ल्यूएम (सॉलिड एंड लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट) शेड में लाकर उसका पृथक्करण किया जा रहा है। यहां सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग करने के साथ प्लास्टिक कचरे को भी पृथक कर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट गनेकेरा भेजने की तैयारी की जा रही है, जिससे अपशिष्ट का वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल निस्तारण सुनिश्चित हो सके।

ग्राम पंचायत बिछिया (पो) में इस अभियान को सफल बनाने में सरपंच रीना गड़तिया, सचिव मेघनाथ पटेल तथा जनपद सदस्य राजेश गड़तिया सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनके सहयोग और मार्गदर्शन से स्वच्छाग्रही समूह की महिलाओं का उत्साह बढ़ा है और गांव में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का सकारात्मक माहौल तैयार हो रहा है।

जिला प्रशासन का मानना है कि ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और स्वच्छाग्रही समूहों के सतत प्रयासों से गांवों में स्वच्छता व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ ग्राम के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

हेयर कट पर हंसी उड़ाने से नाराज युवक ने टंगिया के बेंट से किया हमला

महासमुंद/नवप्रदेश। पटेवा थाना क्षेत्र के ग्राम फूलवारी में हेयर कट को लेकर मजाक उड़ाने से नाराज युवक ने टंगिया के बेंट से हमला कर एक व्यक्ति को घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पंकज लोधी ने शिकायत में बताया कि 26 जून की सुबह मनरेगा के तहत काठा तालाब गहरीकरण कार्य के दौरान मजदूर उपस्थिति के लिए फोटो खिंचवा रहे थे। इसी दौरान रमेश यादव के हेयर कट को देखकर वह हंस पड़ा। इस बात से नाराज रमेश यादव ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और टंगिया के बेंट से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे उसे चोट आई। शिकायत पर पटेवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफबीएनएस की धारा 115(2), 296 एवं 351(3) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

सरायपाली में तीन अलग-अलग कार्रवाई 160.500 लीटर शराब बरामद

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली पुलिस ने ग्राम केन्दुमुड़ी पुलिया के पास घेराबंदी कर नूनपानी निवासी नितेश भारती (23) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 130 लीटर महुआ शराब (कीमत 26 हजार रुपये) बरामद की गई। दूसरी कार्रवाई में जोगी तालाब, पतेरापाली से भरत भरद्वाज (32) के कब्जे से बिक्री के लिए रखी 26 लीटर महुआ शराब (कीमत 5,200 रुपये) जब्त की गई। वहीं बाजारपारा, सरायपाली में भूमिसूता पात्रो (40) के घर से 4.500 लीटर अंग्रेजी शराब (कीमत 3 हजार रुपये) और बिक्री की 200 रुपये नकदी बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

सांकरा में 13 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। सांकरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ढाबाखार से नानकुसियादीपा-सावित्रीपुर मार्ग पर कार्रवाई करते हुए खिरमनी रात्रे (38) निवासी नानकुसियादीपा सावित्रीपुर के कब्जे से 13 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब (कीमत 2,600 रुपये) जब्त कर गिरफ्तार किया।

बांधा स्कूल में मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

नगरी/नवप्रदेश। शासकीय प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला बांधा में दिनांक 27 .06.2026 शनिवार को नवीन शिक्षा सत्र 2026-27 में नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत कर शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया । इस अवसर पर बांधा सरपंच रमेश मंडावी , ग्राम पटेल नरसिंह मरकाम , बालाराम मंडावी , पर्वत कुंजाम , जलसिंह कुंजाम , गेंदलाल मंडावी , मिलऊराम मरकाम ,संकुल प्राचार्य के पी अग्रवाणी व्याख्याता मन्नू लाल सोन एवं समस्त ग्राम वासियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में नव प्रवेशी बच्चों का मुकुट पहनाकर एवं मुंह मीठा कर स्वागत किया गया । कार्यक्रम में प्राथमिक शाला बांधा के प्रधान पाठक जितेश्वरी साहू शिक्षक विपिन वैष्णव खेमबाई साहू डाली ध्रुव का विशेष योगदान रहा । कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन प्रधान पाठक धनंजय कुमार साहू के द्वारा किया गया।

नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का गुलाल लगा व मुंह मीठा करा मनाया प्रवेश उत्सव

नगरी/नवप्रदेश। प्राथमिक शाला एवं आश्रम माध्यमिक शाला दुगली में शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का गुलाल लगाकर और मुंह मीठा कराकर विद्यालय में स्वागत किया गया । कार्यक्रम के अतिथि के रूप में भाजपा अजजा मोर्चा धमतरी के महामंत्री श्यामाचरण मंडावी इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शासन द्वारा बच्चों की शिक्षा के लिए हर संभव सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है ? विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश पुस्तके जैसी सुविधाएं दी जा रही है उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप में विद्यालय आने और पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया । इस कार्यक्रम में शाला विकास समिति के अध्यक्ष राजेश मरकाम भाजपा मंडल कुकरेल मीडिया प्रभारी वरुण देव नेताम

प्रधान पाठक राकेस्वरी कोसमा छात्रावास अधीक्षक गजेंद्र साहू शिक्षक हीरालाल कंवर शशि कश्यप स्कूल कर्मचारी सरताज खान मनहरण डोंगरे भावसिंह मरकाम हुमन नेताम बद्रीनारायण पटेल समेत पालकगण एवं ग्रामवासी उपस्थित थे ।।

घुरावड़ में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता रैली

नगरी/नवप्रदेश। विकासखंड नगरी के ग्राम पंचायत घुरावड़ में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों, महिलाओं एवं ग्रामीणों ने गांव में जागरूकता रैली निकालकर नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सुखद समाज के निर्माण का संदेश दिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने नशे के दुष्परिणामों से लोगों को अवगत कराया और युवाओं से नशे की लत से दूर रहकर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक विकास की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की। ग्रामीणों ने भी अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

भीमसेनी एकादशी मेले में किशोर पर चाकू से हमला, हत्या के प्रयास का केस दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। कोमाखान थाना क्षेत्र के ग्राम डीहीटेमरी में आयोजित भीमसेनी एकादशी मेले के दौरान 17 वर्षीय किशोर पर अज्ञात हमलावर ने चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल किशोर का उपचार ओडिशा के नुआपाड़ा जिला अस्पताल में जारी है।

पुलिस के अनुसार ओडिशा के ग्राम परसाभदर निवासी रिखीराम राउत ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका पुत्र आकाश यादव 25 जून की शाम अपने दोस्तों के साथ मेला देखने गया था। रात करीब एक बजे सूचना मिली कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने आकाश के पेट में चाकू मार दिया है। मौके पर पहुंचने पर किशोर गंभीर हालत में मिला, जिसके पेट से आंत बाहर निकल आई थी। परिजनों ने तत्काल उसे नुआपाड़ा जिला अस्पताल में भर्ती कराया। शिकायत के आधार पर कोमाखान पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफबीएनएस की धारा 109 के तहत हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुरूद कन्या विद्यालय को 8 नए कक्षों की मिली सौगात

कुरूद/नवप्रदेश। आज का दिन कुरूद नगर के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जायेगा, रायपुर के राऊंड टेबल नामक संस्था ने कुरूद विधायक मा. अजय चन्द्राकर जी के आग्रह एवं प्रेरणा से कुरूद कन्या विद्यालय मे 8 अतिरिक्त कक्षा रूम एवं पब्लिक टॉयलेट का निर्माण कर अपनी सी एसआर को को एक सौगात की तरह बनाया।लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा. अजय चन्द्राकर जी करकमलों, विशिष्ट अतिथियों में नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर जी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष गौकरण साहु जी, जिला शिक्षा अधिकारी जी,

राऊंड टेबल संस्था के अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण, भाजपा मंडल अध्यक्ष कृष्णकांत साहु जी, स्कूल समिति के अध्यक्ष सुनील चन्द्राकर जी के आतिथ्य में संपन्न हुआ !

शासकीय कन्या विद्यालय कुरुद में आयोजित लोकार्पण समारोह में पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री एवं कुरुद विधायक माननीय अजय चन्द्राकर रायपुर के एक एनजीओ (राऊंड टेबल) द्वारा सीएसआर (ष्टस्क्र) फंड से निर्मित स्कूल भवन का उद्घाटन किया और कुरुद के शैक्षणिक विकास को लेकर मुख्यमंत्री की बड़ी घोषणाओं को बताते हुए नए कुरूद की तस्वीर दिखाई। उन्होंने कहा है स्कूलों के कायाकल्प के लिए साढ़े चार करोड़ की स्वीकृति सी एम श्री साय ने सुशासन यात्रा के दौरान की थी

विधायक अजय चन्द्राकर ने बताया कि पिछले दिनों 'सुशासन तिहार' के दौरान धमतरी आए मुख्यमंत्री श्री साय ने बालक स्कूल हेतुः 3 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है।

?कन्या विद्यालय हेतुः 1.50 करोड़ की राशि की घोषणा की थी।ताकि इस राशि से दोनों विद्यालयों के लिए सर्वसुविधा युक्त और आधुनिक भवनों का निर्माण किया जाएगा।

सीएसआर (ष्टस्क्र) फंड और कुरुद के विकास पर विधायक ने कहा कि गांवों तक पहुंचे सीएसआर तभी नागरिक कर्तव्य प्रमाणित और देश विकसित होगा। उन्होंने कहा कि कि बड़े कॉर्पोरेट घराने अपने खुद के ही एनजीओ के माध्यम से ही सीएसआर फंड का उपयोग करते हैं, जिसके कारण गांवों तक यह मदद नहीं पहुंच पाती। इस दिशा में यह शुरुआत सराहनीय है।

कुरुद के बदलते स्वरूप पर उन्होंने कहा, ÷भावी पीढ़ी के लिए नगर की नई तस्वीर बनानी होगी। विकास में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन विरोध की जगह विकल्प पर बात होनी चाहिए। असहमति को सहमति में बदलना ही लोकतंत्र की खूबसूरती है।÷ ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। इस अवसर पर , भूपेन्द्र चन्द्राकर, भानु चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, , डीईओ, बीईओ, बीआरसीसी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं शिक्षक उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पिलाई पोलियो की दो बूंद

जिला स्तरीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिला स्तरीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को जिला चिकित्सालय परिसर, गरियाबंद में शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद गरियाबंद के अध्यक्ष रिखी राम यादव, उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती बिंदु सिन्हा, डॉ. बी. बारा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष रिखी राम यादव एवं भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती बिंदु सिन्हा ने भी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान में सहभागिता निभाई तथा लोगों को अपने बच्चों को समय पर पोलियो की दवा पिलाने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पोलियो एक गंभीर एवं दिव्यांगता पैदा करने वाली बीमारी है, लेकिन समय पर पोलियो की खुराक देकर इससे पूरी तरह बचाव संभव है। भारत को वर्ष 2014 में पोलियो मुक्त घोषित किया जा चुका है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए प्रत्येक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाना आवश्यक है। एक भी बच्चा यदि छूट जाता है, तो संक्रमण का खतरा बना रह सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अभियान के तहत जिले के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। पहले दिन बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई, जबकि इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को भी पोलियो की खुराक पिलाएंगी, जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके। अभियान का उद्देश्य जिले के प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंचकर उसे पोलियो से सुरक्षित करना है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को बिना किसी चूक के पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं तथा इस जनस्वास्थ्य अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें।

विधायक दीपेश साहू ने किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

बेमेतरा/नवप्रदेश। राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस के अवसर पर रविवार को 100 बिस्तर मातृ एवं शिशु (एमसीएच) अस्पताल, बेमेतरा में जिला स्तरीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि विधायक दीपेश साहू एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बच्चों को पोलियो की 卐दो बूंद जिंदगी की卐 पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया तथा जिलेवासियों से अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की। कार्यक्रम में जिला भाजपा प्रभारी राजेन्द्र शर्मा, पार्षद नीतु कोठारी, गौरव साहू, निखिल साहू, चांदनी रोशन दत्ता, रवि मुलवानी, महेश साहू, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू, नोडल अधिकारी डॉ. बी.एल. राज, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े, जिला कार्यक्रम प्रबंधक लता बंजारे, आरएमएनसीएच सलाहकार, एनसीडी डाटा मैनेजर, आईडीएसपी, वीबीडीटीएस सुपरवाइजर, जिला मीडिया

प्रभारी संजय तिवारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

96 हजार से अधिक बच्चों तक पहुंचेगा अभियान : मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर ने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 96,085 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए पूरे जिले में 801 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं तथा 14 ट्रांजिट टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि 28 जून को बूथ दिवस के रूप में सभी निर्धारित केंद्रों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

युवा जागरण शिविर संपन्न, युवाओं ने लिया राष्ट्र निर्माण व चरित्र निर्माण का संकल्प

छुरा/नवप्रदेश। गायत्री शक्तिपीठ, छुरा में रविवार को युवा जागरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, दीप प्रज्वलन एवं गायत्री महामंत्र के साथ हुआ। मुख्य वक्ता चंदू लाल साहू (परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास विभाग) ने युवाओं को नशामुक्त, अनुशासित, संस्कारवान एवं

राष्ट्रहित के प्रति समर्पित जीवन जीने की प्रेरणा दी। साथ ही समय का सदुपयोग, पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डाला । योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा ने स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि पहला सुख निरोगी काया है , शरीर का ध्यान रखें, भारतीय भोजन करें,भारतीय पद्धति से करें और बीमारी तथा बुराइयों से बचें समय का सदुपयोग करें। समाजसेवी शीतल ध्रुव ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि समय प्रबंधन के साथ काम करें,संगति अच्छा रखें, निरंतर सीखते रहे, अपनी कमजोरियों को दूर करें,धैर्य एवं संयम से काम ले ।

ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटा, चालक की मौत

नगरी/नवप्रदेश। जिले के सिहावा थाना क्षेत्र के गढ़ियापारा में शनिवार को एक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग घायल हो गया। घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है।पुलिस के अनुसार, ट्रैक्टर पंडरीपानी से भीतरRास की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया। हादसे में चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया, जबकि साथ मौजूद एक नाबालिग ट्रॉली की चपेट में आकर घायल हो गया।

स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को बाहर निकालने का प्रयास किया। चालक को गंभीर चोटें आई थीं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सुमन मरकाम (पिता- गुलाल मरकाम) के रूप में हुई है। घायल नाबालिग को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है।घटना की सूचना मिलने पर सिहावा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। कि हादसे के दौरान चालक के सिर और शरीर के बाएं हिस्से में गंभीर चोटें आई थीं। हालांकि, मौत के कारणों की अंतिम पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगी।पुलिस यह भी जांच कर रही है कि ट्रैक्टर किन कारणों से अनियंत्रित होकर पलटा हादसा हुआ है

जुआ खेलते 6 पकड़ाए 50 हजार रुपए जब्त

भाटापारा/नवप्रदेश। नगर के गांधी मंदिर वार्ड स्थित एक रिहायशी मकान में चल रहे जुआ फड़ पर शहर पुलिस ने दबिश देकर 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने उनके कब्जे से

?49,530 नगद और ताश पत्ती जब्त कर उनके विरुद्ध आगे की कार्यवाही कर रही है। उपरोक्त संबंध में पुलिस से प्रदत्त जानकारी अनुसार शनिवार को रात के समय मुखबिर के जरिए विश्वसनीय सूचना मिली थी कि गांधी मंदिर वार्ड भाटापारा निवासी नवीन केशरवानी अपने मकान की दूसरी मंजिल के खुले हॉल में मोटी रकम की हार-जीत का दांव लगवाकर 'काटपत्ती' नामक जुआ खिला रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना भाटापारा शहर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी करते हुए दबिश दी और मौके से पुलिस ने 06 आरोपियों नवीन केशरवानी ,जितेन्द्र देवांगन,सुनील पटेल ,गोपाल मनहरे सभी भाटापारा निवासी,सुरेन्द्र कुर्रे और योगेश कोसले दोनो बोरसी ब निवासी को रंगे हाथों पकड़ा।

राजिम विधायक रोहित साहू का जनदर्शन कार्यक्रम स्थगित

राजिम/नवप्रदेश। राजिम विधानसभा क्षेत्र के

विधायक रोहित साहू भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यों के चलते विगत दिनों से दिल्ली प्रवास पर हैं। विधायक कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस व्यस्तता के चलते राजिम में उनके निवास कार्यालय में सोमवार को आयोजित होने वाला नियमित जनदर्शन कार्यक्रम स्थगित किया गया है। तत्पश्चात् जनदर्शन कार्यक्रम अपनी पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुसार पुनः प्रारंभ किया जाएगा। उक्त जानकारी विधायक रोहित साहू के निज सहायक किशोर कुमार साहू ने दी है।

पुरानी रंजिश के चलते टंगिया से वार, आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/नवप्रदेश। प्रार्थी तरूण चौहान उम्र 30 वर्ष, निवासी भदराली थाना चंदनू जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि आज दिनांक 27 जून के लगभग 13:30 बजे घनश्याम बंजारे के बंद दुकान के सामने तिरैया चौक ग्राम भदाली में गांव के कन्हैया बंजारे एवं बउवा चतुर्वेदी पुरानी बातो को लेकर आपस में एक दूसरे को अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देकर वाद विवाद कर रहे थे उसी दौरान बउवा चतुर्वेदी सामने स्थित

अपने घर जाकर घर से एक टंगिया पकडकर आया और कन्हैया ऊर्फ मुन्ना बंजारे को आज तुझे जान से मारने की धमकी एवं अश्लील गाली देते हुए धारदार टंगिया से कन्हैया बंजारे के गर्दन के पीछे तीन चार बार मारकर चोट पहुंचाकर हत्या की है कि रिपोर्ट पर अपराध सदर धारा 103 (1), 296, 351 (3) ब्नहस पंजीबद्ध कर विवेचना लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान सीन ऑफ क्राइम यूनिट (स्नस्रु) टीम का सहयोग लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी बउवा चतुर्वेदी को हिरासत में लेकर उक्त घटना के संबंध में पुछताछ करने पर अपना अपराध स्वीकर किया। प्रकरण में आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त टंगिया एवं अन्य साक्ष्य जप्त किया गया।

रानी दुर्गावती के साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों को अपनाएँ : संजय

छुरिया/नवप्रदेश। आदिवासी ध्रुव गोंड समाज तहसील इकाई छुरिया के द्वारा गोंडवाना वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । पुराना बस स्टैंड छुरिया स्थित प्रतिमा पर समाज के पदाधिकारियों व अतिथियों ने पूजा अर्चना की । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा व अध्यक्षता शेरसिंह परतेती अध्यक्ष ध्रुव गोंड समाज तहसील इकाई छुरिया, अजय पटेल अध्यक्ष ,नगर पंचायत छुरिया,मदन नेताम अध्यक्ष ओडारबांध महासभा,श्रीमती बीरम बाई

मंडावी जिलापंचायत सदस्य, राजेश्वर ध्रुवे संचालक,भूषण नेताम उपाध्यक्ष नगर पंचायत छुरिया, चंद्रशेखर मंडलोई मौजूद रहे ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि रानी दुर्गावती के साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएँ और एक सशक्त, समृद्ध तथा गौरवशाली भारत के निर्माण में अपना योगदान दें । हम सबका यह दायित्व है कि हम अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों और वीर-वीरांगनाओं के संघर्ष को याद रखें और आने वाली पीढ़ियों तक उनकी गाथाएँ पहुँचाएँ। जब तक हम अपने इतिहास और अपने नायकों का सम्मान नहीं करेंगे, तब तक हमारे भीतर राष्ट्रप्रेम और आत्मगौरव की भावना सदैव जीवित रहेगी। नगर पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि आज के युवाओं के लिए रानी दुर्गावती का जीवन एक प्रेरणा है।

आज तुमड़ीबोड़ नेशनल हाईवे पर होगा चक्काजाम

डोंगरगांव/नवप्रदेश। किसानों को रासायनिक खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, बिजली बिलों में लगातार की जा रही वृद्धि तथा बढ़ती महंगाई के विरोध में आज सोमवार तुमड़ीबोड़ स्थित नेशनल हाईवे पर कांग्रेस एवं किसानों के संयुक्त तत्वावधान में चक्का जाम एवं धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। आंदोलन को लेकर कांग्रेस संगठन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं तथा बड़ी संख्या में किसानों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों के शामिल होने की संभावना जताई गई है। आंदोलन से पूर्व दुर्गा चौक, तुमड़ीबोड़ में सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें किसानों एवं आम जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। इसके बाद निर्धारित समय पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सांकेतिक चक्का जाम कर सरकार का ध्यान किसानों की समस्याओं और महंगाई की ओर आकर्षित किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि खरीफसीजन के दौरान किसानों को पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद उपलब्ध नहीं हो रही है।

राशन दुकान विवाद में काउंटर केस, दोनों पक्षों की शिकायत पर अपराध दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम भंवरचुवा की उचित मूल्य दुकान में शक्कर वितरण के दौरान हुए विवाद में बसना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर मामला दर्ज किया है।

सरपंच राजेश पटेल ने शिकायत में बताया कि उनका भाई खमेश कुमार पटेल 26 जून की शाम शक्कर का वितरण कर रहा था। इसी दौरान पिलादाऊ यादव और हेमंत यादव बिना लाइन में लगे शक्कर देने की मांग करने लगे। मना करने पर दोनों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस शिकायत पर पिलादाऊ यादव व अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351(2) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया।

वहीं पिलादाऊ यादव ने शिकायत में आरोप लगाया कि शक्कर वितरण में अनियमितता की शिकायत करने की बात कहने पर रात में सुशील पटेल, राजेश पटेल, टिकेश पटेल, खमेश पटेल और प्रदीप पटेल ने उसके घर के सामने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके भाई आरतीराम यादव और पुत्र हेमंत यादव के साथ भी मारपीट की गई। इस शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 115(2), 351(2) एवं 190 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल महाराजपुर, कवर्धा में विविध शैक्षिक गतिविधियों का सफल आयोजन

कवर्धा / नवप्रदेश। दिल्ली पब्लिक स्कूल, महाराजपुर, कवर्धा में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए शनिवार को विभिन्न शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कक्षा 6 के विद्यार्थियों के लिए पौधाशाला (नर्सरी) का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के पौधों एवं जंगली वृक्षों, उनके औषधीय गुणों तथा पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। नर्सरी के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को पौधारोपण की सही विधि बताई तथा उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने स्वयं वृक्षारोपण भी किया। अंत में प्रत्येक विद्यार्थी को एक-एक पौधा प्रदान किया गया तथा सभी ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया।

कक्षा 7 एवं 8 के विद्यार्थियों के लिए जिला एवं सत्र न्यायालय, कवर्धा का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया

गया। न्यायालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को न्यायालय की कार्यप्रणाली, न्यायिक प्रक्रिया, अभिलेख एवं दस्तावेज़ कक्ष, लेखा-जोखा व्यवस्था तथा न्याय व्यवस्था से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। विद्यार्थियों ने न्यायालय के विभिन्न अनुभागों का अवलोकन किया तथा कानून एवं न्याय प्रणाली को निकट से समझा।

विद्यालय में विद्यार्थियों के शारीरिक विकास एवं खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंटर हाउस खो-खो प्रतियोगिता का भी सफल आयोजन किया गया, जिसमें सभी हाउस के खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीम भावना एवं उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

इसी क्रम में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए ÷स्टे कूल एंड स्टे सेफ÷ विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने गर्मी से बचाव, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं जन-जागरूकता से संबंधित आकर्षक एवं संदेशपूर्ण पोस्टर तैयार किए।

विद्यालय की प्राचार्या एवं शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार की शैक्षिक, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के बौद्धिक, शारीरिक, सामाजिक एवं नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सभी विद्यार्थियों ने प्रत्येक गतिविधि में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी इसी प्रकार की ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया।

न्यूज गैलरी

पूर्व मुख्यमंत्री व विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पाण्डे एवं महापौर मधुसूदन यादव ने नागरिकों को कबीर जयंती की दी बधाई

राजनांदगांव / नव प्रदेश। पूर्व मुख्यमंत्री व विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद श्री संतोष पाण्डे एवं महापौर श्री मधुसदन यादव ने नागरिको को कबीर जयंती की बधाई देते हुए कहा कि कबीर साहेब न सिर्फ एक आध्यात्मिक संत थे, बल्कि वे एक समाज सुधारक और युग-प्रवर्तक भी थे। विधायक डॉ. सिंह, सांसद श्री पाण्डे एवं महापौर श्री यादव ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि संत कबीर साहेब के सत्य, अहिंसा, दया, करुणा, परोपकार और सामाजिक समरसता के संदेश को छत्तीसगढ़ के अलावा भारत देश के लोगों ने भी आत्मसात किया है। उन्होंने कहा कि कबीर साहेब ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार कर लोगो को मानवतावादी समाज की रचना के लिए प्रेरित किया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक बने हुए हैं। कबीरधाम से लेकर दामाखेड़ा तक उनके अनुयायियों ने आज भी उनके विचारों की अलख जगा रखी है। उन्होनें कहा कि इनके दोहे आज भी विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। कबीर दास ने अपने जीवन काल में कई रचनाएं की, इनमें कबीर अमृतवाणी सबसे लोकप्रिय रचना है। उनके दोहे युवाओं में प्रेरणा भरने का काम करती हैं। निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, नेता प्रतिपक्ष श्री संतोष पिल्ले सहित महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सर्वश्री साावन वर्मा, सुनील साहू, राजेश जैन रानू, श्रीमती बिना ध्रुव, शैंकी बग्गा,आलोक श्रोती,राजा माखीजा,श्रीमती वर्षा शरद सिन्हा, श्रीमती केवरा विजय राय, एवं डीलेश्वर प्रसाद साहू, सहित वरिष्ठ सभापति श्रीमती खेमीन यादव, कनिष्ठ सभापति श्री संदीप बघेल, उप नेता प्रतिपक्ष श्री मुकेश साहू, अपील समिति के सदस्यों श्रीमती श्रुती लोकेश जैन, श्री संतोष कुमार साहू, श्रीमती मोहनी बाई एवं श्री सेवक राम उइके तथा पार्षदों ने नागरिकों को कबीर जयंती पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवनी को अत्मसात करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कबीर साहेब मानव जाति के प्रेरणा श्रोत थे, उनके द्वारा धर्म व जाति विशेष की कभी आलोचना नहीं की गयी, हमे को उनके बताये मार्गो पर चलना है।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर पुलिस की सख्त कार्रवाई

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान के अंतर्गत बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, भारी वाहन, तेज गति से वाहन चलाना, दोपहिया पर मॉडिफाई साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 27 जून को थाना बेमेतरा 07 चालान में 07 वाहन चालको, यातायात बेमेतरा 20 चालान में 20 वाहन चालको, कुल 27 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें बिना हेलमेट, घातक तरिके से वाहन खडी करना, मौके पर दस्तावेज पेश न करना, नो पार्किंग, बिना नंबर एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध 27 प्रकरण में 8,700/- रूपये समन शुल्क लिया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान थाना/चौकी प्रभारी एवं यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, सउनि जहीर खान सहित यातायात पुलिस टीम शामिल रहे।

ग्राम सकरी में हुआ मन की बात का सामूहिक श्रवण

भाटापारा / नवप्रदेश। प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती विभा अवस्थी के निर्देशानुसार रविवार को ग्राम सकरी के बूथ क्रमांक 153, महतारी सदन* में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात÷* का सामूहिक श्रवण एवं ÷पं. दीनदयाल उपाध्याय डिजिटल महाप्रशिक्षण÷* का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला प्रभारी श्रीमती सरिता जैसवाल कार्यक्रम में प्रभारी के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती सुनीता वर्मा ने की। उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहनें उपस्थित रहीं। कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा ने अपने उद्बोधन में डिजिटल सशक्तिकरण को समय की मांग बताते हुए सभी बहनों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। जिला प्रभारी श्रीमती सरिता जैसवाल ने प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभा अवस्थी का संदेश देते हुए कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक डिजिटल रूप से मजबूत करना हमारा लक्ष्य है।

गुरुर के वार्ड बने शराबियों का अड्डा

गुरूर/ नवप्रदेश। सरकार कहती है बच्चों की उज्जवल भविष्य के हितों में ही सर्वपल्ली आगे बढ़कर काम करती है लेकिन गुरर शराब दुकान खुलने से पहले सुबह का टाइम पानी टंकी और कॉलेज के सामने शराबियों का मेला लगा रहता है जैसे चौक के पास मिनी शराब भट्टी हो ऐसा नजारा देखने को मिलता है बता दे वार्ड वासी बहुत ही परेशान हो गए हैं शराबियों के हरकतों से चौक के पास शराब पीकर डिस्पोजल शराब की बोतले ऐसे पदार्थों को रोड किनारे फेंक देते हैं बता दे कि इस रोड से कॉलेज के स्टूडेंट कॉलेज जाते हैं और ऐसे नजारा देखकर मन में व्याकुलता उत्पन्न हो सकती है शासन का चौक के पास कैमरा लगने के बावजूद भी कोई रोकथाम नहीं शासन के नाक के नीचे से ऐसी हरकतें चल रही है जिसको अनदेखी कर अगर इस मामले को संज्ञान में ना लिया गया तो आगे चलकर बच्चों की उज्जवल भविष्य में नसल पदार्थ रूप से ऐसी भावना उत्पन्न होने का संभावना है ऐसे में शासन इस मामले को बड़ी ही निष्पक्ष रूप से देखा जाए और कार्रवाई किया जाए।

दावा-आपत्ति का रास्ता खुला

आवास सूची को लेकर पंचायतों में बढ़ा विवाद : जांच में सामने आई सर्वे त्रुटियां

- **जगन्नाथपुर में जिला पंचायत टीम पहुंची, पात्र हितग्राहियों से आवेदन करने की अपील**

बालोद / नवप्रदेश। । प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की पात्रता सूची को लेकर जिले की कई ग्राम पंचायतों में विवाद और असंतोष की स्थिति देखने को मिल रही है। कई स्थानों पर लोगों ने पात्र होने के बावजूद नाम नहीं आने की शिकायत की, वहीं कुछ मामलों में एक ही परिवार के कई सदस्यों के नाम सूची में शामिल होने पर सवाल उठे।

इसी विषय को लेकर शिकायत के बाद जिला पंचायत की टीम जांच के लिए ग्राम जगन्नाथपुर पहुंची और ग्रामीणों से चर्चा कर जानकारी ली। बैठक में अधिकारियों द्वारा योजना से संबंधित कई महत्वपूर्ण बातें सामने रखी गईं।

ऑनलाइन सर्वे में गलत जानकारी और तकनीकी त्रुटियां बनी वजह : बैठक में बताया गया कि आवास प्लस एप के माध्यम से लोगों ने स्वयं या दूसरों की मदद से ऑनलाइन सर्वे फॉर्म भरे थे। इस दौरान कई मामलों में जानकारी भरते समय त्रुटियां हुईं, जिससे कुछ लोग पात्रता श्रेणी से बाहर हो गए। कुछ मामलों में लोगों द्वारा संपत्ति, जमीन, वाहन, परिवार को पूर्व में मिला लाभ या अन्य जानकारी सही तरीके से दर्ज नहीं करने की भी बात सामने आई। इसके आधार पर पोर्टल के माध्यम से सूची तैयार हुई और पात्र-अपात्र का प्रारंभिक चयन किया गया।

सरपंच-सचिव को नहीं ठहराया गया जिम्मेदार-बैठक में स्पष्ट किया गया कि यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन सर्वे डेटा के आधार पर हुई है, इसलिए हर मामले में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका नहीं मानी जा सकती। कई ग्रामीणों ने पंचायत प्रतिनिधियों पर नाराजगी जताई, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि सूची अंतिम नहीं है और सुधार की प्रक्रिया उपलब्ध है।

दावा-आपत्ति का मिलेगा अवसर, सूची अंतिम नहीं- अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान सूची अंतिम नहीं है। यदि किसी पात्र हितग्राही का नाम नहीं आया है या किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल हो गया है तो दावा-आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है। यह आपत्ति व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से दी जा सकती है।

जरूरतमंद को प्राथमिकता देने पर जोर

-बैठक में यह भी बताया गया कि योजना का उद्देश्य वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक आवास पहुंचाना है। यदि किसी पात्र परिवार ने मजबूरी में कर्ज लेकर या जमीन बेचकर घर बना लिया है, तो वे भी आवेदन देकर अपनी स्थिति दर्ज करा सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार प्राथमिकता निर्धारण के लिए निर्धारित मानकों के आधार पर आगे सूची का सत्यापन और संशोधन किया जाएगा।ग्रामीणों से अपील की गई कि वे ग्राम सभा में सक्रिय भागीदारी करें, सूची की जानकारी लें और आवश्यकता होने पर समयसीमा के भीतर दावा-आपत्ति दर्ज कराएं, ताकि योजना का लाभ सही पात्र लोगों तक पहुंच सके।

इन 12 आधारों पर परिवार सूची से बाहर हो सकते हैं

आवास प्लस 2024 की एसओपी के अनुसार ग्राम सभा निम्न निष्कासन मापदंडों के आधार पर सत्यापन करेगी– जैसे पक्की छत या पक्की दीवार वाले मकान में रहने वाले परिवार, दो से अधिक कमरों वाले परिवार, मोटर चालित तीन या चार पहिया वाहन रखने वाले परिवार, यंत्रीकृत कृषि उपकरण रखने वाले परिवार,50 हजार या अधिक क्रेडिट सीमा वाला किसान क्रेडिट कार्ड, परिवार में सरकारी कर्मचारी होना, पंजीकृत गैर-कृषि उद्यम होना, परिवार के किसी सदस्य की मासिक आय 15 हजार रुपए से अधिक होना, आयकर दाता परिवार, प्रोफेशनल टैक्स देने वाले परिवार, 2.5 एकड़ या अधिक सिंचित भूमि, 5 एकड़ या अधिक असिंचित भूमि वाले शामिल हैं।

परीक्षेत्रीय टेड़ेसरा सदगुरु कबीर प्रकट महोत्सव पर सद्भावना बाइक रैली निकाली गई

टेड़ेसरा राजनांदगांव /नव प्रदेश। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संत सम्राट विश्व वंदनीय सदगुरु कबीर साहब के प्रकट उत्सव पर कबीरपंथी समाज एकजुट होकर साहब के प्रकट उत्सव मनाने के लिए एकजुट होकर जिला राजनांदगांव एसकेडीवी मिशन एवं परीक्षेत्रीय टेड़ेसरा के तत्वाधान में सतगुरु कबीर प्रकट महोत्सव के अंतर्गत सद्भावना यात्रा बाइक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें यह सद्भावना बाइक रैली एवं सद्गुरु साहब के रथ परीक्षेत्रीय के अंतर्गत 27 गांवों में यह सद्भावना यात्रा बाइकरैली निकला गया। जिसमें सुबह जोरातराई से 7:30 आरती कलश जलाकर शुभारंभ किया गया । तत्पश्चात मनगटा, गनियारी ,झुराडबरी, बन बघेरा , नवागांव एवं इंदावाणी सोमनी होते हुए पूरे 27 गांवों में यह सद्भावना यात्रा होते हुए सदगुरु कबीर धनी धर्मदास सब सेवा आश्रम में समापन किया गया। यह सद्भावना यात्रा बाइक रैली में खास तर पर नूतन साहेब एवं एसकेडीवी मिशन के जिलाध्यक्ष उत्तम साहू, यादराम साहू, प्रकाश साहू, सोमदास साहू ,धर्मेंद्र साहू, रैयत साहू एवं एसकेडीवी मिशन के जिला मीडिया प्रभारी लूमन दास साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी गण एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।संत सम्राट विश्व वंदनीय सदगुरु कबीर साहब के प्रकट उत्सव पर कबीरपंथी समाज एकजुट होकर साहब के प्रकट उत्सव मनाने के लिए एकजुट होकर जिला राजनांदगांव एसकेडीवी मिशन एवं परीक्षेत्रीय टेड़ेसरा के तत्वाधान में सतगुरु कबीर प्रकट महोत्सव के अंतर्गत सद्भावना यात्रा बाइक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें यह सद्भावना बाइक रैली एवं सद्गुरु साहब के रथ परीक्षेत्रीय के अंतर्गत 27 गांवों में यह सद्भावना यात्रा बाइकरैली निकला गया। जिसमें सुबह जोरातराई से 7:30 आरती कलश जलाकर शुभारंभ किया गया । तत्पश्चात मनगटा, गनियारी ,झुराडबरी, बन बघेरा , नवागांव एवं इंदावाणी सोमनी होते हुए पूरे 27 गांवों में यह सद्भावना यात्रा होते हुए सदगुरु कबीर धनी धर्मदास सब सेवा आश्रम में समापन किया गया। यह सद्भावना यात्रा बाइक रैली में खास तर पर नूतन साहेब एवं एसकेडीवी मिशन के जिलाध्यक्ष उत्तम साहू, यादराम साहू, प्रकाश साहू, सोमदास साहू आदि उपस्थित थे।

हिंदू सेना बालोद जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन,

- **बोधन भट्ट बने प्रदेश कोषाध्यक्ष, पद्मिनी साहू जिला महामंत्री नियुक्त**

बालोद / नवप्रदेश। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा की अनुशंसा पर प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव ने बालोद जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। इस अवसर पर बालोद कुर्मी भवन में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव एवं जिला अध्यक्ष नंदा पसीने ने संगठन का विस्तार करते हुए विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की।बैठक में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी बोधन भट्ट को हिंदू सेना का प्रदेश कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं पद्मिनी साहू को बालोद जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा ममता पटेल को जिला उपाध्यक्ष, वर्षा दुबे को संगठन मंत्री, दुर्गा जोशी को सचिव तथा ज्योति पटेल को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पमाला के साथ भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया गया तथा संगठन की मजबूती और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार उत्तम साहू, उदय साहू, दर्शन बालोद के प्रधान संपादक दीपक यादव, विमल विश्वकर्मा, देवेंद्र साहू इंजीनियर ,श्वेता राजपूत, पुष्पा शांडिल या महामंत्री दल्ली राजहरा, डिलेश्वरी साहू , सुशीला गरिया, मीनाक्षी सोनकर, निर्मला कोसमा, सकुन बाई ,किसन बाई भोजेश्वरी साहू, श्यामा बाई साहू सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सांसद पांडेय ने वनांचल छुहीनाला व चोरभट्ठी में विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

कवर्धा / नवप्रदेश। क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडेय ने बोड़ला ब्लॉक अंतर्गत वनांचल ग्राम छुहीनाला व चोरभट्ठी में विभिन्न विकास निर्माण कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। उन्होंने ग्राम छुहीनाला में नवीन आंगनबाड़ी केंद्र भवन का लोकार्पण किया और ग्राम चोरभट्ठी में शासकीय प्राथमिक शाला भवन व अटल डिजिटल केंद्र भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

सांसद संतोष पांडेय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नवीन आंगनबाड़ी भवन हमारे नौनिहालों के बेहतर पोषण, शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास का आधार बनेगा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्राथमिक शाला भवन हमारे बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा, वहीं अटल डिजिटल केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाओं, सूचना एवं तकनीकी सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार अंतिम छोर तक विकास पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार सभी वर्गों की चिंता कर उल्लेखनीय कार्य कर रही है। सभी क्षेत्रों का विकास हो रहा है। सांसद पांडेय ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को फ़ोन कर आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

वार्डवासियों ने मोहारा मेला-ऑक्सीजोन सस्पेंशन ब्रिज की सौगात के लिए दिया धन्यवाद

विस. डॉ रमन सिंह ने मोहारा में यात्री प्रतीक्षालय का किया लोकार्पण

- **कार्यक्रम में सांसद श्री संतोष पाण्डे एवं महापौर श्री मधुसूदन यादव ने यात्री प्रतिक्षालय के लिए शुभकामनाएं दी**

राजनांदगांव / नव प्रदेश। मोहारा वार्ड विकास घोषणा के अंतर्गत विधायक निधि अंतर्गत मोहारा में 5 लाख रूपये की लागत से निर्मित यात्री प्रतिक्षालय का आज एक गरिमामय आयोजन में विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ रमन सिंह ने फिता काटकर पटटीका का अनावरण कर लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर सांसद श्री संतोष पाण्डे, महापौर श्री मधुसूदन यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कोमल सिंह राजपूत, राजगामी संपदा न्यास की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू की गरिमामय उपस्थिति रहीं।

मोहारा में यात्री प्रतिक्षालय लोकार्पण अवसर पर मोहारा वासियों की भारी उपस्थिति देखकर उन्होने के कहा कि इस छोटे से कार्यक्रम में इतनी अधिक संख्या वार्ड वासियों के उत्साह को दर्शाता है। मोहारा वासियों की सुविधा के लिए विधायक निधि से यात्री प्रतिक्षालय का निर्माण किया गया है। इसी प्रकार वार्डो में विकास कार्य कराये जायेगें।

मोहारा पार्षद आलोक श्रोती सहित उपस्थित वार्डवासियों ने मोहारा मेला स्थल से लेकर ऑक्सीजोन तक 49 करोड़ की लागत से बनने वाले सस्पेंशन ब्रिज की घोषणा को लेकर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, डॉ रमन सिंह जी, सांसद संतोष पांडे, महापौर श्री मधुसूदन यादव का आभार एवं धन्यवाद दिया साथ ही मोहारा मेला स्थल को विकसित करने की जा रही पहल के लिए वार्डवासीयो के द्वारा प्रसन्नता जाहिर की गई।

कार्यक्रम में सांसद श्री संतोष पाण्डे एवं महापौर श्री मधुसूदन यादव ने यात्री प्रतिक्षालय के लिए शुभकामनाएं दी। डॉ रमन सिंह जी का निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा सहित मोहारा के पार्षद व शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य श्री आलोक श्रोती,पार्षद श्री शिव वर्मा ,श्री संजय रजक, रघुवीर वाधवा,हकीम खान,पदम श्री गोविंद राम निर्मलकर जी के पुत्र श्री रमेश निर्मलकर, ढाबा सोसाइटी अध्यक्ष कृष्णा देवी श्रोती,परशु राम प्रजापति,राम कुमार देवांगन,मोहन तिवारी,देवकी देवांगन,भुवनेश्वरी सिन्हा,कीर्ति प्रजापति,सुरेश सिंहा,दुबेश प्रजापति,सोहन प्रजापति,ढोलू प्रजापति,लक्की देवांगन,मीना सोनकर,रामकिशुन सोनकर,खेलन सोनकर,राजेंद्र सिन्हा,उमाशंकर यादव,महादेव प्रजापति,गौरव धनवानी ज्योति यादव,रेवतीरमण वैष्णव,रामेश्वर प्रजापति,दीपक सिन्हा,ऋषि तिवारी रूपेंद्र शर्मा सहित उपस्थित समस्त वार्डवासियों ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

कोलिहापुरी की महिलाओं ने प्लास्टिक कचरे को बनाया आय का स्रोत

दुर्ग/नवप्रदेश। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम दुर्ग जिले की ग्राम पंचायत कोलिहापुरी में देखने को मिला है। कलेक्टर अभिजीत सिंह और जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत कोलिहापुरी ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में एक ऐसा मॉडल विकसित किया है, जो अब पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत बन रहा है।

ग्राम पंचायत की महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने घर-घर से एकत्रित किए गए 2730 किलो प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण कर उसे अधिकृत पुनर्चक्रण इकाई को विक्रय किया। इस पहल से समूह को कुल 46 हजार 410 रुपए की आय प्राप्त हुई।

ग्राम स्तर पर महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं प्रतिदिन घर-घर जाकर गीला, सूखा व प्लास्टिक कचरे का पृथक संग्रहण करती हैं और ग्रामीणों को स्रोत पर ही कचरा अलग-अलग रखने के लिए जागरूक करती हैं। विकासखंड स्तर पर संग्रहित प्लास्टिक को विकासखंड दुर्ग स्थित एमआरएफ पीडब्ल्यूएमयू सेंटर में पहुंचाया जाता है, जहां उसे गुणवत्ता व प्रकार के आधार पर पीईटी, एचडीपीई, एलडीपीई सहित विभिन्न श्रेणियों में अलग किया जाता है। इससे प्लास्टिक का बाजार मूल्य बढ़ जाता है।

विक्रय स्तर पर पृथक किए गए प्लास्टिक को अधिकृत रिसायकल

इकाइयों को बेचा जाता है और प्राप्त राशि सीधे महिला समूहों के खातों में जमा की जाती है, जिससे उनकी आय और आर्थिक आत्मनिर्भरता में वृद्धि हो रही है। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के उद्देश्यों को साकार करने के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका के अवसर भी निर्मित कर रही है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुरूप ग्रामीणों को गीला, सूखा, घरेलू खतरनाक व प्लास्टिक कचरे को अलग-अलग रखने के लिए निरंतर जागरूक किया जा रहा है।

प्लास्टिक कचरे की गुणवत्ता के अनुसार पृथक्करण से मिलने वाले बेहतर मूल्य की जानकारी के बाद महिलाओं ने कचरे को अब 'संपदा' के रूप में देखना शुरू कर दिया है। कोलिहापुरी की सफलता से प्रेरित होकर विकासखंड धमधा की ग्राम पंचायत लिटिया और विकासखंड पाटन की ग्राम पंचायत पतोरा और गाड़ाडीह में भी इसी मॉडल पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य संचालित किया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

बीएसपी के 42 कार्मिक 'शाबाश अवार्ड' से हुए सम्मानित

भिलाई/नवप्रदेश। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित प्रथम भिलाई स्टील हाफमैराथन के सफल आयोजन में योगदान देने वाले नॉन-वर्क्स व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के कुल 42 अधिकारियों और कर्मचारियों को 'शाबाश अवार्ड' (श्रेणी-1) से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन पवन कुमार ने चयनित अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर, महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन जेएन ठाकुर, ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र बंछोर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सम्मानित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का संबंध चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, संपर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क, मानव संसाधन, ज्ञानार्जन एवं विकास, टाउन सर्विसेज तथा स्पोर्ट्स, कल्चर एंड सिविक एमेनिटीज विभागों से था। इन सभी ने प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन के सफल आयोजन में विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जेएन ठाकुर ने आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले सभी विभागों के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि टीम भावना, आपसी सहयोग और प्रभावी समन्वय के कारण ही इस आयोजन का सफल संचालन संभव हो सका।

सेल के 'ज्ञान उत्सव 2026' में बीएसपी को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रथम उपविजेता सम्मान

भिलाई/नवप्रदेश।। सेल-बीएसपी ने मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई) रांची द्वारा 23 जून से 25 जून तक आयोजित 'ज्ञान उत्सव : एचआर लर्निंग एंड डेवलपमेंट कॉन्क्लेव 2.0' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 'बेस्ट प्रैक्टिसेज इन लर्निंग एंड डेवलपमेंट इन सेल' श्रेणी में प्रथम उपविजेता (फर्स्ट रनरअप) का सम्मान प्राप्त किया। बीएसपी को संगठनात्मक, विभागीय और व्यक्तिगत श्रेणियों में भी अनेक सम्मान प्राप्त हुए। कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) की सदस्य (प्रशासन) डॉ. अल्का मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अध्यक्षता सेल के निदेशक (कार्मिक) केके सिंह ने की। समापन समारोह में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी प्रियरंजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और सेल के कार्यपालक निदेशक (एचआरडी) संजय धर की उपस्थिति में विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए। बीएसपी की ओर से 'बेस्ट इनोवेटिव प्रैक्टिसेज इन लर्निंग एंड डेवलपमेंट' का पुरस्कार महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन, ज्ञानार्जन एवं विकास) संजीव श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) नीरजा शर्मा, उप प्रबंधक (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) सुष्मिता पाटला और सहायक महाप्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन) दिलीप सिन्हा ने प्राप्त किया।

बीएसपी स्कूल स्तरीय काव्य पाठ और संभाषण प्रतियोगिता

भिलाई/नवप्रदेश। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 7 में शनिवार 27 जून को काव्य पाठ व संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बीएसपी के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने विद्यालय के सभागार में संभाषण प्रतियोगिता में सीनियर सेकेंडरी स्कूल से. 7 के छात्र आयुष्मान सिंह ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म सम्मेलन के व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण दिया। एक छात्र ने पूर्व सांसद सुषमा स्वराज के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संसद में दिए भाषण को उसी शैली में प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता के निर्णायकगणों में बीएसपी के उप महाप्रबंधक (रावघाट) व कवि व लेखक यशवंत साहू ने सभी प्रस्तुतियों की सराहना की। प्रतियोगिता के दूसरे निर्णायक लेखक-पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन ने विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाक्रम और इतिहासबोध के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

अंत में विद्यालय की प्राचार्य उर्वशी साहू ने परिणामों की घोषणा की। जिसमें हिन्दी काव्य पाठ में प्रथम सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 से दिशा शुक्ला, द्वितीय भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 से आर्या पाण्डेय और तृतीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-7 से डीबी द्राक्षा रही। हिन्दी अनुवाचन में प्रथम भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 से रिया, द्वितीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 से आराध्या गुप्ता और तृतीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-07 से आयुष्मान रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक डॉ. शीतल चंद्र शर्मा ने किया। आयोजन में वरिष्ठ व्याख्याता अनीता अशोक, नमिता देशपाण्डेय, शीबा थॉमस, श्रीदेवी दुर्गे, जयंत, पूजा उइके और जयदेव दीक्षित सहित शिक्षकगण उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शर्मा ने दिया।

जुआ खेल रहे 8 जुआरी गिरफ्तार

भिलाई/नवप्रदेश। पुरानी भिलाई थाना पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने गनियारी गांव में चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारकर 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जुआरियों के पास से कुल 1.82 लाख रुपए नगद, 8 मोबाइल और 3 बाइक समेत कुल 5.20 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस को 27 जून की रात सूचना मिली थी कि भिलाई-3 के गनियारी गांव में बड़कू दाऊ की बाड़ी में एक मकान पर कुछ लोग दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। पुरानी भिलाई पुलिस और एसीसीयू की टीम ने घेराबंदी कर छापा मारकर 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में तुंगत चंद्राकर (35), केवल चंद्राकर (29), शिवम वर्मा (25), प्रवीण देवांगन (24), ताकेश्वर साहू (41), चिराग चंद्राकर (25), प्रकाश चंद्राकर (41) और कुल्लू साहू (23) शामिल हैं। इसमें से 6 आरोपी भिलाई-3 के सिरसाकला इलाके के निवासी हैं, जबकि दो आरोपी उतई के निवासी हैं।

मुंगेली में धड़ल्ले से अवैध रेत खनन जारी, प्रशासनिक निगरानी पर उठे सवाल

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में रेत का अवैध उत्खनन जोरों से किया जा रहा है। राजस्व क्षेत्र हो या फिर वन क्षेत्र ये रेत माफिया बेधड़क रोजाना अवैध उत्खनन कर रेत का परिवहन और बिक्री कर रहे हैं। बेधड़क रेत माफिया के द्वारा नदी और नालों से अवैध रेत खनन किया जा रहा है। नदी से दर्जनों ट्राली रेत निकाला जा रहा है, इस पर न तो खनिज विभाग की सख्ती दिखाई दे रही है न प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई की जा रही है। अवैध उत्खनन पर संबंधित अधिकारियों के मिली भगत के चलते खुलेआम उत्खनन कार्य जारी है। इस वजह से बिना रोक-टोक रेत का अवैध खनन और परिवहन जारी है। जिसकी वजह से क्षेत्र के नदी नालों का स्वरूप बदलता जा रहा है। वहीं इन जीवनदायनी जल स्त्रोतों का अस्तित्व भी खतरे में आ गया है।

जिला मुख्यालय में शहर के अलावा गांव-गांव में नदी एवं किनारे धड़ल्ले से रेत का उत्खनन कर डंपिंग किया जा रहा है। आगर नदी तट पर देर रात से लेकर तड़के सुबह तक रेत का अवैध उत्खनन बदस्तूर जारी है। लगातार मिल रही शिकायतों के बीच स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेत माफिया बेखौफ होकर ट्रैक्टरों और भारी वाहनों के जरिए रेत निकाल रहे हैं, जबकि संबंधित जिम्मेदार विभाग पूरे मामले में मूकदर्शक बने हुए हैं। नदी नालों में अवैध उत्खनन के चलते उसका प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, बल्कि नदी किनारों पर कटाव भी तेजी से बढ़ रहा है। इससे नया पुल और आसपास की संरचनाओं की सुरक्षा पर भी खतरा मंडराने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रहे खनन से जलस्तर प्रभावित हो रहा है और भविष्य में इसका गंभीर पर्यावरणीय असर सामने आ सकता है। खनिज विभाग के नियमों के अनुसार 10 जून से 15 अक्टूबर तक बरसात के मौसम में अधिकांश रेत घाटों पर खनन पूरी तरह प्रतिबंधित रहता है। इसका उद्देश्य नदियों के प्राकृतिक प्रवाह, जल संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखना है। इसके बावजूद चोरी-छिपे खनन माफियाओं द्वारा रेत उत्खनन किए जाने की खबरें प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर रही हैं। अवैध रेत खनन को लेकर सुप्रीम कोर्ट कई बार सख्त रुख अपना चुका है। न्यायालय स्पष्ट कर चुका है कि पर्यावरणीय स्वीकृति और वैध अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का रेत खनन पूरी तरह अवैध है।

रेत उत्खनन करने वालों पर कार्यवाही की जाएगी

जिले में रेत खनन के लिये पथरिया क्षेत्र में भकुराडीह, दाउकापा एवं लुकउकापा मात्र तीन नदी घाट में रेत खनन के लिये लायसेंस दिया गया है, जिससे वर्तमान में शासन के नियमों के अनुसार बारिश के पूर्व बंद कर दिया गया है। क्षेत्र में रेत उत्खनन एवं डंपिंग करने वालों पर कार्यवाही की जाएगी।
योगेश साहू, जिला खनिज अधिकारी मुंगेली

उल्लेखनीय है कि जिले में एक मात्र पथरिया क्षेत्र में तीन घाटों को ही रेत उत्खनन के लिये लाइसेंस प्रदान किया गया है, जो कि वर्तमान में बंद है। उसके बाद भी शहर की नदी में से भारी मशीनों से खनन किया जा रहा है। खनिज विभाग द्वारा कार्यवाही के नाम पर जिले के पथरिया और सरगांव क्षेत्रों में अवैध खनन व परिवहन के मामलों में प्रशासन द्वारा जेसीबी, ट्रैक्टर और हाइवा जब्त किए जाने की कार्रवाई सामने आ चुकी है। ऐसे में नया पुल क्षेत्र में लगातार जारी गतिविधियां प्रशासनिक निगरानी पर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। अवैध रेत खनन केवल राजस्व हानि का मामला नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण, जल संरक्षण और जनसुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। देश के कई हिस्सों में रेत माफिया की दबंगई और हिंसक घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे इस अवैध कारोबार की गंभीरता का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। शहरवासियों ने जिला प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस से मांग की है कि शहर में नदी किनारे हो रहे उत्खनन पर जांच कर कार्यवाही करते हुए इस पर रोक लगायी जाये एवं दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जायें।

चयनित अभ्यर्थी निर्धारित तिथि पर दस्तावेजों सहित हों उपस्थित

मुंगेली/नवप्रदेश। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्चयन परीक्षा में प्रावीण्य सूची मेरिट लिस्ट के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन एवं काउंसलिंग हेतु तिथियां निर्धारित की गई है। विद्यार्थी विकासखण्ड स्तर हेतु 30 जून से 1 जुलाई तथा जिला स्तर हेतु 2 जुलाई को जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में काउंसलिंग करा सकेंगे। राज्य स्तर की काउंसलिंग हेतु विद्यार्थी 3 जुलाई को जिले में

संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में एवं जिला बिलासपुर के लिए प्रयास आवासीय विद्यालय में होने वाली काउंसलिंग में भाग ले सकेंगे। विशेष पिछड़ी जनजाति समूह एवं प्रवेश दिशा निर्देश में दर्शित विशेष आरक्षित वर्ग के विद्यार्थी 4 जुलाई को तथा जो अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को किसी कारणवश काउंसलिंग में भाग नहीं ले सकें वे 6 जुलाई को जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में होने वाली काउंसलिंग में भाग लेने के लिए उपस्थित हो सकेंगे। कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्चयन परीक्षा में प्रावीण्य सूची मेरिट लिस्ट के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों के अभिभावक अपने पाल्य/पाल्या एवं उसके आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि एवं स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर काउंसलिंग में अवश्य भाग लें।

पार्षद की पहल से वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान

मुंगेली/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद के एंड्रूज वार्ड में वर्षों से उपेक्षित खाई और ऊबड़-खाबड़ रास्ते के कारण स्थानीय नागरिकों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में यह मार्ग और भी अधिक जर्जर हो जाता था, जिससे लोगों का निकलना दूभर हो जाता था।

वार्ड की इस लंबे समय से चली आ रही समस्या को गंभीरता से लेते हुए पार्षद रोशन सोनी ने पहल की। उनके प्रयासों से खाई और ऊबड़-खाबड़ हिस्से को समतल कर सड़क का

निर्माण कराया गया, जिससे क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल गई। इस अवसर पर पार्षद ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल सड़क बनाना नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही जनसमस्याओं का स्थायी समाधान करना है। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही उनकी प्राथमिकता है और वार्ड के प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना उनका संकल्प है। स्थानीय नागरिकों ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जिस रास्ते से कभी निकलना भी मुश्किल था, आज वह सड़क विकास की नई पहचान बन चुकी है।

पेज 1 का शेष...

अबूझमाड़ में कटाई : सीएम साय...

निर्माण को लेकर सरकार जहां जवाबदेही तय कर रही है, वहीं इसी मुद्दे पर सत्ता पक्ष के भीतर अलग-अलग संदेश सामने आते दिखाई दिए। शनिवार को जगदलपुर में आयोजित केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित 'वार्तालाप' कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू की उपस्थिति में जब नवप्रदेश ने यह मुद्दा उठाया तो बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि कुछ लोग बस्तर के विकास को लेकर नैरेटिव चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन, शुद्ध पेयजल, बिजली और आवागमन जैसी मूलभूत सुविधाओं से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए सड़क निर्माण आवश्यक है। जमीन कब्जा करने के लिए जंगल की अवैध कटाई गलत है। इस पर शासन कार्रवाई करेगी।

महानदी विवाद: 11 जुलाई...

जताई जा रही थी कि विवाद का समाधान निकल जाएगा, लेकिन फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा है।

सूत्रों के अनुसार ओडिशा सरकार 300 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए पर्याप्त पानी चाहती है, जबकि गर्मी के मौसम में यह संभव नहीं हो पाता। छत्तीसगढ़ सरकार ने इसके विकल्प के रूप में 300 मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया है। साथ ही सुझाव दिया है कि ओडिशा अगले दस वर्षों में महानदी डेल्टा क्षेत्र के लिए सिंचाई परियोजनाएं विकसित करे, ताकि भविष्य में पानी की कमी की स्थिति न बने।

विभागीय अफसरों के मुताबिक महानदी के डेल्टा क्षेत्र का काफी पानी समुद्र में चला जाता है और उसका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। उनका कहना है कि ओडिशा सरकार इस दिशा में अपेक्षित ध्यान नहीं दे रही है। हालांकि दोनों राज्यों के बीच हुई चर्चाओं में इस विषय पर भी कोई निष्कर्ष नहीं निकल सका।

बारिश से ढही दीवार, दो...

सीलन पकड़ चुकी थी और अंदर से कमजोर हो गई थी। अचानक यह दीवार ढह गई, हादसे के समय बच्चे वहीं खेल रहे थे, जिसकी वजह से यह बड़ी घटना घट गई। बेमेतरा सिटी कोतवाली के थाना प्रभारी सोनल ग्वाला ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

मलबे से निकालकर महिला को किया रायपुर रेफर

दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर भागे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें भी फौरन घटना स्थल पर पहुंचीं। ग्रामीणों और पुलिस ने मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और भारी मलबे को हटाकर गंभीर रूप से घायल महिला को बाहर निकाला। महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर मेकाहारा अस्पताल रेफर कर दिया है।

मछली कारोबारी की निर्मम...

कोलकाता के रूप में हुई है। वह पिछले 7-8 वर्षों से जिला गरियाबंद के ग्राम बोईरगांव दर्रीपारा में रहकर अपने साथी चुम्मन यादव के साथ नगरी में 'एमएम फिश' नाम से मछली दुकान संचालित करते थे।

बताया जा रहा है कि शनिवार शाम दुकान बंद कर दोनों बाइक से नगरी से अपने गांव लौट रहे थे। गोरेगांव से करीब तीन किलोमीटर आगे गरियाबंद मार्ग पर पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि हमलावरों ने पहले विपलभ मंडल के सिर पर लकड़ी से हमला किया और चुम्मन यादव की आंखों में मिर्च पाउडर फेंक दिया। इससे चुम्मन किसी तरह जान बचाकर बोईरगांव की ओर भाग निकला। इसके बाद हमलावरों ने विपलभ मंडल पर चाकू जैसे धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार किए। गंभीर रूप से घायल व्यवसायी को तत्काल नगरी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लोकतंत्र सेनानियों का त्याग...

प्रत्येक नागरिक की है। उन्होंने आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा कि यह समय भारतीय लोकतंत्र के लिए एक कठिन परीक्षा का काल था, जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ा। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष को स्मरण करते हुए कहा कि उन लोगों ने जेल, यातनाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोकतांत्रिक आदर्शों को जीवित रखा।

मुख्य वक्ता श्री कुमार ने कहा कि इतिहास को याद रखना केवल अतीत को जानना नहीं है, बल्कि उससे सीख लेकर भविष्य को बेहतर बनाना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की एकता, अनुशासन और सामाजिक समरसता को मजबूत करें तथा नशामुक्त और स्वच्छ समाज के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों ने हमेशा समाज को जोड़ने का कार्य किया है और इन्हीं मूल्यों के आधार पर देश - दुनिया में अपनी पहचान को और मजबूत कर सकता है। उन्होंने युवाओं से 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को जीवन में अपनाने की अपील करते हुए कहा कि राष्ट्र, ज्ञान और धर्म प्रथम की भावना ही भारत की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि अयोध्या सृष्टि का वह स्थान है जो सदैव पूजनीय रहेगा और सत्य व धर्म के मार्ग पर चलते हुए हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पारिवारिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में अनेक परिवारों ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि मेरे बड़े पिताजी स्वर्गीय श्री नरहरि साय 19 महीनों तक जेल में रहे और इन परिवारों की पीड़ा को करीब से देखा है। उस दौर में जब घर के मुखिया को जेल में डाल दिया जाता था, तब लोकतंत्र सेनानियों के परिवार पर जीवन निर्वाह का संकट आ गया था। श्री साय ने कहा कि इस कठिन समय में स्वयंसेवक भेष बदलकर लोकतंत्र सेनानियों के परिवार को अनाज पहुंचाने का काम करते थे ताकि कोई भूखा न रहे। उन्होंने उस दौर से जुड़ी कई और स्मृतियां भी साझा की और सभी लोकतंत्र सेनानियों का पुण्य स्मरण किया।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी संघ कैलाश सोनी, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक श्रीमती गोमती साय, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सीजीएमएससी के चेयरमैन दीपक म्हस्के, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा, महामण्डलेश्वर अजय रामदास, अखिलेश सोनी, लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिवाकर तिवारी, लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने समेत अनेक प्रबुद्धजन तथा लोकतंत्र सेनानी और उनके परिजन मौजूद रहे।

ग्रिड में भेजी गई अतिरिक्त...

दिखाई देगी। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) ने बताया कि नेट मीटरिंग व्यवस्था के तहत सोलर संयंत्र से बनने वाली बिजली का पहले उपभोक्ता की मासिक बिजली खपत में समायोजन किया जाता है। यदि इसके बाद भी बिजली बचती है और ग्रिड में जाती है, तो उसकी यूनिट हर महीने उपभोक्ता के खाते में जुड़ती रहती है।

वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर खाते में बची सभी अतिरिक्त यूनिट का नियमानुसार बायबैक किया जाता है। इसकी राशि निर्धारित दर के अनुसार उपभोक्ता के खाते में जमा कर दी जाती है और आगामी बिजली बिलों में समायोजित की जाती है।

प्रत्येक नए वित्तीय वर्ष में यूनिट का लेखा-जोखा नए सिरे से शुरू होता है। इसलिए पिछले वित्तीय वर्ष की अतिरिक्त यूनिट नए बिजली बिल में यूनिट के रूप में नहीं दिखाई देती। उसका मूल्य उपभोक्ता के खाते में सुरक्षित रहता है और नियमानुसार बिजली बिलों में क्रेडिट के रूप में समायोजित किया जाता है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिशेष बिजली के समायोजन और बायबैक की पूरी प्रक्रिया छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के प्रचलित नियमों के अनुसार पारदर्शी ढंग से संचालित की जाती है।

समझिए पूरी प्रक्रिया- सोलर संयंत्र से बनी बिजली का पहले उपभोक्ता की मासिक खपत में समायोजन किया जाता है। यदि इसके बाद भी बिजली बचती है और ग्रिड में जाती है, तो उसकी यूनिट हर महीने उपभोक्ता के खाते में जुड़ती रहती है। वित्तीय वर्ष के अंत में बची हुई सभी यूनिट का निर्धारित दर पर बायबैक किया जाता है। इसकी राशि उपभोक्ता के खाते में सुरक्षित रहती है और आगामी बिजली बिलों में क्रेडिट के रूप में समायोजित की जाती है। नए वित्तीय वर्ष में यूनिट का लेखा-जोखा फिर से शून्य से शुरू होता है, इसलिए पिछले वर्ष की बची यूनिट नए बिल में यूनिट के रूप में नहीं दिखती। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बायबैक की दर सेकी तय कर चुकी है। नियामक आयोग से अनुमोदन मिलने के बाद यह राशि उपभोक्ताओं के आगामी बिजली बिलों में दिखाई देगी।।

अमेजन, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट भारत में एआई के लिए कर रहीं 5,400 अरब रुपये निवेश

नईदिल्ली। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियां भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश बढ़ा रही हैं।

अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल ने मिलकर इस सेक्टर में करीब 57 अरब डॉलर (लगभग 5,400 अरब रुपये) निवेश करने का वादा किया है। हाल ही में अमेजन ने 2030 तक भारत में एआई और क्लाउड सेवाओं के विस्तार के लिए 13 अरब डॉलर और निवेश का ऐलान किया। इससे कंपनी का कुल निवेश 21 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा।

अमेजन ने बताया कि नया निवेश मुंबई और हैदराबाद में एडब्ल्यूएस डाटा सेंटर की क्षमता बढ़ाने पर खर्च होगा। इससे स्टार्टअप, बड़ी कंपनियों और सरकारी संस्थानों को एआई चिप्स, क्लाउड सेवाएं और डेवलपर टूल्स आसानी से मिल सकेंगे। इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट ने 2029 तक भारत में 17.5 अरब डॉलर निवेश की घोषणा की थी। वहीं गूगल भी विशाखापत्तनम में बड़ा एआई हब बनाने के लिए 15 अरब डॉलर निवेश कर रहा है और कई नई सुविधाएं विकसित करेगा। कंपनियों का मानना है कि भारत में मजबूत इंजीनियरिंग प्रतिभा, तेजी से बढ़ती डिजिटल पहुंच और एआई अपनाने की रफ्तार इसे बड़ा बाजार बना रही है। अमेजन के सीईओ एंडी जेस्सी और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा कि भारत भविष्य में एआई विकास का अहम केंद्र बनेगा।

माइक्रोसॉफ्ट हैदराबाद, चेन्नई और पुणे में अपने क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर का भी लगातार विस्तार करने की तैयारी कर रहा है और नई तकनीकों पर लगातार काम करेगा। केंद्र सरकार एआई और डाटा सेंटर निवेश को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियां लागू कर रही है। बजट में विदेशी क्लाउड कंपनियों के लिए टैक्स राहत का प्रस्ताव दिया गया है। मेटा ने भी भारत में एआई डाटा सेंटर के लिए रिलायंस के साथ साझेदारी की है। हालांकि, आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा का मानना है कि एआई पर हो रहा भारी खर्च भविष्य में सभी कंपनियों के लिए लाभदायक साबित होगा या नहीं, यह अभी साफ नहीं है।

न्यूज गैलरी

चीन, जापान और रूस के सस्ते स्टील के खिलाफ भारत ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली। भारतीय घरेलू उद्योगों को विदेशी बाजार के नुकसानदेह मुकाबले से बचाने के लिए सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है. केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय की शाखा डीजीटीआर ने चीन, जापान और रूस से भारत आ रहे सस्ते स्टील के खिलाफ डंपिंग रोधी जांच शुरू कर दी है. भारतीय कंपनियों की शिकायत के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है.घरेलू कंपनियों का दावा है कि ये तीनों देश अपने स्टील को वास्तविक लागत से बहुत कम कीमत पर भारत में बेच रहे हैं. इस प्रक्रिया को व्यापार की भाषा में डंपिंग कहा जाता है. इसके कारण भारतीय कंपनियों के व्यापार को भारी नुकसान पहुंच रहा है और बाजार का संतुलन बिगड़ रहा है. इस जांच के दायरे में हॉट-रोल्ड फ्लैट प्रोडक्ट्स को रखा गया है. यह मुख्य रूप से अलॉय या नॉन-अलॉय स्टील से बने उत्पाद होते हैं, जिनकी मोटाई 25 मिलीमीटर और चौड़ाई 2100 मिलीमीटर तक होती है. इस जांच से स्टेनलेस स्टील को बाहर रखा गया है. स्टील के साथ-साथ सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर भी एक बड़ा फैसला किया है. चीन और मलेशिया से आने वाले डायलाइजर की भी डंपिंग जांच शुरू हो गई है. डायलाइजर एक महत्वपूर्ण मेडिकल डिवाइस है, जो किडनी के मरीजों के इलाज में कृत्रिम किडनी की तरह काम करता है. यह मरीज के खून से टॉक्सिन्स और गंदगी साफ करता है. स्थानीय निर्माताओं का कहना है कि विदेशों से आने वाले सस्ते डायलाइजर के कारण भारतीय स्वास्थ्य उत्पाद उद्योग को नुकसान हो रहा है. डीजीटीआर की शुरुआती जांच में यह पाया गया है कि विदेशी सामानों की कीमतें भारतीय बाजार के मुकाबले असामान्य रूप से बहुत कम हैं. यदि अंतिम जांच में भी यह साबित हो जाता है कि इस सस्ते आयात से देश के निर्माताओं को गंभीर आर्थिक चोट पहुंच रही है, तो सरकार इन उत्पादों पर भारी एंटी-डंपिंग ड्यूटी (विशेष आयात शुल्क) लगा देगी. इस शुल्क के लगने से विदेशी सामान महंगे हो जाएंगे और भारतीय कंपनियों को बाजार में बराबरी का मौका मिलेगा।

4 करोड़ की नौकरी छोड़ टेक कर्मचारी ने शुरू किया रेस्टोरेंट

नईदिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, यूट्यूब और क्रूज जैसी बड़ी कंपनियों में करीब 14 साल काम करने वाले 35 वर्षीय सलाहोदीन अब्दुल-काफी ने अपनी लगभग 4.25 करोड़ रुपये सालाना की नौकरी छोड़ दी। रिपोर्ट के अनुसार, सलाहोदीन ने नौकरी छोड़ी, क्योंकि टेक इंडस्ट्री में सिर्फ मुनाफे पर बढ़ते फोकस से वह निराश हो गए थे। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के टेक्सास में हलाल बारबेक्यू (बीबीक्यू) रेस्टोरेंट शुरू करने का फैसला लिया और नई शुरुआत की।सैन फ्रांसिस्को छोड़ने के बाद अब्दुल-काफी ने कम वेतन पर एक धार्मिक गैर-लाभकारी संस्था में काम शुरू किया। खाली समय में वह दोस्तों के लिए बारबेक्यू बनाकर डिनर पार्टियां आयोजित करते थे। दोस्तों को उनका खाना इतना पसंद आया कि उन्होंने रेस्टोरेंट खोलने की सलाह दी। इसके बाद दिसंबर, 2024 में उनका टेक्सास में हलाल बीबीक्यू रेस्टोरेंट शुरू हुआ और पहले ही दिन तैयार किया गया पूरा खाना बिक गया।अब्दुल-काफी ने बताया कि उनका रेस्टोरेंट पिछले साल करीब 23 लाख डॉलर (लगभग 22 करोड़ रुपये) का राजस्व हासिल कर चुका है। इस साल कारोबार 40 लाख डॉलर (लगभग 38 करोड़ रुपये) के बड़े आंकड़े तक पहुंचने का अनुमान है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि रेस्टोरेंट शुरू करने के बाद उन्होंने खुद कोई वेतन नहीं लिया है और अब भी अपनी पुरानी बचत के सहारे ही खर्च चला रहे हैं।अब्दुल-काफी के अनुसार, रेस्टोरेंट शुरू करने में करीब 10 लाख डॉलर (लगभग 9.50 करोड़ रुपये) का शुरुआती निवेश हुआ था, जिसकी भरपाई अभी बाकी है।

पासपोर्ट बनवाना हुआ महंगा, सामान्य शुल्क 2,500 व तत्काल 5,000 हुआ

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने लगभग 14 साल बाद पासपोर्ट की फीस बढ़ाने का फैसला किया है। नए शुल्क 1 जुलाई, 2026 से लागू होंगे। अब 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए 36 पेज वाले सामान्य पासपोर्ट की फीस 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दी गई है। वहीं, तत्काल श्रेणी में इसकी फीस 3,500 रुपये की जगह 5,000 रुपये होगी। यह बदलाव 2012 के बाद पहली बार किया गया है और सभी आवेदनों पर लागू होगा।

सरकार ने 60 पेज वाले पासपोर्ट की फीस भी बढ़ा दी है। सामान्य श्रेणी में इसकी फीस 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,500 रुपये और तत्काल श्रेणी में 4,000 रुपये से बढ़ाकर 6,000 रुपये कर दी गई है। खोए या खराब हुए 36 पेज पासपोर्ट के बदले नया पासपोर्ट बनवाने के लिए सामान्य श्रेणी में 5,000 रुपये और तत्काल में 7,500 रुपये देने होंगे। 60 पेज वाले रिप्लेसमेंट पासपोर्ट की फीस भी बढ़ाई गई है।

18 वर्ष से कम उम्र के आवेदकों के लिए 36 पेज वाले पासपोर्ट की सामान्य फीस 1,750 रुपये और तत्काल फीस 4,250 रुपये तय की गई है। खोए या खराब पासपोर्ट के बदले नया बनवाने के लिए सामान्य श्रेणी में 4,250 रुपये और तत्काल में 6,750 रुपये देने होंगे। पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट, सरेंडर सर्टिफिकेट और अन्य संबंधित प्रमाणपत्रों की फीस भारत में 750 रुपये तय की गई है। कई अन्य यात्रा संबंधी सेवाओं के शुल्क में भी बदलाव किया गया।

विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट संशोधन नियम, 2026 के तहत नई फीस अधिसूचित की है। मंत्रालय के अनुसार, 1 जुलाई, 2026 या उसके बाद जमा होने वाले सभी आवेदन पर यही शुल्क लागू होंगे। भारत में इमरजेंसी सर्टिफिकेट पहले की तरह मुफ्त रहेगा, जबकि विदेश में इसके लिए 15 अमेरिकी डॉलर देने होंगे। सरकार का कहना है कि नए शुल्क पासपोर्ट और संबंधित सेवाओं की सभी निर्धारित श्रेणियों पर समान रूप से लागू होंगे।

सूडान गृहयुद्ध भड़काने के आरोप में भारतीय कंपनी और सीईओ समेत 8 पर प्रतिबंध

वॉशिंगटन। अमेरिका ने सूडान देश में चल रहे खतरनाक गृहयुद्ध को बढ़ावा देने के आरोप में एक भारतीय नागरिक और उनकी कंपनी समेत आठ लोगों और संस्थाओं पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं. अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने यह बड़ी कार्रवाई की है. अमेरिकी सरकार का कहना है कि इन लोगों ने सूडान की सेना और लड़ाकों को हथियार, बारूद और विदेशी लड़ाके सप्लाई किए हैं, जिससे वहां का संकट बहुत ज्यादा बढ़ गया है.

इस कार्रवाई में भारत स्थित एक विस्फोटक निर्माता कंपनी और उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी को ब्लैकलिस्ट किया गया है. अमेरिकी सरकार के अनुसार, इस कंपनी ने सूडान की एक अन्य फर्म को भारी मात्रा में विस्फोटक और बारूद की आपूर्ति की थी. आरोपों के मुताबिक, इस सामग्री का इस्तेमाल सूडान की सेना द्वारा युद्ध में किया गया था। अमेरिका ने सूडान और मिस्र की उन कंपनियों पर भी रोक लगाई है जो इस युद्ध में विभिन्न गुटों की मदद कर रही थीं। सूडान की एक इंजीनियरिंग कंपनी को भी प्रतिबंधित किया गया है. इस कंपनी पर युद्ध के दौरान विभिन्न देशों से सैन्य वर्दी और अन्य जरूरी उपकरण मंगाने का आरोप है।

अमेरिका ने एक अंतरराष्ट्रीय भर्ती नेटवर्क से जुड़े अधिकारियों को भी ब्लैकलिस्ट किया है. आरोप है कि इस नेटवर्क का इस्तेमाल कोलंबिया जैसे देशों के पूर्व सैनिकों को पैसे देकर सूडान के अर्धसैनिक बलों की तरफ से लड़ने के लिए बुलाने में किया जा रहा था।इन प्रतिबंधों के बाद, ब्लैकलिस्ट किए गए सभी लोगों और संस्थाओं की अमेरिका में मौजूद संपत्तियां और बैंक खाते फ्रीज किए जा सकते हैं. कोई भी अमेरिकी नागरिक या अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान अब इनके साथ व्यापार या पैसों का लेन-देन करने से बचेगा. हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सूडान के आम नागरिकों के लिए मानवीय सहायता, जैसे दवाइयों और भोजन की आपूर्ति पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होंगे।

फीफा विश्व कप 2026: इक्काडोर ने जर्मनी को हराया

नईदिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप- ई के मुकाबले में इक्काडोर फुटबॉल टीम ने बड़ा उलटफेर किया। इस दक्षिण अमेरिकी देश ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जर्मनी फुटबॉल टीम को 2-1 से हराया। 2006 के बाद पहली बार इक्काडोर की टीम ने नॉकआउट स्टेज में जगह पक्की की है। वहीं, एक अन्य मुकाबले में आइवरी कोस्ट ने कुरासाओ को 2-0 से शिकस्त देते हुए राउंड ऑफ-32 में जगह बनाई है। मैच के दूसरे ही मिनट में लेरॉय साने ने गोल करके जर्मनी को बढ़त दिला दी। जर्मनी के शुरुआती गोल के बाद इक्काडोर ने 9वें मिनट में एंगुलो के जरिए तेजी से बराबरी कर ली। इस युवा फॉरवर्ड ने बॉक्स के बाहर से गोल किया, जिसमें कई डिफेंडर और डाइविंग कर रहे मैनुअल न्यूएर को छकाया गया। इसके बाद दूसरे हाफ में प्लाटा ने 77वें मिनट में गोल किया, जो कि निर्णायक साबित हुआ। ऑप्टा के अनुसार, दूसरे मिनट में साने का गोल फीफा विश्व कप इतिहास में दूसरा सबसे जल्दी गोल था। 1934 में अर्न्स्ट लेहनर ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ तीसरे स्थान के लिए मैच में 3-2 की जीत के दौरान पहले ही मिनट में गोल किया था।

दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को हराया

नईदिल्ली। महिला टी-20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम ने नीदरलैंड महिला क्रिकेट टीम को 88 रन से हरा दिया। ये इस विश्व कप में उनकी लगातार तीसरी जीत रही। वह ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ अपना एकमात्र मैच हारी हैं। वहीं, नीदरलैंड की टीम लगातार चौथा मैच हारी। अब ये टीम अपना आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। ऐसे में आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं। नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। उनका ये फैसला गलत साबित हुआ। ताजमिन ब्रिट्स ने शानदार शतकीय पारी (114*) खेल दी। वहीं, लौरा वोल्वार्ड्ट के बल्ले से 45 रन निकले। एनरी डर्क्सेन ने 16 गेंदों में 37 रन बना दिए। जवाब में नीदरलैंड के लिए कोई भी बल्लेबाज मैच जीताऊ पारी नहीं खेल पाया। वह 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 120 रन ही बना पाए। अयाबोंगा खाका ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 3 विकेट लिए।

ब्रिट्स ने 69 गेंदों का सामना किया और 114 रन बनाए। उनके बल्ले से 15 चौके और 3 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 165.22 की रही। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला ही शतक रहा, जिसे उन्होंने 63 गेंदों में पूरा किया। अब तक इस खिलाड़ी ने टी-20 विश्व कप में 14 मुकाबले खेले हैं और इसकी 14 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 47.90 की औसत से 527 रन बनाने में सफल रहीं हैं।

बेन स्टोक्स 250 विकेट और 7,000 रन का डबल पूरा किया

नईदिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 250 विकेट पूरे कर लिए हैं। ऐसे में वह इस प्रारूप में 250 विकेट और 7,000 रन का डबल पूरा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले केवल जैक्स कैलिस ने ये कारनामा किया था। आइए स्टोक्स के आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं। स्टोक्स ने 122वें टेस्ट की 181 पारी में अपने 250 विकेट पूरे किए। उन्होंने 6 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/22 का रहा है। अपने टेस्ट करियर में इस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा विकेट (57) भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ लिए हैं। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया एक ऐसी टीम है, जिसके खिलाफ स्टोक्स ने 50 से ज्यादा विकेट (56) लिए हैं।

फीफा विश्व कप 2026: पराग्वे-ऑस्ट्रेलिया के बीच ड्रॉ रहा मैच

नईदिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप-डी में पराग्वे फुटबॉल टीम और ऑस्ट्रेलिया फुटबॉल टीम के बीच खेला गया मैच ड्रॉ रहा। लेवाइस स्टेडियम में हुए मैच में कोई गोल देखने को नहीं मिला। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में तुर्की ने अमेरिका फुटबॉल टीम को 3-2 से शिकस्त दी। इस ग्रुप से ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने राउंड ऑफ-32 के लिए प्रवेश किया, जबकि तुर्की का सफर समाप्त हो गया।

लगभग 65 हजार दर्शकों की मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ में बेहतर शुरूआत की और कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने उन प्रयासों को नाकाम किया। दूसरे हाफ में पराग्वे ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन कोई निर्णायक मौका नहीं बना पाई। मैच में ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया संतुष्ट दिखी क्योंकि इस परिणाम से उन्होंने नॉकआउट में पहुंचने में सफलता हासिल की।फीफा विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया तीसरी बार नॉकआउट में पहुंचने में कामयाब रही। इससे पहले 2006 और 2022 में राउंड ऑफ-16 में पहुंचने में सफल रही थी। इन 2 संस्करणों में कुल 32-32 टीमों ने हिस्सा लिया था, जबकि इस बार 48 टीमें शामिल रही। इस रोमांचक मुकाबले में ऑस्टन ट्रस्टी ने तीसरे ही मिनट में गोल करके बढ़त दिला दी। कुछ समय बाद ही 10वें मिनट में अर्दा गुलेर ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। वहीं, अल्पर यिलमाज ने पहले हाफ में गोल करके तुर्की को बढ़त में ला दिया। इसके बाद अमेरिका के सेबेस्टियन बरहाल्टर ने 49वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया।

राख ने दिखाया दम, 8 एपिसोड वाली क्राइम थ्रिलर ने हिलाया दुनियाभर में इंटरनेट

***बनी नंबर 1 नॉन-इंग्लिश सीरीज**

प्रीमियर के बाद से राख ने जबरदस्त सफलता हासिल की है. यह पिछले दो साल में प्राइम वीडियो इंडिया की सबसे बड़ी ओरिजिनल सीरीज डेब्यू बनकर उभरी है. इसके साथ ही यह 23 देशों में नंबर 1 पर ट्रेंड कर चुकी है और 60 देशों की टॉप 10 लिस्ट में भी अपनी जगह बना चुकी है.

प्राइम वीडियो पर ग्लोबल प्रीमियर के कुछ ही दिनों में राख सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली और चर्चा में रहने वाली प्राइम ओरिजिनल सीरीज बन गई है. 12 जून को दुनियाभर में रिलीज हुई यह 8 एपिसोड की फिक्शनल क्राइम ड्रामा सीरीज नैतिकता, अपराध और न्याय के बीच के जटिल रिश्तों के साथ-साथ अपनों को खोने के दर्द को बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाती है.

एंडेमोल शाइन इंडिया ने भाडीपा के साथ मिलकर इस सीरीज का निर्माण किया है. राख को दुनिया भर के दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला है और यह प्राइम वीडियो की दुनिया की नंबर 1 गैर-अंग्रेजी सीरीज बन गई है. यह 23 देशों में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है, जबकि 60 देशों की टॉप 10 लिस्ट में भी अपनी जगह बना चुकी है. रिलीज के सिर्फ दो हफ्तों के भीतर राख पिछले दो साल में प्राइम वीडियो इंडिया पर सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल डेब्यू सीरीज भी बन गई है। राख को क्रिटिक्स, दर्शकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने जमकर सराहा है. इस सीरीज को एक ऐसी दमदार और लंबे समय तक याद रहने वाली कहानी बताया जा रहा है, जिसने क्राइम थ्रिलर के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया है. सीरीज में कलाकारों की परफॉर्मेंस की भी खूब तारीफ हो रही है. अली फजल के शानदार और करियर की सबसे बेहतरीन मानी जा रही परफॉर्मेंस से लेकर सोनाली बेंद्रे के एक दुखी मां के किरदार, आमिर बशीर के टूटे हुए पिता के इमोशनल रोल और आकाश मखीजा व रामदीप यादव द्वारा बाबू और रज्जो के किरदारों को बेहद खौफनाक अंदाज़ में निभाने तक, हर कलाकार ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है. पूरी स्टारकास्ट ने मिलकर इस कहानी को इतनी गहराई और असरदार तरीके से पेश किया है कि क्रेडिट्स खत्म होने के बाद भी इसकी चर्चा लगातार जारी है.

सीरीज के क्रिएटर्स, राइटर्स और को-डायरेक्टर्स अनुशा नंदकुमार और संदीप साकेत ने कहा, राख का हर सीन इस सोच के साथ बनाया गया कि हर छोटी से छोटी डिटेल बिल्कुल सही हो और हम पूरी ईमानदारी के साथ वही कहानी कहें, जिस पर हमें पूरा भरोसा था।

प्रोसित रॉय के निर्देशन में बनी राख का निर्माण एंडेमोल शाइन इंडिया ने भाडीपा के सहयोग से किया है. इसके प्रोड्यूसर्स दीपक धर, ऋषि नेगी, मृणालिनी जैन और श्याम राठी हैं. सीरीज को अनुशा नंदकुमार और संदीप साकेत ने क्रिएट, लिखा और को-डायरेक्ट किया है।

उर्मिला मातोंडकर को नहीं करना था छम्मा छम्मा, बोलीं- आइटम नंबर के बिल्कुल खिलाफ थी मैं

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने फिल्म चाइना गेट के अपने ब्लॉकबस्टर गाने छम्मा छम्मा को लेकर सालों बाद एक खुलासा किया है। इस सुपरहिट गाने पर चुप्पी तोड़ते हुए उर्मिला ने बताया कि वो शुरुआत में इस गाने को करने के बिल्कुल खिलाफ थीं, क्योंकि वो करियर के उस दौर में कोई आइटम नंबर नहीं करना चाहती थीं। आइए जानते हैं कि आखिर फिर ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने इस गाने के लिए हामी भर दी। उर्मिला हाल ही में डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के एक एपिसोड में बतौर स्पेशल गेस्ट शामिल हुईं, उन्होंने फिल्म चाइना गेट के इस लोकप्रिय गाने पर बात की। उन्होंने कहा, मुझसे कहा गया कि फिल्म चाइना गेट के महान निर्देशक राजकुमार संतोषी जी चाहते हैं कि आप इस फिल्म में एक आइटम सॉन्ग करें तो मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं थी, क्योंकि उस दौर में आइटम गानों को बहुत गलत तरीके से देखा जाता था। उर्मिला ने बताया, संतोषी ने मुझसे एक बात कही कि उर्मिला, बरसों पहले एक गाना आया था और आज भी जब लोग डांस या कोरियोग्राफी की बात करते हैं तो वही एक गाना इंसान की आंखों के सामने आता है। मुझे उस गाने से भी बेहतर गाना बनाना है। मैंने गणेश आचार्य से पूछा कि गाने की शूटिंग कितने दिन चलेगी? उन्होंने कहा कि प्लान 12 दिन का था।

प्रधानमंत्री की 'मन की बात' विकसित भारत के संकल्प को देती है नई ऊर्जा : सीएम साय

■ **जनभागीदारी और जनप्रेरणा का सशक्त माध्यम बना 'मन की बात' : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 135वीं कड़ी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के साथ सुनी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'मन की बात' आज जनता और नेतृत्व के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार देशवासियों को प्रेरित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक कड़ी में देशभर से नवाचार, जनभागीदारी और प्रेरणादायी प्रयासों को सामने लाते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक कार्यों को नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' की अनेक कड़ियों में छत्तीसगढ़ के नवाचारों और उपलब्धियों का उल्लेख होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने आगामी गणेशोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से निर्मित भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला तथा वर्षा जल के प्रत्येक बूंद के संरक्षण का संदेश देते हुए जल संचय को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मेघालय के जीवित रूट ब्रिज का उल्लेख करते हुए प्रकृति और मानव के अद्भुत समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विज्ञान, तर्क और जागरूकता के माध्यम से समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को दूर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। असम की महिलाओं द्वारा 'हरगिला आर्मी' के माध्यम से दुर्लभ प हरगिला के संरक्षण और उससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास जनजागरूकता का प्रेरक उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागालैंड में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संचालित नागालैंड बेबी लीग और नागालैंड वुमन फुटसाल लीग जैसी पहलों का उल्लेख किया। साथ ही नालंदा विश्वविद्यालय एवं सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ाने के प्रयासों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि डोमिनिकन रिपब्लिक में 'ब्रह्मकमल डोमिनिकाना' के सदस्य वैदिक साहित्य का अध्ययन कर भारतीय संस्कृति से जुड़ रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा की महिलाओं द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट से सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक बनाने की पहल स्वच्छता और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, विधायक गोमती साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय वास्तव, सच्चिदानंद उपासने, अखिलेश सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अबूझमाड़ के कुरूसनार में गूंजा 'मन की बात' का 135वां संस्करण

रायपुर/नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अबूझमाड़ क्षेत्र के नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड अंतर्गत कुरूसनार गांव में ग्रामीणों, महिलाओं और जनप्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें संस्करण को सामूहिक रूप से सुना।इस अवसर पर मंत्री राजवाड़े ने कहा कि मन की बात देशवासियों को प्रेरित करने वाला एक ऐसा जनसंवाद मंच बन चुका है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को निरंतर सशक्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विचारों से समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं, महिलाओं और बच्चों को नई ऊर्जा एवं प्रेरणा मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

सरकार उर्वरक को लेकर गंभीर नहीं, किसान परेशान – कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि अभी तक सोसायटियों में खाद का न पहुंचना चिंता पैदा कर रहा। सरकार कब उर्वरक मंगायेगी, सोसायटी पहुंचेगा। पिछले खरीफसीजन में राज्य के किसानों को 14 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की आवश्यकता थी, साय सरकार शुरू के दो माह तक मात्र 80 हजार मीट्रिक टन ही उर्वरक दे पायी थी, आखिर तक जरूरत से आधे का भी इंतजाम नहीं कर पायी सरकार। किसान यूरिया से लेकर डीएपी और पोटाश सभी के लिए भटकते रहे, बिचौलियों के द्वारा ब्लेक मार्केट में तीन से चार गुने दाम में किसानों को यूरिया और डीएपी खरीदने को मजबूर होना पड़ा था। इस खरीफसीजन में 15 लाख 55 हजार मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता अनुमानित है, पर इस सरकार 50 प्रतिशत स्टाक नहीं जुटा पाई है।प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि खरीफ सीजन शुरू होने के पहले सरकार का दायित्व है कि वह किसानों के मांग के अनुरूप सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक पहुंचाएं ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। सरकार उर्वरकों की उपलब्धता पर श्वेत पत्र जारी करे। पिछली बार की तरह झूठ बोलकर किसानों को गुमराह मत करे। मंत्री की हड़बड़ाहट बता रही है कि इस बार भी केंद्र की सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों के हक और अधिकार का उर्वरक देने से आनाकानी कर रही है और दलीय चाटुकारिता में भाजपा के नेता अभी से बहाने तलाश रहे है।प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि पिछले खरीफसीजन में खाद का संकट छत्तीसगढ़ के किसानों ने भोगा हैं, अब फिर वही स्थिति बन रही है, सरकार के संरक्षण में नकली खाद, अमानक खाद, नैनो यूरिया के नाम पर गुणवत्ताहीन खान लेने किसानों को मजबूर किया गया, ऐसे ही झूठे दावे सरकार ने पिछले करीब सीजन में भी सरकार करती रही और किसान खाद के लिए दर-दर भटकते रहे, यूरिया और डीएपी का स्टॉक डिमांड के आधा भी उपलब्ध नहीं कर पाई सरकार। बिचोलीयों और कालाबाजारी करने वालों को इस सरकार का संरक्षण था चार गुना अधिक दाम पर किसान जमाखोरों से 460 का यूरिया 2000 में और 1350 का डीएपी 4 हजार तक में खरीदने मजबूर हुए फिर भी पर्याप्त खाद किसानों को नहीं मिल पाया, अब आगामी खरीफसीजन में भी यही स्थिति बनती हुई दिख रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से की राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर माता-पिता एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाएं।मुख्यमंत्री साय ने अपने संदेश में कहा कि जब बात बच्चों के भविष्य की हो, तो हमारी छोटी-सी सावधानी भी बड़ा बदलाव ला सकती है। पोलियो की दो बूंद केवल एक दवा नहीं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की सुरक्षा का संकल्प है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक अभिभावक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने आसपास भी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा पोलियो की दो बूंद से वंचित न रहे।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों से ही पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने का आह्वान किया।

अबूझमाड़ से गूंजा स्वस्थ भारत का संकल्प: राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत आज देशभर में शुरू हुए विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र से भी उत्साहपूर्वक हुई। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया और अभिभावकों से अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाने की अपील की।मंत्री राजवाड़े ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। पोलियो जैसी गंभीर बीमारी पर भारत ने प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है, लेकिन इसे पूरी तरह समाप्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ÷दो बूंद जिंदगी की÷ स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण का आधार है।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों और अभियान में लगे सभी कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विशेष रूप से अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में अभियान का प्रभावी संचालन सरकार की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सुरक्षा और बच्चों के समग्र विकास को लेकर लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

34 कॉलेजों की 11,514 सीटों पर होना है एडमिशन, इस बार उम्र का दायरा नहीं

30 जून से इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग होगी शुरू

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के इंजीनियरिंग कॉलेजों में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटेक) कोर्स में एडमिशन के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया 30 जून से शुरू होगी। तकनीकी शिक्षा संचालनालय ने काउंसिलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया है।

राज्य के 34 इंजीनियरिंग कॉलेजों की करीब 11,514 सीटों पर एडमिशन तीन चरणों में होगा। केंडिडेट्स को हर फेस के लिए अलग-अलग ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इस बार उम्र का दायरा नहीं है।

पहले फेस की काउंसिलिंग

पहले फेस के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 30 जून से 6 जुलाई तक होगा। मेरिट सूची 7 जुलाई को जारी की जाएगी। इस पर 8 जुलाई तक दावा-आपत्ति दर्ज कराई जा सकेगी। सीट आवंटन और रिजल्ट 10 जुलाई को जारी होगा। चयनित अभ्यर्थियों को 11 से 15 जुलाई के बीच संबंधित कॉलेज में प्रवेश लेना होगा।

दूसरे फेस का शेड्यूल– दूसरे फेस के लिए रजिस्ट्रेशन 17 से 21 जुलाई तक होंगे। मेरिट सूची 22 जुलाई को जारी होगी, जबकि 23 जुलाई तक दावा-आपत्ति का मौका मिलेगा। सीट आवंटन और रिजल्ट 25 जुलाई को जारी होगा। प्रवेश प्रक्रिया 26 से 30 जुलाई तक पूरी की जाएगी।

संस्था स्तर की काउंसिलिंग भी होगी–अगर दोनों फेस के बाद भी सीटें खाली

मूल निवासी प्रमाण पत्र अनिवार्य– तकनीकी शिक्षा संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए मूल निवासी प्रमाण पत्र अनिवार्य रहेगा। इसके बिना प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

उम्र की सीमा हटाई गई

इस साल प्रवेश प्रक्रिया में उम्र संबंधी प्रतिबंध भी समाप्त कर दिया गया है। पहले इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु सीमा 30 साल थी। अब यह बाध्यता नहीं रहेगी।

एक फेस में एक ही आवेदन मान्य–

एक कोर्स के लिए हर फेस में अभ्यर्थी सिर्फ एक ही ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। अगर छात्र दूसरे फेस की काउंसिलिंग में नई सीट ले लेता है, तो पहले चरण में मिला एडमिशन अपने आप रद्द हो जाएगा।संस्था स्तर की काउंसिलिंग में अभ्यर्थी केवल एक ही संस्था का चयन कर सकेंगे, हालांकि उस संस्था में उपलब्ध सभी शाखाओं (ब्रांच) का विकल्प भर सकेंगे। संस्था स्तर पर आवेदन करने मात्र से पहले लिया गया प्रवेश निरस्त नहीं होगा। नया प्रवेश लेने के बाद ही पुराना प्रवेश स्वतः समाप्त माना जाएगा।

स्कूल खुल गये लेकिन सुविधा विहीन स्कूलों में बच्चे कैसे पढ़ेंगे – कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि स्कूलों में नया शिक्षण सत्र शुरू हो गया है, लेकिन सुविधाओं के आभाव में पढ़ाई शुरू नहीं हो पाई है। प्रदेश के अधिकांश स्कूलों, भवन, शौचालय, पेयजल जैसी सुविधाओ की कमी तो है ही, प्रदेश में 57000 से अधिक शिक्षको के पद भी खाली पड़े है। 12560 स्कूलो के भवन जर्जर पड़े है। जर्जर और खतरनाक भवनों में बच्चे कैसे पढ़ाई करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि अभी तक स्कूलों में सरकार पाठ्य पुस्तकें नहीं पहुंचा पाई है। बच्चो को स्कूल डेऊस भी सरकार नहीं पहुंचा पाई है। सुविधाओं के बिना स्कूलों में पढाई कैसे हो पायेगी। सरकार शाला प्रवेश उत्सव खूब ढिंढोरा पीट रही है, लेकिन शाला में पढ़ाई के लिये जरूर सुविधाये जुटाने में पूरी तरह उदासीन बनी हुई है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि भाजपा की सरकार नहीं चाहती कि छत्तीसगढ़ के बच्चें पढ़े लिखे, पढ़ लिख पाएं, इन्हें डर है कि पढ़ा लिखा युवा इनसे सवाल पूछेगा, इन्हें तो अंधभक्त चाहिए और इसीलिए दुर्भावना से शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने में जुटी हुई है सरकार। युक्तियुक्तकरण के नाम पर पिछले सत्र की तुलना में छत्तीसगढ़ में 10463 सरकारी स्कूलों का डायस कोड मर्ज किया जा चुका है, अर्थात इतने स्कूल कम हो गए, नया सेटअप के नाम पर प्राइमरी, मिडिल और हाई स्कूल तथा हायर सेकेंडरी में न्यूनतम पदों की संख्या में कटौती की गई, छात्र शिक्षक अनुपात बढ़ाए गए जिसके चलते शिक्षकों के अधिकांश रिक्त पद स्वतः समाप्त कर दिए गए।

सुकमा जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 का हुआ शुभारंभ

■ **कलेक्टर, एसपी और नगर पालिका अध्यक्ष ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक**

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 28 जून 2026 को पूरे भारत में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के रूप में शुरू हुआ। इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई जा रही हैं ताकि भारत को पोलियो-मुक्त रखा जा सके।

स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र , आंगनवाड़ी केंद्र या सरकारी अस्पताल में जाकर अपने बच्चे को पोलियो की दवा दिलवा सकते हैं।

सुकमा जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 का शुभारंभ आज उत्साहपूर्वक किया गया। कलेक्टर अमित कुमार और पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने मराईगुड़ा वन स्थित केंद्र में बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरुआत की। वहीं बस स्टैंड सुकमा में नगर पालिका अध्यक्ष हूंगाराम मरकाम ने भी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर पार्षद रंजीत बारठ, रमेश कर्मा, अनिल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह, डॉ. प्रदीप पटेल सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर मंत्री ने किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

■ **जिले के 1 लाख 72 हजार 423 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य, 1578 बूथों पर चलाया जा रहा विशेष अभियान**

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ आज कोरबा जिले में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम, आबकारी तथा सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने रानी धनराज कुंवर शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोरबा में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर किया। कार्यक्रम में महापौर संजू देवी राजपूत, पार्षद नरेन्द्र देवांगन एवं पार्षद रूबी सागर सहित जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के प्रथम चरण के शुभारंभ पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए आमजन एवं जनप्रतिनिधियों से अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक : कृष्णा बैगा के जीवन में आया खुशियों का नया सवेरा

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को पक्के घर देने के लिए चलाई जा रही है। इसके तहत लाभार्थियों को घर बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसे स्वच्छ भारत और मनरेगा जैसी योजनाओं से जोड़कर पक्का घर का निर्माण पूरा किया जा सकता है।

गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिला के सुदूर वनांचल के ग्राम पंचायत पंडरीपानी निवासी कृष्णा बैगा का परिवार वर्षों तक कच्चे मकान में रहने को मजबूर था।

12 सालों में मोदी सरकार ने महंगाई और बेरोजगारी बढ़ाई – कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। 12 सालों में मोदी सरकार ने महंगाई बेरोजगारी बढ़ाया। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री बताये कि उनके 12 सालों के कार्यकाल पूरा होने के बाद भी उनके 2014 के वायदों का क्या हुआ? 100 दिन में महंगाई कम करने का वादे कर क्या हुआ? किसानों की आय दुगुनी का क्या हुआ? मोदी यह बताये 10 साल के बाद भी अपने समर्थन मूल्य गारंटी के लिये भारत का किसान दिल्ली की ओर कूच कर रहा है। युवाओं को 2 करोड़ रोजगार क्यों नहीं मिला, पेट्रोल-डीजल के दाम 35 रू. क्यों नहीं हुआ? हर के खाते में 15 लाख क्यों नहीं आया? 2022 तक हर आवासहीनों के मकान के वादे का क्या हुआ, विदेशों से काला धन लाकर हर नागरिक के खाते में 15 लाख लाने के वादे का क्या हुआ? मोदी बताएं देश के महिलाओं को सुरक्षित वातावरण क्यों नहीं मिल रहा है? प्रधानमंत्री को बयानबाजी के बजाय अपने 10 साल के वादों का हिसाब जनता को दे।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि मोदी सरकार ने 12 सालो में एक भी वादा पूरा नहीं किया। भाजपा ने अपने 2014 के घोषणापत्र में 25 करोड़ नौकरियां निर्मित करने का वादा किया था।

ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने एटीआर क्षेत्र के गांवों में लगाई जनचौपाल

■ **20 लाख से अधिक के विकास कार्यों की घोषणा**

■ **वनांचलों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने सरकार प्रतिबद्ध : अरुण साव**

रायपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के अचानकमार क्षेत्र के सुदूर वनांचल ग्रामों–जमुनाही, जकड़बांधा, सुरही और बम्हनी, कटामी और अचानकमार में जनचौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लेकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान अनेक विकास कार्यों की घोषणाएं भी की।

ग्राम जमुनाही में उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों के पक्के घर का सपना साकार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिवतराई से केवची तक बहुप्रतीक्षित सड़क को स्वीकृति मिल चुकी है। वर्षा ऋतु समाप्त होते ही निर्माण कार्य शुरू होगा। वहीं बिजराकछार से औरापानी सड़क को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। ग्रामीणों द्वारा बिजली एवं पेयजल की समस्या उठाए जाने पर उन्होंने तत्काल अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने जमुनाही में सड़क की मरम्मत, गांव में 5 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण, देवभूमि में हैंडपंप स्थापना की घोषणा की तथा पेयजल उपलब्ध कराने के लिए टैंकर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि महतारी वंदन योजना, पेंशन, राशन सहित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश देते हुए मंच निर्माण के लिए 2 लाख रुपये तथा गणेश चौक में गणेश पंडाल हेतु शेड निर्माण के लिए 3 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने बताया कि कोटरा-पथरा-मनियारी मार्ग पर पुल निर्माण का सर्वे पूरा हो चुका है और कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा। उन्होंने जनचौपाल के दौरान पेयजल समस्या के समाधान के निर्देश देने के साथ ही स्थानीय क्रिकेट खिलाड़ियों को खेल सामग्री भी वितरित किए।

सुरही में उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वनांचल क्षेत्रों में बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए।

बस्तर में मानसून ने पकड़ी रफ्तार,दो घंटे की झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित

- नारायणपुर में सर्वाधिक 66 मिमी वर्षा,जगदलपुर में 43 मिमी बारिश दर्ज
- शहर में जलभराव से यातायात प्रभावित,किसानों को राहत के साथ अच्छी बारिश का इंतजार

जगदलपुर/नवप्रदेश। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने रविवार को बस्तर संभाग में अपना प्रभाव दिखाया। पूर्वाह्न के बाद लगभग 12 बजे अचानक मौसम बदला और घने बादलों के साथ शुरू हुई झमाझम बारिश करीब दो घंटे तक जारी रही। तेज बारिश से पूरा शहर तर-बतर हो गया और कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर बस्तर के नारायणपुर में सर्वाधिक 66 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि सुकमा में 64 मिमी,तथा बस्तर मुख्यालय जगदलपुर में 43 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

जगदलपुर शहर के धरमपुरा क्षेत्र में बिनाका मॉल के समीप मुख्य सड़क पर भारी जलभराव हो गया,जिससे वाहनों की रफ्तार थम गई और लंबा जाम लगने जैसी स्थिति बनी। दुपहिया वाहन चालकों और राहगीरों को पानी से भरी सड़कों पर आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शहर के अन्य निचले इलाकों में भी सड़कें पानी से भर गईं,जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई।

मानसून आगमन के बाद पहली बार हुई इस प्रभावी बारिश से किसानों को फिलहाल राहत मिली है। हालांकि पूरे बस्तर में समान रूप से वर्षा नहीं होने के कारण खेती-किसानी की चिंता अभी बनी हुई है। जिन किसानों ने खुर्रा बोनी कर दी है, उन्हें फसलों की अच्छी बढ़वार के लिए लगातार बारिश की आवश्यकता है। कृषि कार्यों के लिए अपेक्षित वर्षा अब तक नहीं होने से किसान अभी भी अच्छी और व्यापक बारिश की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

व्यापक बारिश की आवश्यकता

रविवार की बारिश में नारायणपुर 66 मिमी के साथ प्रदेश में सबसे आगे रहा। इसके बाद सुकमा में 64 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 45 मिमी तथा जगदलपुर में 43 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मौसम के इस बदले मिजाज से गर्मी और उमस से राहत तो मिली है,लेकिन कृषि और जलस्रोतों के लिए आने वाले दिनों में लगातार और व्यापक बारिश की आवश्यकता बनी हुई है।

बस्तर के 30 मेधावी छात्रों को आईआईटी मद्रास में मिलेगा सेमीकंडक्टर तकनीक का प्रशिक्षण

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर संभाग के युवाओं के लिए तकनीकी शिक्षा के लिए पहली बार बस्तर के 30 मेधावी छात्रों को देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास में सेमीकंडक्टर चिप मैन्युफैक्चरिंग की विशेष ट्रेनिंग लेने का अवसर मिलेगा। यह पहल न केवल छात्रों को अत्याधुनिक तकनीकों से परिचित कराएगी, बल्कि उन्हें भविष्य के हाई-टेक रोजगार बाजार के लिए भी तैयार करेगी। मिली जानकारी के अनुसार,आईआईटी मद्रास में 12 जुलाई से 24 जुलाई तक आयोजित होने वाले विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए बस्तर विश्वविद्यालय के छात्रों का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरनल टेस्ट की मेरिट सूची के आधार पर पूरी होगी। इसमें चयनित 30 छात्र पहली बार हवाई यात्रा कर चेन्नई पहुंचेंगे और देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों में से एक आईआईटी मद्रास में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर प्रशासन भी उत्साहित है। चयनित छात्रों को राज्यपाल की मौजूदगी में रवाना किया जाएगा। इस पहल को सफल बनाने में बस्तर कलेक्टर का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को सेमीकंडक्टर चिप निर्माण, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स,एडवांस डेटा ट्रांसफर सिस्टम और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। यह प्रशिक्षण छात्रों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों और उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल विकसित करने में मदद करेगा।प्रशिक्षण का एक बड़ा लाभ रोजगार के अवसरों के रूप में भी सामने आ सकता है।

एनसीसी कैडेटों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की दी जानकारी

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर पुलिस द्वारा जिले में चलाए जा रहे यातायात जागरूकता अभियान के तहत रविवार को परचनपाल स्थित कन्या शिक्षा परिसर में आयोजित संभाग स्तरीय एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से पहुंचे करीब 300 एनसीसी कैडेटों, प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों को सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण, उनसे बचाव के उपाय, सुरक्षित वाहन संचालन तथा यातायात नियमों के पालन की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। यातायात नियमों का पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाना जैसे छोटे-छोटे कदम अनेक लोगों की जान बचा सकते हैं। प्रशिक्षण शिविर में मौजूद कैडेटों ने पूरे ध्यान से जानकारी सुनी और भविष्य में स्वयं नियमों का पालन करने के साथ दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में यातायात नियमों के प्रति जागरूक रहने तथा उनका पालन करने की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई।

अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान जिलेभर में लगातार चलाया जा रहा है,ताकि अधिक से अधिक लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक कर दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक बस्तर के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) संतोष जैन,यातायात प्रभारी मधुसूदन नाग, प्रधान आरक्षक प्रकाश देवांगन,क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डीसी बंजारे,परिवहन विभाग के अकाउंट अधिकारी रवि रामटेके तथा एनसीसी कमांडेंट राणा सहित एनसीसी अधिकारी,शिक्षक,प्रशिक्षक एवं कैडेट उपस्थित रहे।

देव स्नान पूर्णिमा पर लक्ष्मीनारायण मंदिर में होगा महाअभिषेक, दोपहर से अन्न प्रसाद वितरण

जगदलपुर/नवप्रदेश। जगदलपुर के प्रवीर वार्ड स्थित ऐतिहासिक एवं रियासतकालीन लक्ष्मीनारायण मंदिर में देव स्नान पूर्णिमा का धार्मिक उत्सव हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। 29 जून, सोमवार को आयोजित होने वाले इस पर्व में भगवान जगन्नाथ,बलभद्र स्वामी एवं भगवती सुभद्रा माता का महाअभिषेक प्रातः वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया जाएगा। महाअभिषेक का शुभारंभ सुबह 11 बजे से होगा,जबकि दोपहर 2 बजे से श्रद्धालुओं के लिए अन्न प्रसाद वितरण किया जाएगा।

देव स्नान पूर्णिमा से प्रारंभ होता है रथयात्रा का प्रथम विधान : मंदिर के प्रमुख पुजारी पंडित किशोर तिवारी ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा का प्रथम धार्मिक विधान देव स्नान पूर्णिमा से प्रारंभ होता है। इस दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र स्वामी और भगवती सुभद्रा माता का पवित्र स्नान एवं विशेष पूजन किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार महाअभिषेक के पश्चात भगवान अस्वस्थ होकर कुछ दिनों के लिए विश्राम करते हैं और इसके बाद नवयौवन दर्शन देते हुए भव्य रथयात्रा में नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं।

बंदियों के अधिकारों, मूलभूत सुविधाओं एवं सुधारात्मक व्यवस्थाओं की समीक्षा

डीजे ने किया जेल का निरीक्षण

दुर्ग (नवप्रदेश)। दिनांक 27/06/2026 को मुख्यालय स्थित केन्द्रीय जेल दुर्ग का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला दुर्ग (छ0ग0) के0 विनोद कुजूर द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में उन्होंने महिला प्रकोष्ठ में निरूद्ध महिला बंदियों से उनकी प्रकरण की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, भोजन की गुणवत्ता, साफ सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई। तत्पश्चात उन्होंने जेल में सजायाफ्ता बंदियों के अपील संबंधी प्रकरणों को अद्यतन करने एवं बंदियों को प्रकरण की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के निर्देश जेल अधिकारियों को दिये। उन्होंने बंदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और उनकी दैनिक दिनचर्या से संबंधित जानकारी प्राप्त की। नव आगंतुक बंदियों को उनके प्रकरण से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के विषय में बताया गया तथा जो बंदी निजी अधिवक्ता नियुक्त नहीं कर सकते हैं, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता सलाह प्रदान कर उनकी पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता की नियुक्ति किए जाने की जानकारी दी गई। जेल प्रशासन को ऐसे बंदी जिन्हें परिहार का लाभ दिया जा सकता है, उनके आवेदन के लंबित रहने के कारणों सहित जानकारी प्राधिकरण को प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

उन्होंने मुख्य रूप से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) ·¤è SPRUHA (Supporting Potential and Resilience of the Unseen, Held-back and Affected) Scheme, 2025 के अंतर्गत जेल में निरुद्ध कैदियों से संवाद स्थापित कर उनके आश्रित परिवारजनों को होने वाली सामाजिक, आर्थिक एवं व्यवहारिक कठिनाइयों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की गई। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा कैदियों से यह जाना गया कि उनके कारावास की अवधि के दौरान उनके आश्रित जैसे पत्नी, बच्चे एवं वृद्ध माता-पिता को आजीविका, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य उपचार, भरण-पोषण एवं दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

इस अवसर पर उनके द्वारा यह निर्देशित किया गया कि स्क्रा योजना के अंतर्गत ऐसे पात्र कैदियों एवं उनके आश्रित परिवारजनों की पहचान कर उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की जाए तथा उन्हें केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा यह भी निर्देश दिए गए कि पैरालीगल वालेंटियर्स के माध्यम से आश्रित परिवारों का फील्ड स्तर पर सत्यापन कर उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि कैदियों के परिवारजनों को सामाजिक सुरक्षा एवं संरक्षण प्रदान किया जा सके। उन्होंने निरीक्षण के उपरांत संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा शंकर महतो प्रकरण में प्रतिपादित सिद्धांतों एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से जेलों में मानवीय गरिमा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा, विधिक सहायता तथा पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करते हुए आवश्यक सुधारात्मक उपाय सतत रूप से किए जाएं। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बसंत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर, जेल अधीक्षक, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी, LADCS के कौंसिल व अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था तो कम नहीं होगी: अजय काले

रायपुर (नवप्रदेश)। अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास के महामंत्री चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्रा ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। जिन श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम की सेवा में चांदी की ईंट दान स्वरूप दी थी, वह सभी सुरक्षित हैं। इधर स्पेशल इंवेस्टीगेशन टीम (एसआइटी) की बड़े पैमाने पर जांच जारी है। पहले चरण की जांच की रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर करने के साथ ही आठ लोगों की गिरफ्तारी की चुकी है और भी कुछ गिरफ्तारियां संभावित हैं। दोषियों का सलाखों के पीछे जाना तय है।

महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने इस आशय के विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा मामले का आशय यह नहीं कि हमारी प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था कम हो जाए। भगवान श्रीराम चंद्र को काल्पनिक बताने वाले नास्तिकों की बातों में आकर अगर हम ही अयोध्या चढ़ावा प्रकरण को लेकर मंदिर की व्यवस्था पर सवाल उठाने लगे, तो हम कहां के सनातनी और काहे के श्रद्धालु। काले ने कहा कि 11 जुलाई को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट की बैठक में बहुत सी नई व्यवस्थाएं अस्तित्व में आएंगी। तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर सीईओ नियुक्ति की खबर भी है, ताकि मंदिर में दान में मिलने वाली राशि का न केवल सुक्ष्मतम हिसाब रखा जा सके, बल्कि दान राशि का व्यवस्थित नियोजन भी हो सके।

काले के मुताबिक श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की महिमा ही है कि अयोध्या में प्रतिदिन लाखों तीर्थयात्री आते हैं।उनके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मुहैया कराई गईं हैं। अयोध्या समेत आसपास के इलाकों का अकल्पनीय विकास हुआ है और अभी भी जारी है। हजारों लोगों को लगातार रोजगार के नए- नए अवसर मिल रहे हैं। इन सब के बीच हम मानते हैं कि अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी जघन्य व अक्षम्य अपराध है और अपराधियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी ही चाहिए।

'जल मड़ई' से जल संरक्षण का संदेश,सुरक्षित पेयजल के लिए सामुदायिक भागीदारी पर जोर

बस्तर/नवप्रदेश। सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता और जल स्रोतों के संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से ग्राम रिपा (कोडेनार) में 'जल मड़ई ङ्क हमारा पानी, हमारी जिम्मेदारी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ एग्रीकॉन समिति द्वारा जिला प्रशासन,ग्राम पंचायत कोडेनार एवं तिरथुम तथा के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में जल संरक्षण,सुरक्षित पेयजल और सामुदायिक जल प्रबंधन को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित पेयजल परियोजना के तहत संचालित विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया गया। निर्माणाधीन जल संरचनाओं,स्प्रिंग रिपेयर,सामुदायिक जल स्रोतों एवं जल वितरण व्यवस्था का अवलोकन करते हुए बेहतर संचालन के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए। साथ ही परियोजना प्रदर्शनी के माध्यम से जल संरक्षण, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की भूमिका,सामुदायिक सहभागिता तथा अब तक की उपलब्धियों और आगामी कार्ययोजना की जानकारी साझा की गई।

ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों की जल संबंधी समस्याओं और आवश्यकताओं को रखते हुए जल स्रोतों के संरक्षण, सुरक्षित पेयजल की सतत उपलब्धता तथा पंचायतों की सक्रिय भागीदारी पर चर्चा की। जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले वाटर चैंपियनों को जल परीक्षण किट एवं प्लंबिंग टूल किट प्रदान की गई, जबकि चयनित परिवारों को घरेलू वाटर फिल्टर वितरित किए गए। परियोजना के सफल क्रियान्वयन में योगदान देने वाले ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों तथा युवोदय स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन (आईएएस) ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक और समुदाय की साझा जिम्मेदारी है।

अधिकारों की रक्षा के लिए पेंशनरों का एकजुट होना जरूरी : राम नारायण ताटी

- भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की संभागीय बैठक में संगठन विस्तार और आंदोलन की रणनीति पर चर्चा

जगदलपुर/नवप्रदेश। पावर हाउस चौक स्थित संघ कार्यालय में रविवार को भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की संभागीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान, लंबित मांगों और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए अब्दुल सत्तार खान तथा प्रांतीय मंत्री बनाए गए शिव कुमार मिश्रा के सम्मान से हुई, जिन्हें उपस्थित पेंशनरों एवं मातृशक्ति ने पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी।

बैठक को संबोधित करते हुए संभागीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मंत्री राम नारायण ताटी ने कहा कि बिना संघर्ष के कोई अधिकार प्राप्त नहीं होता। उन्होंने कहा कि पेंशनरों को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित होना होगा। जब तक सभी एकजुट नहीं होंगे, तब तक मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 (6) से जुड़ी राम जुरायण ताटी ने कहा कि बिना संघर्ष के कोई नहीं होता। उन्होंने कहा कि पेंशनरों को अपने अधिकारों की रक्षा वह संगठित होना होगा। जब तक सभी एकजुट प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49(6,)समस्याओं का समाधान संभव नहीं होगा। बैठक में संभाग के सभी जिलों की तर्ज पर ब्लॉक स्तर पर भी कार्यकारिणी गठित करने, प्रत्येक पदाधिकारी द्वारा कम से कम दो नए सदस्यों को संगठन से जोड़ने तथा लंबित दो प्रतिशत महंगाई राहत की मांग को लेकर प्रभावी आंदोलन की रणनीति बनाने पर सहमति बनी। साथ ही कार्यालय के रखरखाव, बिजली-पानी एवं अन्य खर्चों के लिए प्रति सदस्य 500 रुपये वार्षिक सहयोग राशि लेने का निर्णय भी सर्वसम्मति से लिया गया।

मोबाइल स्क्रीन से हजारों दिलों तक पहुंची धमतरी की बेटी हर्षलता, सुरीली आवाज़ ने दिलाई नई पहचान

पिता के गीत, बेटी की आवाज, हर्षलता की प्रतिभा को मिला सम्मान

एकता ठाकुर. रायपुर

मोबाइल स्क्रीन से शुरू हुआ सफर अब हजारों लोगों की जुबान तक पहुंच चुका है। अपनी मधुर आवाज़ और शानदार गायकी के दम पर छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले की 21 वर्षीय हर्षलता पटेल सोशल मीडिया की नई सनसनी बनकर उभरी हैं। उनके गीतों ने इंटरनेट पर ऐसी धूम मचाई है कि देखते ही देखते उनके वीडियो हजारों लोगों तक पहुंच गए। खास बात यह है कि जन-जागरुकता पर आधारित उनके एक गीत ने उन्हें नई पहचान दिलाई और लोग उनकी प्रतिभा की जमकर सराहना कर रहे हैं।

धमतरी जिले के ग्राम नवागांव कंडेल की रहने वाली हर्षलता पटेल साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता रविशंकर पटेल एक श्रमिक हैं, लेकिन साथ ही गीत लेखन का भी शौक रखते हैं। पिता द्वारा लिखे गए गीतों को हर्षलता अपनी सुरीली आवाज़ में प्रस्तुत करती हैं। पुलिस और देश की सुरक्षा में जुटे जवानों के सम्मान में लिखे गए एक विशेष गीत को उन्होंने धमतरी के पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसने सभी का दिल जीत लिया। हर्षलता की भावपूर्ण प्रस्तुति से प्रभावित होकर धमतरी के पुलिस अधीक्षक ने उनकी प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें और उनके पिता रविशंकर पटेल को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान हर्षलता और उनके परिवार के लिए गर्व का पल साबित हुआ।

निरंतर प्रयास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी: युवाओं के लिए हर्षलता का संदेश भी बेहद प्रेरणादायक है। उनका कहना है कि बच्चों और युवाओं को पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना चाहिए, मोबाइल फोन का उपयोग केवल जरूरत के अनुसार करना चाहिए, माता-पिता का सम्मान करना चाहिए और जीवन में आने वाली कठिनाइयों से घबराने के बजाय अपने हुनर और मेहनत पर विश्वास बनाए रखना चाहिए। उनका मानना है कि आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं।

संगीत के क्षेत्र में भविष्य बनाने का सपना

हर्षलता बताती हैं कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई, जबकि स्नातक की पढ़ाई शासकीय नारायणराव मेधावाले कन्या महाविद्यालय, धमतरी से पूरी की। उन्हें बचपन से ही संगीत से गहरा लगाव रहा है। महज आठ-नौ वर्ष की उम्र से ही वे स्कूल और कॉलेज के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लेती रही हैं। उनका सपना संगीत के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना है।

परिवार में मिला हमेशा संगीत का वातावरण

हर्षलता बताती है कि संगीत की पहली सीख उन्हें किसी संस्थान से नहीं, बल्कि अपने घर के माहौल से मिली। उनके पिता गीत लिखते हैं और परिवार में हमेशा संगीत का वातावरण रहता है। यही माहौल उनके लिए प्रेरणा बना और आज उनकी पहचान पूरे प्रदेश में बन रही है। हर्षलता की इस उपलब्धि से उनके माता-पिता, परिवार और गांव के लोग खुश हैं। सभी को उम्मीद है कि गांव की यह बेटी आने वाले समय में जिले और पूरे छत्तीसगढ़ का नाम देशभर में रोशन करेगी।

बारिश का पानी बचाइए, भविष्य की प्यास बुझाइए

जल बचे तो कल बचे... यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सबसे बड़ी चेतावनी है। बारिश का पानी बचाइए... भविष्य की प्यास बुझाइए... लेकिन विडंबना देखिए... आसमान से अमृत बनकर बरसने वाला पानी हर साल हमारी लापरवाही के कारण नालों और नदियों के रास्ते बहकर बेकार चला जाता है। आसमान से बादल बरसता है, फिर भी धरती सूख रही है? इसका सबसे बड़ा कारण रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के प्रति लोगों की उदासीनता और सरकारी तंत्र की महज कागजी खानापूर्ति है। तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगलों ने धरती की प्राकृतिक जल सोखने की क्षमता को कम कर दिया है। बारिश का अधिकांश पानी जमीन में समाने के बजाय नालियों, बड़े नालों और नदियों के रास्ते समुद्र में पहुंच जाता है। नतीजा यह है कि भूजल स्तर लगातार नीचे खिसक रहा है और जल संकट हर साल और भयावह होता जा रहा है। यदि अब भी वर्षा की हर बूंद को सहेजने की गंभीर पहल नहीं हुई, तो आने वाले समय में पानी की कमी सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है।

निकायों में 40 करोड़ से ज्यादा जमा, लेकिन रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना ही भूले

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के नगरीय निकायों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के 40 करोड़ रुपए से ज्यादा जमा हैं। यह रुपए आम लोगों से नक्शा पास कराने के दौरान ही वसूल लिए किए हैं। निर्माण पूरा होने के बाद निकायों की जिम्मेदारी है कि वे मौके पर जाकर देखे कि संबंधित मकान या भवन में सिस्टम लग चुका है या नहीं। नगरीय निकाय के अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे। लोगों में भी इतनी जागरुकता नहीं कि वे खुद से सिस्टम लगाकर इसकी जानकारी संबंधित निकाय को दें। रजिस्टर्ड हाईड्रोलाजिस्ट से सिस्टम लगवाने के बाद इसका सर्टिफिकेट जमा करने पर नगर निगम या पालिका जमा रकम लोगों को लौटाती है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के किसी भी नगरीय निकाय में ऐसी व्यवस्था ही नहीं बनाई गई है कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की नियमित जांच हो सके। रायपुर नगर निगम में करीब सात हजार सिस्टम लगाए जाने का दावा किया जाता है। अभी भी साढ़े तीन से चार हजार निर्माणों में सिस्टम नहीं लग पाया है। इसके अलावा अधिकांश सरकारी भवन-इमारतों में भी यह सिस्टम नदारद है। जहां लगे हैं, वहां भी सिस्टम या तो बंद हो चुके हैं या खराब पड़े हैं।

सुरक्षा निधि जब्त और जुर्माना भी

राज्य शासन के 2009 के आदेश के मुताबिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के दायरे में आने वाले भवन निर्माता यदि सिस्टम नहीं लगाते हैं तो नगरीय निकायों को सुरक्षा निधि जब्त करने का अधिकार है। नियम में यह भी कहा गया है कि इस रकम का उपयोग कर संबंधित निकाय भवन निर्माण करने वाले की खुली जमीन पर सिस्टम लगाएगा। यह नियम नए के साथ-साथ पुराने निर्माणों पर भी लागू होगा। जो पुराने भवन 1500 वर्गफुट से ज्यादा क्षेत्रफल में बने हैं, उन्हें सिस्टम लगाना अनिवार्य है। नहीं लगाने पर प्रति 100 वर्गमीटर पर एक हजार रुपए सालाना की दर से जुर्माना लगाया जाएगा।

निगमों के जिम्मेदारों ने नहीं की जांच

राज्य सरकार ने पहले आदेश जारी किया था कि 1500 वर्गफीट से ज्यादा क्षेत्रफल वाले सभी पुराने भवनों में यह सिस्टम लगाया जाना है। निकायों ने इसकी भी जांच नहीं की है। राज्य में वाटर हार्वेस्टिंग का नियम 2009 से लागू है। निकाय भूखंड क्षेत्रफल के अनुपात में वाटर हार्वेस्टिंग शुक्ल वसूल रहे हैं। रायपुर निगम में ही वाटर हार्वेस्टिंग के नाम पर वसूले गए 25 करोड़ से ज्यादा शुक्ल जमा है। बाकी निगमों में 30 करोड़ से अधिक की रकम जमा पड़ी है।

नगरीय प्रशासन विभाग सचिव ने दिए निर्देश

नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव आर. शंगीता ने सभी निकायों को वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जांच करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा निकायों में भूजल की स्थिति की भी रिपोर्ट तैयार करने कहा गया है। सचिव शंगीता ने कहा कि सभी जिलों के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी एक सप्ताह के भीतर संबंधित जिलों के निकायों का दौर कर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थिति जांचेंगे और रिपोर्ट देंगे।

अलग-अलग निर्माणों पर शुल्क राशि

- **आवासीय**: 55 रुपए प्रति वर्गमीटर, अधिकतम 15000
- **रो-हाउस** : 55 रुपए प्रति वर्गमीटर, अधिकतम 10 लाख
- **ग्रुप हाउसिंग**: 55 रुपए प्रति वर्गमीटर, अधिकतम 10 लाख
- **अपार्टमेंट**: 55 रुपए प्रति वर्गमीटर, 15000 गुणा फ्लैट संख्या से ज्यादा नहीं
- **कालोनी**: एक लाख रुपए प्रति हेक्टेयर, 10 लाख अधिकतम
- **कमर्शियल**: 55 रुपए प्रति वर्गमीटर, 10 लाख अधिकतम

नक्शा स्वीकृति पर राशि जमा करने का प्रावधान

रायपुर नगर निगम के रेन वाटर हार्वेस्टिंग दस्तावेज में नए निजी भवनों में नक्शा स्वीकृति के समय वापसी योग्य सुरक्षा राशि जमा कराने का प्रावधान दिखता है।

7,000
500-1000 वर्गफुट भवनों के लिए

10,000
1001-2000 वर्गफुट के लिए

20,000
2001-5000 वर्गफुट के लिए

30,000
5001 वर्गफुट से ऊपर भवनों के लिए सुरक्षा राशि का उल्लेख है।

इसी दस्तावेज में यह भी है कि यदि निर्मित भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली का निर्माण/रख-रखाव नहीं किया जाता, तो 300 वर्गमीटर से अधिक भूखंडों पर प्रति 100 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र के हिसाब से 1,000 प्रतिवर्ष तक शास्ति लगाई जा सकती है।

पिछले 5 वर्षों में की गई कार्रवाई और वित्तीय डेटा

विगत पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ के 14 नगर निगमों, 48 नगर पालिकाओं और 109 नगर पंचायतों में निजी व व्यावसायिक भवनों पर की गई कार्रवाई का अधिकृत डेटाः

सुरक्षा निधि और जुर्माना कार्रवाई

- **वसूली गई कुल सुरक्षा निधि**: पिछले 5 वर्षों में भवन अनुज्ञा के एवज में लगभग 42 करोड़ की राशि नगर निगमों में जमा कराई गई।
- **राजसात की गई राशि**: जिन 1,120 भवन स्वामियों ने तय समय में हार्वेस्टिंग नहीं बनाया, उनकी 3.80 करोड़ की राशि राजसात कर निगम द्वारा स्वयं हार्वेस्टिंग गड्ढे बनवाए गए।
- **जारी किए गए नोटिस**: नियमों का उल्लंघन करने वाले 8,400 से अधिक निजी व व्यावसायिक परिसरों को नोटिस जारी किए गए।

रूफटॉप हार्वेस्टिंग का कुल कवरेज (शहरी क्षेत्र)

- **निजी आवासीय भवन (150 वर्गमीटर से बड़े)**: लगभग 1,24,000 भवनों में सिस्टम इंस्टॉल किया जा चुका है।
- **व्यावसायिक परिसर (मॉल, कॉम्प्लेक्स, टॉकीज)**: 4,200 परिसरों में अनिवार्य रूप से इसे चालू किया गया है।

भू-जल विभाग का 'वॉटर लेवल' असेसमेंट डेटा

भू-जल सर्वेक्षण विभाग की नवीनतम 'डायनामिक ग्राउंड वॉटर रिसोर्सेज' रिपोर्ट के अनुसार, इन प्रावधानों के कारण प्रदेश के जल स्तर में निम्नलिखित सुधार दर्ज किया गया है।

- **सुरक्षित ब्लॉक**: प्रदेश के कुल 146 विकासखंडों में से 121 विकासखंड भू-जल की दृष्टि से पूरी तरह 'सुरक्षित' श्रेणी में हैं।
- **क्रिटिकल/सेमी-क्रिटिकल ब्लॉक** : केवल 25 विकासखंड (विशेषकर दुर्ग, बेमेतरा और रायपुर के कुछ हिस्से) सेमी-क्रिटिकल या ओवर-एक्सप्लॉइटेड श्रेणी में हैं, जहां नए नलकूप खनन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाकर केवल रिचार्जिंग की अनुमति दी जा रही है।
- **औसत जल स्तर सुधार**: शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर हार्वेस्टिंग लागू होने से मानसून के बाद भू-जल स्तर में औसतन 0.5 मीटर से 1.2 मीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

सरकारी कार्यालयों और विभागों में वॉटर हार्वेस्टिंग की स्थिति

छत्तीसगढ़ के प्रमुख नगरीय निकायों तथा सरकारी अभिलेखों के अनुसार शासकीय भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की स्थिति इस प्रकार है।

विवरण	कुल संख्या
प्रदेश में कुल चिन्हित शासकीय भवन/कार्यालय	14,520
नियमों के तहत जिनमें वॉटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य है	9,840 (150 वर्ग मीटर से अधिक)
वर्तमान में क्रियाशील हार्वेस्टिंग सिस्टम (शासकीय)	8,150
प्रगतिरत/सुधार योग्य सरकारी भवन	1,690

नवा रायपुर अटल नगर का विशेष डेटा

नवा रायपुर डवलपमेंट अथॉरिटी के मास्टर प्लान-2031 के ऑनलाइन अनुज्ञा रिकॉर्ड के अनुसार

- **कुल स्वीकृत शासकीय/अर्ध-शासकीय कार्यालय परिसर**: 118
- **रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की अनुमति प्राप्त कार्यालय**: 118 (100%)
- **भौतिक सत्यापन**: चालू पाए गए सिस्टमः 104 कार्यालयों (जैसे महानदी भवन, इन्द्रावती भवन, पीएचक्यू आदि) में बड़े रीचार्ज पिट्स पूरी तरह काम कर रहे हैं, जबकि शेष 14 निर्माणाधीन या रखरखाव की प्रक्रिया में हैं।

रिफंड होती है जमा राशि

नगर निगम के नियम के अनुसार 150 वर्गमीटर से अधिक वाले सभी भूखंडों के मकानों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य है। इसके लिए राशि जमा कराई जाती है, वह लगाने पर निगम रिफंड करता है। लेकिन किसी न तो लगवाया और न नहीं निगम में जमा राशि लेने आया। 150 वर्गमीटर से अधिक के भूखण्डों में लगाना अनिवार्य है। जो आंकड़ा पेश किया गया है, वह चौंकाने वाला है। 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2025 तक 6270 आवासीय प्रकरणों में 13 करोड़ 68 लाख 39 हजार 184 रुपए। वहीं 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2025 तक 961 व्यावसायिक प्रकरणों में 10 करोड़ 20 लाख 9007 रुपए है।कुल 23 करोड़ 88 लाख 48 हजार 191 रुपए लोगों ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगवाने के नाम पर निगम के कोष में जमा किए हैं।

विस सत्र में उठा मामला और पिछले वर्षों में हुई कार्रवाई

- विधानसभा के प्रश्नकाल में प्रस्तुत विभागीय विवरणों के अनुसार, राज्य सरकार ने विगत वर्षों में जल संरक्षण को मिशन मोड पर लिया है।
- मिशन मोड निर्देश (जून 2026 तक): हाल ही में नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा जारी आधिकारिक निर्देशों के तहत सभी जिला कलेक्टरों और नगर निगम आयुक्तों को सख्त आदेश दिए गए हैं कि मानसून की पहली बारिश से पहले सभी शासकीय, निजी और व्यावसायिक भवनों में हार्वेस्टिंग संरचनाओं को शत-प्रतिशत दुरुस्त कराया जाए।
- दोषियों पर एक्शन: जिन भवनों के मालिकों ने नक्शा पास कराते समय हार्वेस्टिंग की अनुमति ली थी लेकिन वास्तव में निर्माण नहीं कराया, उनके खिलाफनगर निगमों (रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग आदि) द्वारा सुरक्षा निधि जब्त करने तथा डिफाल्टरों को नोटिस जारी करने की बड़ी कार्रवाई की जा रही है।

ऐसे बचेगा हर बूंद पानी सुरक्षित होगा हमारा कल

छत्तीसगढ़ में हर साल औसतन 1200 से 1400 मिमी बारिश होती है। यदि इस वर्षा जल का वैज्ञानिक तरीके से संचय किया जाए, तो हर साल करोड़ों लीटर पानी भूजल के रूप में सुरक्षित किया जा सकता है। राज्य की करीब तीन करोड़ आबादी छोटे-छोटे प्रयासों से जल संकट को काफी हद तक कम कर सकती है। हर साल गर्मी में पानी को लेकर हाहाकार मचता है, जिसे दूर करने के लिए शासन के साथ आम जनों को मिलकर आगे आना होगा।

पानी सहेजने क्या करें?

- हर घर, स्कूल, कार्यालय और सरकारी भवन में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाएं।
- छत का वर्षा जल पाइप के जरिए रिचार्ज पिट या भूमिगत टैंक में पहुंचाएं।
- सोख्ता गड्ढे और रिचार्ज वेल बनाकर भूजल स्तर बढ़ाएं।
- तालाबों, कुओं और जलस्रोतों का संरक्षण व नियमित सफाई करें।
- अनावश्यक पानी की बर्बादी रोकें और जल का जिम्मेदारी से उपयोग करें।
- वर्षा जल संचय को जनआंदोलन बनाकर हर नागरिक अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे।

वर्षाजल संचयन (आरडब्ल्यूएच) क्या है?

वर्षा जल संचयन एक ऐसी तकनीक है, जिसके द्वारा वर्षा जल को प्राकृतिक जलाशयों या टैंकों में एकत्र और संग्रहित किया जाता है या सतही जल को भूमिगत जलभंडारों में रिसने दिया जाता है (इससे पहले कि वह सतही अपवाह के रूप में बह जाए)। वर्षा जल संचयन जल को एकत्रित करने और बोरवेल जैसे जल स्रोतों तक पहुंचाने की एक सरल, आसान और किफायती तकनीक है। वर्षा जल संचयन में सूखे और जल संकट से उत्पन्न समस्याओं को दूर करने की क्षमता है।

पानी और बारिश

97% विश्व का कुल जल महासागरों में है। **02%** ध्रुवीय क्षेत्रों में जमा है **01%** ही मीठा पानी है। भारत की जनसंख्या का हिस्सा विश्व की जनसंख्या का **18%** है।

भारत में औसत बारिश

भारत की औसत वार्षिक वर्षा लगभग 118 से 120 सेंटीमीटर (लगभग 1,180 मिमी) है। इस वर्षा का लगभग 75% हिस्सा दक्षिण-पश्चिम मानसून से जून से सितंबर के बीच प्राप्त होता है।

कागजों में सिमटी रेन वाटर हार्वेस्टिंग की योजना, पानी सहेजने आम नागरिक भी बनें जागरूक

नदी-नालों में बह रहा अरबों लीटर बारिश का पानी!

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में हर साल अच्छी बारिश होती है, लेकिन इसका बड़ा हिस्सा बिना उपयोग के नालियों और नदियों में बह जाता है। भूजल स्तर को बढ़ाने और जल संकट से निपटने के लिए वर्षों पहले रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य बनाने की पहल की गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के अधिकांश नगर निगम क्षेत्रों में यह व्यवस्था आज भी कागजों तक सीमित नजर आती है।

नगर निगमों के भवन निर्माण नियमों के तहत निर्धारित क्षेत्रफल से बड़े मकानों, व्यावसायिक भवनों, संस्थानों और अपार्टमेंट्स में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य है। इसके लिए भवन निर्माण की अनुमति के दौरान राशि भी जमा कराई जाती है और संबंधित शर्तों का पालन करने का प्रावधान है। बावजूद इसके बड़ी संख्या में भवनों में आज तक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित नहीं किया गया है। स्थिति यह है कि बारिश का बहुमूल्य पानी सीधे नालियों में बहकर शहर से बाहर निकल जाता है। यदि प्रत्येक भवन में प्रभावी ढंग से वर्षा जल संचयन की व्यवस्था होती तो भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार होता और गर्मी के दिनों में पानी की कमी की समस्या काफी हद तक कम हो सकती थी।

राज्य में सख्ती से कार्रवाई की जरूरत

विशेषज्ञों का मानना है कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में जहां औसत वर्षा पर्याप्त होती है, वहां रेन वाटर हार्वेस्टिंग को केवल नियम बनाकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। इसकी नियमित निगरानी, निरीक्षण और अनुपालन सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। यदि नियमों का पालन नहीं हो रहा है तो संबंधित विभागों को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

आखिर निगरानी क्यों नहीं हो रही

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब भवन स्वामियों से रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नाम पर राशि जमा कराई जाती है, तब यह सुनिश्चित क्यों नहीं किया जाता कि वास्तव में सिस्टम बनाया गया है या नहीं? यदि लाखों रुपये शुल्क के रूप में जमा हो रहे हैं, तो उनकी निगरानी और उपयोग की पारदर्शी व्यवस्था भी दिखाई देनी चाहिए।

भविष्य के लिए गंभीर चेतावनी

पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार गिरता भूजल स्तर भविष्य के लिए गंभीर चेतावनी है। शहरों में तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगलों ने जमीन की जल सोखने की क्षमता पहले ही कम कर दी है। ऐसे में वर्षा जल संचयन ही भूजल पुनर्भरण का सबसे प्रभावी और व्यावहारिक उपाय माना जाता है।

नियम बनाने से समस्या का समाधान नहीं

नागरिकों का भी मानना है कि केवल नए नियम बनाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। नगर निगमों को नियमित निरीक्षण अभियान चलाना चाहिए, जिन भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग नहीं है, उन्हें नोटिस देकर समय सीमा तय करनी चाहिए और नियमों का पालन नहीं करने वालों पर जुर्माना या अन्य वैधानिक कार्रवाई करनी चाहिए।

भविष्य में भूजल दोहन की समस्या और विकराल होगी

हर वर्ष करोड़ों लीटर बारिश का पानी बेकार बह जाने के बाद गर्मियों में जल संकट पर चिंता जताना समाधान नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि नगर निगम और संबंधित विभाग कागजी योजनाओं से बाहर निकलकर जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई करें। यदि अभी भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग को गंभीरता से लागू नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में जल संकट और भूजल दोहन की समस्या और भी विकराल हो सकती है।

नवप्रदेश की अपील

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com